हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, सोमवार | 29 जुलाई 2024 | वर्ष : 02 अंक : 78 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

कांग्रेस सेना में अहीर रेजिमेंट की मांग उठाती रहेगी : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली:हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस भारतीय सेना में अहीर रेजिमेंट बनाने की मांग हर मंच पर उठाती रहेगी। हुड्डा ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव के बाद यदि हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनती है तो इस संबंध में केंद्र को भी प्रस्ताव भेजा जाएगा।कांग्रेस नेता ने कहा, ‘‘अहीर रेजिमेंट की मांग सिर्फ दक्षिण हरियाणा की नहीं बल्कि पूरे देश की है। अहीरवाल क्षेत्र (रेवाड़ी-गुरुग्राम-महेंद्रगढ़) रक्षा बलों में अपने योगदान के लिए जाना जाता है।हुड्डा ने यहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने लोकसभा चुनाव के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रयासों के लिए उन्हें धन्यवाद भी दिया।पार्टी की ओर से जारी बयान के अनुसार हुड्डा के साथ कांग्रेस की हरियाणा इकाई के अध्यक्ष चौधरी उदयभान, पूर्व विधायक अजय सिंह यादव, कांग्रेस नेता राज बब्बर, विधायक चिरंजीव राव और पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे।हुड्डा ने अपने संबोधन में कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान दक्षिण हरियाणा को रेवाड़ी-रोहतक रेलवे लाइन ।

भारत को 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने पर जोर,

पीएम मोदी ने बैठक में एजेंडे पर की विस्तार से चर्चा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को देश को 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के अपनी सरकार के एजेंडे के बारे में विस्तार से चर्चा की और कल्याणकारी उपायों में जनता की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया।

एजेंसी

नई दिल्ली:नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें अधिक मजबूती से लोक कल्याण के समन्वित और मजबूत प्रयासों में जुट जाती हैं तो ‘‘विकसित भारत’’ का लक्ष्य निश्चित तौर से हासिल किया जा सकता है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सुशासन प्रकोष्ठ के संयोजक विनय सहस्रबुद्धे की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक मोदी ने कहा कि विरासत का विकास करना और विकास की विरासत का निर्माण करना ‘‘विकसित भारत’’ की संकल्पना में विशेष महत्व रखता है। प्रधानमंत्री यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों के 13 मुख्यमंत्रियों और 15 उपमुख्यमंत्रियों की दो दिवसीय बैठक के दूसरे दिन उन्हें संबोधित कर रहे थे।मोदी ने देश को 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के अपनी सरकार के एजेंडे के बारे में विस्तार से चर्चा की और कल्याणकारी उपायों में जनता की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। सहस्रबुद्धे ने कहा कि प्रधानमंत्री ने विभिन्न समूहों को लक्षित करते हुए

सरकारी योजनाओं की अधिकतम पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर भी जोर दिया। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह और जे पी नड्डा सहित वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री परिषद में भाग लिया। इसका आयोजन समय-समय पर होता रहता है और इसमें बड़े पैमाने पर शासन के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नई शिक्षा नीति और इसके क्रियान्वयन में राज्यों की भूमिका के बारे में बात की। बैठक के दौरान विभिन्न राज्यों ने अपनी कुछ प्रमुख व महत्वाकांक्षी योजनाओं पर प्रस्तुति दी। मुख्यमंत्रियों समेत भाजपा नेताओं के साथ बातचीत में मोदी ने अक्सर कल्याणकारी योजनाओं की कवरेज सुनिश्चित करने की जरूरत पर जोर दिया है और कहा है कि पार्टी शासित राज्यों को सुशासन के उदाहरण के तौर पर देखा जाना चाहिए। उन्होंने शनिवार को कहा, 'हमारी पार्टी सुशासन को आगे बढ़ाने और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अथक प्रयास कर रही है।'भाजपा द्वारा नियमित अंतराल पर आयोजित मुख्यमंत्री परिषद का उद्देश्य राज्यों में प्रमुख योजनाओं की समीक्षा करना, शासन के सर्वोत्तम तौर-तरीकों और केंद्र सरकार की कल्याणकारी पहल को लागू करना है। बैठक में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, राजस्थान के भजनलाल शर्मा और ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी शामिल हुए। मध्यप्रदेश, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, गोवा, हरियाणा, मणिपुर और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों ने भी विचार-विमर्श में हिस्सा लिया।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को देश को 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के अपनी सरकार के एजेंडे के बारे में विस्तार से चर्चा की और कल्याणकारी उपायों में जनता की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया।

भाजपा के नव नियुक्त अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के भव्य स्वागत की तैयारी, कार्यकताओं में उत्साह

एजेंसी

- हवाई अड्डा से लेकर प्रदेश कार्यालय तक कई प्वाइंट बनाए गए, जहां रहेंगे नेता और कार्यकर्ता, करेंगे स्वागत
- बिहार के सभी जिलों से अभिनंदन समारोह मे शामिल होंगे भाजपा नेतागण
- झंडे बैनर से पटा पटना शहर, ढोल-नगाड़े,गाजे -बाजे के साथ होगा नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल का स्वागत
- निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष व डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी पार्टी कार्यालय में कराएंगे पदभार ग्रहण

पटना, 28 जुलाई। बिहार भाजपा के नव नियुक्त अध्यक्ष दिलीप जायसवाल कल यानी सोमवार को दिल्ली से पटना पहुंचेंगे। पटना पहुंचने पर उनके भव्य स्वागत की तैयारी की जा रही है। पटना हवाई अड्डा से वे प्रदेश कार्यालय जाएंगे। आज प्रदेश कार्यालय में पार्टी के स्वागत समिति की बैठक हुई जिसमें उनके स्वागत और अभिनन्दन समारोह को लेकर रूपरेखा तैयार की गई। भाजपा के नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष श्री जायसवाल के पटना हवाई अड्डा पर उतरने के बाद प्रदेश के पदाधिकारी, विधायक उनका स्वागत करेंगे। इस दौरान पार्टी के कार्यकर्ता ढोल नगाड़े के साथ उनका स्वागत करेंगे। वहां से वे शेखपुरा मोड़, पटेल भवन, राजवंशी नगर, पुनाईचौक, न्यू म्यूजियम, माउंट कार्मेल स्कूल, श्रम नियोजन भवन , आयकर गोलंबर होते हुए प्रदेश कार्यालय पहुंचेंगे। इस दौरान इन स्थानों पर नव नियुक्त अध्यक्ष के स्वागत के लिए स्वागत प्वाइंट बनाये गए हैं , जहां विभिन्न प्रकोष्ठों, मोर्चा और मंच के नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा उनका स्वागत करेंगे। उनके स्वागत को लेकर कार्यालय को दुल्हन की तरह सजाया गया है तथा मिठाइयां बन रही हैं। उन्होंने कहा कि इस स्वागत और अभिनंदन समारोह में बिहार के

असुरक्षित निर्माण की कीमत लोग जान गंवाकर चुका रहे, राहुल गांधी ने दी प्रतिक्रिया

एजेंसी

नई दिल्ली: नयी दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर इलाके में एक कोचिंग संस्थान की इमारत के बेसमेंट में पानी भरने के कारण सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन अभ्यार्थियों की मौत पर रविवार को शोक जताया। राहुल गांधी ने कहा कि आम लोग असुरक्षित निर्माण, खराब नगर नियोजन और हर स्तर पर संस्थानों के गैर-जिम्मेदाराना रुख की कीमत अपनी जान गंवाकर चुका रहे हैं।कांग्रेस नेता ने एक्सपर एक पोस्ट में कहा, दिल्ली की एक इमारत के बेसमेंट में पानी भर जाने के कारण प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन अभ्यर्थियों की मौत बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। कुछ दिन पहले बारिश के दौरान करंट लगने से एक अभ्यर्थी की मौत हो गई थी। सभी शोकाकुल परिजनों के प्रति भावपूर्ण संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा, इस तरह का असुरक्षित निर्माण तंत्र की साझा असफलता है। असुरक्षित निर्माण, लचर नगर नियोजन और हर स्तर पर संस्थाओं के गैर-जिम्मेदाराना रुख की कीमत आम नागरिक अपना जीवन गंवाकर चुका रहे हैं।

नीति आयोग की बैठक में ममता बनजी का अपमानलोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं: शिवसेना

एजेंसी

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता संजय राउत ने रविवार को कहा कि नयी दिल्ली में एक दिन पहली हुई नीति आयोग की बैठक में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का अपमान लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। राउत ने पत्रकारों से कहा कि राज्यों के कई मुद्दे हैं, जिनसे निपटने की जरूरत है और किसी मुख्यमंत्री का माइक्रोफोन बंद करना लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अनुरूप नहीं है।ममता शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में दिल्ली में आयोजित नीति आयोग की बैठक बीच में छोड़कर बाहर निकल गई थीं। उन्होंने आरोप लगाया था कि उन्हें भाषण के दौरान

बीच में ही रोक दिया गया। हालांकि, सरकार ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि ममता को बोलने के लिए दिया गया समय समाप्त हो गया था। बैठक में हिस्सा लेने वाली एकमात्र विपक्षी नेता ममता ने आरोप लगाया कि उनके भाषण के पांच मिनट बाद उनका माइक्रोफोन बंद कर दिया गया।

बिहार को विशेष दर्जा देने से इनकार पर नीति आयोग की बैठक में नहीं पहुंचे नीतीश: भाकपा

एजेंसी

पटना:विपक्षी इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी)-लिबरेशन ने शनिवार को दावा किया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्य को विशेष श्रेणी का दर्जा देने से केंद्र के इनकार से पैदा हुई शर्मिंदगी के कारण नीति आयोग की बैठक में शामिल नहीं हुए।भाकपा (माले)-एल ने विशेष पैकेज पर भ्रामक दावों के लिए सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की आलोचना की और अगले महीने विरोध मार्च निकालने की घोषणा की।‘‘दिल्ली में आयोजित नीति

आयोग की बैठक में पार्टी अध्यक्ष नीतीश कुमार की अनुपस्थिति पर जनता दल (यूनाइटेड) के नेताओं ने चुप्पी साधे रखी। मुख्यमंत्री ने पड़ोसी राज्य झारखंड में विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा के लिए पटना में पार्टी की बैठक की।बिहार विधानसभा में भाकपा (माले)-लिबरेशन के नेता महबूब आलम ने कहा, ‘‘मैं यह जरूर कहना चाहूंगा।

नीति आयोग की बैठक में सहभागितापूर्ण शासन पर ध्यान केंद्रित किया गया : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली:केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नीति आयोग की शासी परिषद की शनिवार को हुई बैठक में केंद्र और राज्यों के बीच निर्बाध सहयोग और सहभागितापूर्ण शासन बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। शाह ने यहां राष्ट्रपति भवन में आयोजित बैठक में भाग लेने के बाद यह बात कही।शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा,आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की अध्यक्षता में हुई नीति आयोग की

शासी परिषद की बैठक में भाग लिया। विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बैठक में केंद्र और राज्यों के बीच निर्बाध सहयोग और सहभागितापूर्ण शासन बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।उन्होंने कहा कि बैठक में गांवों में गरीबी को शून्य स्तर पर लाने यानी इसे पूरी तरह समाप्त करने के विचार पर गहन चर्चा हुई। मोदी ने गरीबी से निपटने के लिए केवल कार्यक्रम स्तर के बजाय व्यक्तिगत स्तर पर काम करने की जरूरत पर जोर दिया।नीति आयोग की शासी परिषद की बैठक में भाग लिया। विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बैठक में केंद्र और राज्यों के बीच निर्बाध सहयोग और सहभागितापूर्ण शासन बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

कांग्रेस ने केंद्र पर बाढ़ प्रभावित राज्यों को धन आवंटित करने में 'दोहरे मानक' अपनाने का लगाया आरोप

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने रविवार को केंद्र सरकार पर बाढ़ प्रभावित राज्यों को धन आवंटित करने में दोहरे मानक अपनाने का आरोप लगाया और कहा कि वह हिमाचल प्रदेश के लोगों से विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को वोट नहीं देने का बदला ले रही है। कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, कल स्वयंभू ‘‘नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित राज्य, विकसित भारत बनाएंगे। वाह, कितनी

गहरी बात है। काश, वह करदाताओं का पैसा वहीं खर्च करते, जहां उसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। उन्होंने कहा, 2023 की विनाशकारी बाढ़ के बाद हिमाचल प्रदेश सरकार ने कई बार मांग की कि केंद्र सरकार बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित करे, लेकिन वित्त मंत्री (निर्मला सीतारमण) ने इस मांग को बार-बार खारिज कर दिया।रमेश ने कहा, अब, वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण के लिए निधि आवंटित करते समय ‘‘नॉन-बायलॉजिकल’’ प्रधानमंत्री की सरकार में काम के दोहरे मानकों का उदाहरण पेश किया है। उन्होंने लिखा, बाढ़-पीड़ित राज्यों के लिए इस संबंध में उनके भाषण के अंश इस प्रकार हैं। बिहार : सरकार 11,500 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेगी।

शिंदे ने महाराष्ट्र में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए केंद्रीय सहायता मांगी

एजेंसी

महाराष्ट्र: के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शनिवार को राज्य में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए केंद्रीय सहायता मांगी ताकि समय पर काम पूरा हो सके और सूखा प्रभावित मराठवाड़ा क्षेत्र में नदियों को जोड़ा जा सके।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में दिल्ली में आयोजित नीति आयोग की शासी परिषद की बैठक में उन्होंने नासिक-पुणे और चिपलुन-कराड रेल लाइन, ठाणे मेट्रो, मुंबई फनल जोन और ‘‘क्लस्टर’’ पुनर्विकास जैसी परियोजनाओं का हवाला देते हुए केंद्रीय निधि की मांग की।शिंदे ने आम आदमी के लिए अपनी सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर भी प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई और राज्य के अन्य हिस्सों में कई जर्जर इमारतों का लस्टर में पुनर्विकास किया जा रहा है।‘‘क्लस्टर पुनर्विकास की मूल योजना का मतलब है कि अलग-अलग इमारतों का पुनर्विकास करने के बजाय, कई पुरानी इमारतों का संयुक्त रूप से पुनर्विकास किया जाता है।शिंदे ने कहा कि झुग्गी-झोपड़ियों और जर्जर इमारतों का पुनर्विकास करने वाली राज्य सरकार की एजेंसियां ??दो लाख से अधिक मकान बनाएंगी। उन्होंने कहा कि कोंकण तटीय सड़क और कोंकण ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे परियोजना क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी।मुख्यमंत्री ने केंद्र से नासिक-पुणे रेल लाइन पर जल्द से जल्द काम शुरू करने का आग्रह किया। उन्होंने आठ जिलों वाले मराठवाड़ा क्षेत्र को सूखा मुक्त बनाने के लिए नदी-जोड़ो परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए केंद्रीय निधि की मांग की। उन्होंने तटीय कोंकण क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया ताकि वर्षा जल को समुद्र में जाने से रोका जा सके।

नीति आयोग को लेकर ममता बनर्जी के आरोप पर हरदीप सिंह पुरी ने कहा-यह राष्ट्रीय मुद्दा नहीं

संवाददाता

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस आरोप को कोई तवज्जो नहीं दी कि दिल्ली में नीति आयोग की बैठक में बोलते समय उनका माइक बंद कर दिया गया। पुरी ने कहा कि यह ‘‘राष्ट्रीय मुद्दा नहीं है’’।केंद्रीय मंत्री यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई द्वारा केंद्रीय बजट पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। बनर्जी नीति आयोग की बैठक से यह दावा करते हुए बाहर निकल गई कि उनके बोलने के पांच मिनट बाद ही उनका माइक बंद कर दिया गया।बनर्जी ने दावा किया कि अन्य मुख्यमंत्रियों को ज्यादा समय तक बोलने दिया गया। बनर्जी के बयान के बारे में पूछे जाने पर केंद्रीय मंत्री ने संवाददाताओं से कहा, ‘‘मैं बैठक में नहीं था और मुझे नहीं पता कि (उन्हें बोलने के लिए) कितना समय दिया गया।उन्होंने कहा, ‘‘लेकिन संसद में भी यह कहा जाता है कि माइक बंद कर दिया गया। ऐसा होता है कि बोलते समय माइक

चालू कर दिया जाता है। मुझे इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। मुझे नहीं पता कि वह कितनी देर तक बोलीं। लेकिन मुझे यकीन है कि यह कोई राष्ट्रीय मुद्दा नहीं है, चाहे आपने 15 मिनट बोला हो या 18 मिनट।बनर्जी के बयान के बारे में पूछे जाने पर केंद्रीय मंत्री ने संवाददाताओं से कहा, मैं बैठक में नहीं था और मुझे नहीं पता कि (उन्हें बोलने के लिए) कितना समय दिया गया। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता संजय राउत ने रविवार को कहा कि नयी दिल्ली में एक दिन पहली हुई नीति आयोग की बैठक में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का अपमान लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। राउत ने पत्रकारों से कहा कि राज्यों के कई मुद्दे हैं, जिनसे निपटने की जरूरत है और किसी मुख्यमंत्री का माइक्रोफोन बंद करना लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अनुरूप नहीं है।ममता शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में दिल्ली में आयोजित नीति आयोग की बैठक बीच में छोड़कर बाहर निकल गई थीं। उन्होंने आरोप लगाया था कि उन्हें भाषण के दौरान बीच में ही रोक दिया गया। हालांकि, सरकार ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि ममता को बोलने के लिए दिया गया समय समाप्त हो गया था। बैठक में हिस्सा लेने वाली एकमात्र विपक्षी नेता ममता ने आरोप लगाया कि उनके भाषण के पांच मिनट बाद उनका माइक्रोफोन बंद कर दिया गया।बनर्जी के बयान के बारे में पूछे जाने पर केंद्रीय मंत्री ने संवाददाताओं से कहा,मैं बैठक में नहीं था और मुझे नहीं पता कि (उन्हें बोलने के लिए) कितना समय दिया गया।

भाजपा कार्यालय में प्रदेश संगठन महामंत्री भीखू भाई दलसानिया ने अन्य नेताओं के साथ सुनी प्रधानमंत्री के 'मन की बात'

प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में संस्कृति और राष्ट्रभक्ति की चर्चा कर स्वतंत्रता दिवस पर घरों में तिरंगा फहराने की अपील की : भीखू भाई दलसानिया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 28 जुलाई। बिहार भाजपा के प्रदेश कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसंवाद कार्यक्रम 'मन की बात' को आज भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री भीखू भाई दलसानिया समेत तमाम नेता और कार्यकर्ताओं ने बैठकर सुना। भाजपा कार्यालय में मन की बात कार्यक्रम को सुनने वालों में प्रदेश संगठन महामंत्री के अलावा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र जी, प्रदेश महामंत्री मिथिलेश तिवारी, प्रदेश उपाध्यक्ष ललिता कुशवाहा, प्रदेश मंत्री संजय गुप्ता, पूर्व मंत्री व विधायक आलोक रंजन झा, श्यामबाबू यादव, विजय खेमका, मुख्यालय प्रभारी अरविंद शर्मा, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी प्रभात मालाकार, अमित प्रकाश बबलू, राजेश सिंह, अमरेन्द्र ठाकुर शांडिल्य, डॉ सुग्रीव, मीना झा, राधामोहन शर्मा, विन्ध्याचल राय सहित प्रदेश के पदाधिकारी, नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के बाद संगठन महामंत्री श्री दलसानिया ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने मन की बात में संस्कृति और राष्ट्रभक्ति की चर्चा करते हुए कहा कि कोई भी देश अपनी संस्कृति पर गर्व करके ही प्रगति कर सकता है। इस संबंध में भारत में किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने परियोजना ह्यपरीह्य का उल्लेख किया, जिसका अर्थ है पब्लिक आर्ट ऑफ इंडिया है। प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त नजदीक आने पर हर घर तिरंगा अभियान में भाग लेने के लिए भी कहा। उन्होंने रेखांकित किया कि हर घर तिरंगा अभियान तिरंगे की शान को कायम रखने का एक अनूठा उत्सव बन गया है। उन्होंने लोगों को ह्ौ१३१ल्ल्ॅ्ञ्रह्य पर तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी अपलोड करने के लिए प्रोत्साहित किया। श्री दलसानिया ने मन की बात सुनने के बाद लोगों से प्रधानमंत्री के मन की बात को सभी बूथों पर सुनने का आह्वान किया। उन्होंने लोगों से कहा कि एक पेड़ मां के नाम जरूर लगाएं। इस दौरान उन्होंने लोगों के पौधा लगाने के उत्साह को देखकर प्रसन्नता भी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हम सभी के लिए एक बड़ा उत्सव है। इस मौके पर हर घर पर तिरंगा फहरे यह गौरव की बात है।

यह बजट देशवासियों को विकसित देश बनाने को लेकर एक मजबूत नींव प्रदान करने के लिए धन्यवाद करता हू

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री श्री चिराग पासवान ने हाजीपुर परिसदन में प्रेस वार्ता सह बुद्धिजीवी सम्मेलन को संबोधित किए। प्रेस को संबोधित करते हुए श्री चिराग ने कहा कि यह जो यह बजट पेश हुआ है देश के हर एक व्यक्ति सबसे पहले इस केंद्रीय बजट को पेश करने के लिए, और देश को और देशवासियों को विकसित देश बनाने को लेकर एक मजबूत नींव प्रदान करने के लिए मैं हमारे देश के प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी का देश के वित्त मंत्री आदरणीय निर्मला सीतारमण जी का दिल से धन्यवाद करता हूं मैं अपनी और अपने एनडीए गठबंधन की तरफ से तमाम सहयोगी दल की ओर से प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार को धन्यवाद देता हूं कि जहां इस बजट में एक बड़ी आबादी का ध्यान रखा गया है वहीं बिहार जैसे राज्य जिसको अभी तक

बीमारु राज्य के तौर पर संबोधित किया जाता है उसको मुख्य धारा के साथ जोड़ने को लेकर जिस तरीके की मदद मुहैया कराई गई है के लिए भी मैं अपने प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी का धन्यवाद करता हूं। साथियों बजट में पांच बिंदु पर ध्यान दिया गया इस बजट में जहां देश के गरीबों का जिक्र किया गया तो वहीं देश के मध्यम वर्ग के लोगों का भी जिक्र किया गया। इस बजट के माध्यम से जहां देश की नारी शक्ति आधी आबादी है उनका ध्यान रखा गया है वहीं युवा शक्ति का का भी ध्यान रखा गया है वहीं हमारे अन्नदाता का भी ध्यान रखा गया है। पिछले 10 सालों में आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में अर्थव्यवस्था ने एक नई मजबूती हासिल की है उस मजबूती का लाभ समाज के हर वर्ग को मिलेगा। इस सोच के साथ इस बजट को तैयार किया गया जैसा मैंने जिक्र किया कि इसमें युवाओं का महिलाओं का किसानों का गरीबों का देश के मध्यम वर्ग तक का इस बजट में ध्यान रखा गया पिछले 10 सालों में हम लोगों ने देखा कि हम लोगों के प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी ने देश के एक बड़ी आबादी लगभग 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकाले हैं हमारे प्रधानमंत्री जी का संकल्प है 2047 तक भारत देश एक विकसित देश बनाने का लक्ष्य रखा है विकसित देश कब बनेगा जब विकसित राज्य बनेगा देश विकसित तब बनेगा जब देश के हर एक राज्य हर एक जिला हर एक प्रखंड हर एक गांव जब विकसित बनेगा। इस बजट में जहां युवाओं की समस्या सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है लगभग 4. 01 करोड़ युवाओं को अलग-अलग स्कीम के माध्यम से पांच अलग-अलग स्कीम के माध्यम से कैसे देश के युवाओं को रोजगार मुहैया कराया

मोदी सरकार में भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार बहु-क्षेत्रीय विकास कर रहा हैं : अरविन्द सिंह

संवाददाता

पटना, 28 जुलाई : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अरविन्द कुमार सिंह ने कहा हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था पिछले 10 वर्षों में मा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में काफी तेजी से विकास कर रहा हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की स्थिति 2014 के पहले कांग्रेस कार्यकाल में 2 ट्रिलियन डॉलर के साथ दसवें स्थान पर थी। और भारत विश्व के कमजोर पांच देशों में शामिल था लेकिन 2014 के बाद श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार बनने के बाद आज 3.75 ट्रिलियन डॉलर के साथ हम विश्व में पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं। मा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की यात्रा में एक और बड़ा कदम बढ़ाते हुए भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 670.86 अरब डॉलर के पार पहुंच चुका है। बजट की नवीन योजनाओं के बाद यह आंकड़ा और अधिक बढ़ेगा और हम जल्द अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेंगे।श्री अरविन्द ने कहा की भारत का रक्षा निर्यात 2014 के पहले कांग्रेस कार्यकाल में मात्र 686.27 करोड़ था लेकिन 2014 के बाद मा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कार्यकाल में भारत का रक्षा निर्यात भारी वृद्धि के साथ बढ़कर 21,083 करोड़ हो गया हैं। कांग्रेस के कार्यकाल में 2014 के पहले देश में मात्र 350 स्टार्ट-अप था, लेकिन मोदी सरकार में 2014 के बाद ये विभिन्न सेक्टर्स में प्रचंड वृद्धि के साथ बढ़कर 1,42,659 हो गए हैं। कांग्रेस कार्यकाल में 2014-15 के पहले मोबाइल उत्पादन मात्र 18,900 करोड़ रुपए था जो मोदी सरकार में बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 4,10,000 करोड़ रुपए हो गया हैं, जो 2000 प्रतिशत की वृद्धि हैं।श्री अरविन्द ने कहा कि मोदी सरकार विभिन्न सेक्टर्स में आधुनिकता को अपनाते हुए सुधार, परिवर्तन और प्रदर्शन की नीति के साथ तिगुना तेजी से भारत को विश्व की तृतीय आर्थिक महाशक्ति बनाने के लिए पूरी दृढ़ता के साथ अग्रसर हैं।

मकेर थानान्तर्गत 03 लूटकांड का सफल उद्भेदन कर 04 अपराधियो को किया गया गिरफ्तार

संवाददाता
शकील हैदर

दिनांक- 11.07.2024 को मकेर थानान्तर्गत चंदीला बाईपास स्थित रविशंकर कुमार, पिता- वीरेंदर पंडित, सा०- दादनपुर, थाना- मकेर, जिला- सारण के आटा मिल दुकान से 04 अज्ञात अपराधियों द्वारा हथियार का भय दिखाकर 16000 रुपया कैश एवं 02 मोबाईल लूट की घटना को कारित किया गया था इस संबंध में मकेर थाना कांड संख्या- 188/24, दिनांक- 11.07.2024, धारा- 309(4) इत्र दर्ज कर अनुसन्धान प्रारंभ किया गया तकनिकी अनुसंधान एवं मानवीय आसूचना के आधार पर 1. संतोष कुमार, पिता- अरुण कुमार भगत, सा०- बहिलबाड़ा, थाना- सरैया, जिला- मुजफ्फरपुर 2. मुन्ना कुमार, पिता- अशोक भगत, सा०- बहिलबाड़ा, थाना- सरैया, जिला- मुजफ्फरपुर एवं 3. अभिषेक कुमार, पिता- रविन्द राम, सा०- बहिलबाड़ा, थाना- सरैया, जिला- मुजफ्फरपुर को छापामारी कर गिरफ्तार किया गया पूछताछ के क्रम में पकडाये तीनों अपराधियों द्वारा मकेर थाना कांड संख्या- 38/24 में सोना- चांदी के जेवर, पैसा और मोबाईल लूट कांड एवं मकेर थाना कांड संख्या- 172/24 में उक्त संचालक से 50000 रुपया कैश व 01 लैपटॉप की लूटकांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है इनके निशानदेही पर लूट की 02 मोबाईल, 01 अन्य मोबाईल, 01 लैपटॉप, 01 घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल एवं घटना के समय अपराधियों द्वारा पहने कपडे बरामद किये गये हैं पकडाये अपराधियों की निशानदेही पर 01 अन्य सहयोगी 4. धीरज कुमार, पिता- हरेन्द्र महतो, सा०- समस्तपुर, थाना- पारू, जिला- मुजफ्फरपुर को गिरफ्तार किया गया तथा इनके निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त 01 पिस्टल, 13 जिन्दा कारतूस,01 मोबाईल एवं 01 मोटरसाइकिल को बरामद किया गया है इस संबंध में मकेर थाना कांड संख्याह्य 203/24, दिनांकह्य25.07.2024, धारा- 317(5) इत्र एवं 25(1-ु)/26 आर्म्स एक्ट दर्ज किया गया है घटना में संलिप्त अन्य अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु छापामारी की जा रही है ?

गिरफ्तार अभियुक्त :-
1. संतोष कुमार, पिता- अरुण कुमार भगत, सा०- बहिलबाड़ा, थाना- सरैया, जिला- मुजफ्फरपुर
2. मुन्ना कुमार, पिता- अशोक भगत,

हुसैनगंज के हाई स्कूल में हुआ मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन, छात्रायें हुई पुरस्कृत

संवाददाता
रोजनामा इंडो
राजेश कुमार चौधरी,

हुसैनगंज हुसैनगंज प्रखंड के उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय हबीबनगर में सावन के पवित्र महिने के उपलक्ष्य में हाई स्कूल व इंटर कॉलेज के छात्र व छात्राओं के बीच मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता का नेतृत्व शिक्षक बसंत कुमार पर्वत और शिक्षिका रश्मि कुमारी तिवारी द्वारा किया गया. इस मेंहदी प्रतियोगिता में दर्जनों छात्र व छात्राओं ने अपनी सहभागिता निभाई. सभी प्रतिभागियों को विद्यालय के सौजन्य से मेंहदी सहित अन्य सामग्री उपलब्ध कराया गया था. सभी प्रतिभागी विद्यालय में सभी शिक्षकों की उपस्थिति में मेंहदी अपने हाथों में सुन्दर सुन्दर आकृति बना कर सबका मन मोह लिया. छात्राओं ने सीमित समय में एक से बढ़कर एक अपने हाथों में मेंहदी रच कर पुरस्कार की भागी बनी. प्रधानाध्यापक व्यास प्रसाद द्वारा चयनित प्रतिभागी रंजना कुमारी, सिमरन कुमारी, सानिया खातून व सानिया को पुरस्कार के साथ सम्मानित किया. वहीं अन्य प्रतिभागियों में पारितोषिक पुरस्कार शिवानी कुमारी, छोटी कुमारी, रीमा कुमारी, गुफराना, नेहा कुमारी, शिल्पी कुमारी, काजल कुमारी, ममता कुमारी, गोबिंदा कुमार, कुतुबुद्दीन को भी दिया गया. पुरस्कार पाकर सभी छात्र व छात्रायें बहुत उत्साहित थे. शिक्षक बसंत कुमार ने बताया कि छात्र व छात्राओं का मनोबल उत्साहित करने के लिए प्रतियोगिता का आयोजन होना आवश्यक है. इस अवसर पर शिक्षिका रजिया खातून, सरोज कुमारी, श्वेता तिवारी, नूरतारा खातून, उषा देवी, शिक्षक शंभु चौधरी, विष्णु यादव, अमरेंद्र कुमार, उमेश कुमार, अनुराग, तुषार कुमार के अतिरिक्त अन्य शिक्षकगण उपस्थित थे.

जन सुराज से जुड़े तीन बड़े नाम

प्रशांत किशोर की उपस्थिति में जन सुराज से जुड़ीं कपूरी ठाकुर की पोती डॉ जागृति, बक्सर से पूर्व लोकसभा प्रत्याशी आनंद मिश्रा और पूर्व राजद विधान पार्षद रामबली सिंह चंद्रवंशी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

प्रशांत किशोर की उपस्थिति में जन सुराज से जुड़ी कपूरी ठाकुर की पोती डॉ जागृति, बक्सर से पूर्व लोकसभा प्रत्याशी आनंद मिश्रा और पूर्व राजद विधान पार्षद रामबली सिंह चंद्रवंशी जन सुराज अभियान का कारवां लगातार बढ़ता जा रहा है। आज पटना के ज्ञान भवन में जन सुराज अभियान की एक संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में जन सुराज अभियान के सूत्रधार प्रशांत किशोर की उपस्थिति में तीन बड़े नाम जन सुराज में शामिल हुए।

पहला नाम - भारत रत्न और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय कपूरी ठाकुर की पोती डॉ जागृति ने प्रशांत किशोर की उपस्थिति में जन सुराज की सदस्यता ली और इस अभियान को अपना समर्थन दिया। दूसरा नाम - 2024 लोकसभा चुनाव में बक्सर से निर्दलीय प्रत्याशी आनंद मिश्रा ने जन सुराज की सदस्यता ली और इस अभियान को अपना समर्थन दिया। उन्होंने प्रशांत किशोर के प्रयासों की तारीफ की। तीसरा नाम - प्रोफेसर रामबली सिंह चंद्रवंशी ने भी प्रशांत किशोर से प्रभावित होकर जन सुराज की सदस्यता ली और इसके सोच की प्रशंसा करते हुए कहा कि बिहार में जन सुराज के माध्यम से परिवर्तन लाया जा सकता है।

मधुबनी, जयनगर पुलिस ने किया 24 घंटे के अंदर घटना का उद्भेदन, दो आरोपी पिस्ट कारतूस के साथ गिरफ्तार

संवाददाता
अबु बकर

डीएसपी विपल्लव कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि सूचना मिली कि ग्राम दुल्ली पट्टी से छपराढ़ी जाने वाली सड़क पर एक व्यक्ति को गोली मारकर हत्या कर दी गई है इस सूचना की सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई करते हुए पुलिस अधीक्षक को सूचना देते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पुलिस उपाधीक्षक सा थाना अध्यक्ष अंकुर कुमार द्वारा तत्व कार्रवाई करते हुए शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मधुबनी सदर अस्पताल भेज दिया गया

इस घटना में गठित टीम के द्वारा घटाना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरा का वीडियो फुटेज निकाल कर जांच एवं विश्लेषण किया गया

तो घटना के समय एक स्कूटी पर सवार एक महिला एवं एक मोटरसाईकिल पर सवार दो व्यक्ति को

तेजी से भागते हुए देखा गया जांच के कर्म में मृतक के पत्नी ललिता देवी के द्वारा बताया गया कि मृतक राम लखन सफी मेरा पति है और सीसीटीवी फुटेज मैं दिखाई दे रही महिला हमारे बगल के गांव की है जो हमारे पति के मुंह से बराबर मिलती-जुलती एवं बातचीत करती है जांच के कर्म में उक्त महिला नीलम देवी को गठित टीम के द्वारा ग्राम हरी शिवरा खजौली थाना जिला मधुबनी बताइए जिसके स्वीकारो गुलाब संतु नगर वार्ड नंबर 93 मोहम्मद रियाज नताफ उम्र 20 वर्ष सीता मोहम्मद फिरोज, साकिन मीना बाजार खड़े श्री वार्ड नंबर 9 थाना नगर जिला मधुबनी को गिरफ्तार किया गया है घटना में प्रयुक्त देसी पिस्टल को बरामद किया गया तथा वादिनी ललिता देवी उम्र 37 वर्ष जयनगर थाना कांड संख्या 216/24 दिनांक 27/07/24 दर्ज किया गया

पकड़े गए आरोपों के पास से एक पिस्टल घटनास्थल से 2 खोखा बरामद, तीन मोबाइल बरामद किया गया है

सभी पुलिस पदा अधिकारी

नवनियुक्त बिहार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल ने आज प्रधानमंत्री आवास पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी से शिष्टाचार मुलाकात कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

नवनियुक्त बिहार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल ने आज प्रधानमंत्री आवास पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी से शिष्टाचार मुलाकात कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया और संगठन को सुदृढ़ करने का गुरुमंत्र भी लिया। ज्ञात हो कि डॉ दिलीप जायसवाल बिहार प्रदेश अध्यक्ष की कमान संभालने के तुरंत पश्चात भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री एवं प्रदेश अध्यक्षों की बैठक के लिए दो दिनों से दिल्ली प्रवास पर थे। आदरणीय प्रधानमंत्री जी का आशीर्वाद मिलने के पश्चात डॉ जायसवाल ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी हम सबके प्रेरणास्रोत हैं। देश के विकास के प्रति उनका विजन हम सबके लिए अनुकरणीय है। उनसे बिहार के विकास पर भी विस्तार से चर्चा हुई और बिहार में संगठन की मजबूती पर भी उनका मार्गदर्शन मिला। डॉ जायसवाल ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री जी बिहार के विकास के लिए कटिबद्ध हैं। उनके विजन और गुरुमंत्र से प्रेरणा लेकर मैं संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में कार्य करूंगा। साथ ही, बिहार के विकास के लिए सरकार को संगठन की ओर से हरसंभव सहयोग किया जाएगा।

समस्तीपुर पोलिस की बड़ी कामयाबी 24 घंटे के अंदर अपहर्ता दो बचे को किया बरामद

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर, समस्तीपुर पुलिस की त्वरित कार्रवाई दिनांक- 27.07.2024 को चकमेहसी थानान्तर्गत ग्राम मालीनगर डीह टोला से अपहृता दो शिशु को बहला फुसला कर ले जाने के क्रम में पुलिस को सूचना मिलते ही 06 (छः) घण्टों के अन्दर मुसरीघरारी थानान्तर्गत बथुआ बुजुर्ग हनुमान मंदिर के पास से अभियुक्तों के साथ अपहृता शिशु को बरामद करते हुये दो अपराधकर्मी गिरफ्तार किया है

घटना का विवरण दिनांक- 27.07.2024 को आवेदक बजरंगी कुमार, पे० श्री उपेन्द्र महतो, सा०-

मालीनगर डीह टोला, थाना- चकमेहसी, जिला-समस्तीपुर के द्वारा एक आवेदन दिया गया तथा बताया गया कि उनकी पुत्री अंजली कुमारी उम्र 3 वर्ष एवं बगल के अरविन्द कुमार, पे०-नागेन्द्र महतो, सा०-मालीनगर डीह टोला, थाना-चकमेहसी, जिला-समस्तीपुर की पुत्री आरती कुमारी उम्र 4 वर्ष जो मालीनगर आँगनबाड़ी केन्द्र-165 में पढ़ने गई थी, अबतक घर नहीं आयी है। खोजबीन के क्रम में ग्रामीणों द्वारा बताया गया है कि 1. मोनू कुमार उम्र 18 वर्ष, पे० श्याम महतो एवं 2. शत्रुघ्न पासवान उम्र 40 वर्ष, पे०-स्व० गनौर पासवान दोनों साकिन-मालीनगर डीह टोला, थाना-चकमेहसी, जिला-समस्तीपुर के द्वारा उक्त दोनों बच्ची को रोड तरफ जाने वाली एक पैरिया रास्ता से ले जाते हुये देखा गया है, जिस संदर्भ में चकमेहसी थाना कांड स0-119/24, दिनांक-27.07.2024, धारा-137 (2)/139/143(2) (4) (5)/61(2) बी०एन०एस० के तहत

प्रिंसिपल ने मेरे बेटे का मर्डर किया गया में पिता बोले- डैम में जाने की प्रिंस को किसने दी परमिशन

गया। में दो दिन से लापता जवाहर नवोदय विद्यालय के 11वीं के छात्र का शव शनिवार को तेतर डैम से मिला। 14 साल के प्रिंस कुमार की कमर में भारी पत्थर बांधकर उसे डैम में फेंका गया था। पिता का आरोप है कि प्रिंसिपल ने ही मेरे बेटे की हत्या कर लाश में डैम में फेंकवा दिया है। मृतक के पिता दिनेश मिस्त्री ने प्रिंसिपल के एक बयान को रिपिट किया कि 'बच्चा जिस शर्ट में गायब हुआ है, उस शर्ट के अलावा जिंदा या मुर्दा मिले तो हमें बताएगा। पिता का कहना है कि इतने दावे से वही यह बात कह सकता है जो प्रिंस की मौत का राजदार हो। पिता का यह भी कहना है कि स्कूल से बाहर जाने पर जिस रजिस्टर में साइन करना होता। उसमें मेरे बेटे का साइन भी मैच नहीं कर रहा है। डैम में बिना इजाजत कोई जा नहीं सकता फिर प्रिंस वहां तक कैसे पहुंचा? दिनेश मिस्त्री ने प्रिंसिपल के खिलाफ शनिवार की देर शाम अतरी थाने में केस भी दर्ज कराया है। हालांकि, पुलिस अब तक कोई सुराग किसी के खिलाफ हासिल नहीं कर सकी है। वह लगातार मामले की जांच करने में जुटी है। क्लास 6 से इसी स्कूल में पढ़ रहा था प्रिंस बता दें कि प्रिंस क्लास 6 से नवोदय विद्यालय जेठीयन में पढ़ रहा था। उसने वहीं से 10वीं बोर्ड की परीक्षा भी इसी साल अच्छे अंक से पास की थी। इसके बाद उसने 7 जुलाई को 11वीं में इसी स्कूल में एडमिशन लिया। उसी दिन से स्कूल हॉस्टल में रहने लगा था। जिस दिन लिया एडमिशन, उसी दिन मिला गायब पिता दिनेश मिस्त्री का कहना है

कि जिस दिन प्रिंस ने स्कूल में एडमिशन लिया, उसी दिन वह स्कूल से भाग गया था। लेकिन उसी शाम फिर वो हॉस्टल वापस आ गया था। इसके बाद कुछ दिनों तक सब कुछ ठीक रहा। 25 जुलाई गुरुवार को प्रिंस की स्कूल में कुछ लड़कों के साथ लड़ाई हुई थी। तभी से वो लापता हो गया है। इसकी जानकारी उसी रात स्कूल के एक लड़के ने हमें दी। फिर हाउस इंचार्ज ने भी इस बात की जानकारी हमें दी। पिता दिनेश मिस्त्री ने आगे बताया कि लापता होने की सूचना पर उसकी हर जगह खोजबीन की पर कहीं से कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद पुलिस को इस घटना की सूचना दी। पुलिस के साथ हम स्कूल पहुंचे। इस दौरान प्रिंसिपल ने कहा कि बच्चा जिस शर्ट में गायब हुआ है, उस शर्ट के अलावा जिंदा या मुर्दा मिले तो हमें बताइएगा। इस बयान के अगले ही दिन शनिवार की सुबह वह जिंदा तो नहीं मिला पर स्कूल ड्रेस में ही उसका शव तेतर डैम से बरामद हुआ। पिता दिनेश मिस्त्री ने ये भी बताया कि स्कूल के मेन गेट पर बाहर जाने के लिए, एंट्री और आउट के लिए बच्चों का साइन होता है। जब उस रजिस्टर को देखा तो उसमें प्रिंस का नाम लिखा और साइन भी था। लेकिन साइन देख कर हमें डाउट हुआ। इस पर हमने प्रिंस के स्कूल कॉपी को दिखाने के लिए कहा। लेकिन स्कूल प्रबंधन और स्कूल का गार्ड बुरी तरह से इस मामले पर भड़क गया। वह कहने लगा कि एक आदमी को ही दिखाया जा सकता है, पूरे गांव को नहीं। किसी तरह से मामला शांत किया गया। स्कूल प्रबंधन ने अगली सुबह आने को कहा। दिनेश मिस्त्री का यह भी कहना है कि स्कूल प्रबंधन ने कहा था कि बाल कटवाने के नाम पर बाहर गया था। इसके बाद वह गायब हो गया था। इस पर जब इलाके की नाई शॉप से छानबीन की तो पता चला कि स्कूल का कोई लड़का गुरुवार को आया ही नहीं था। प्रिंसिपल ने पुलिस से बहस के दौरान स्कूल ड्रेस में ही स्टूडेंट्स के जिंदा या मुर्दा मिलने की बात क्यों कही? उसकी क्या मंशा थी? स्कूल से तेतर डैम की दूरी 4 किलोमीटर है। बीच में एक छोटी पहाड़ी भी है।

संक्षिप्त डायरी

बिहार के 19 जिलों में बारिश का अलर्ट

बिहार। में पिछले दो हफ्तों से मानसून कमजोर बना हुआ है। इस वजह से 37 जिलों में कम बारिश हुई है। 1 जून से अब तक किशनगंज को छोड़कर प्रदेश के सभी जिलों में सामान्य से कम बारिश देखने को मिली है। मौसम विभाग की मानें तो आने वाले दिनों में इसमें सुधार होने की उम्मीद है। वहीं, विभाग ने आज प्रदेश के 19 जिलों में बारिश को लेकर के यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार बंगाल की खाड़ी में साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है। अगले दो-तीन दिनों में पटना समेत बिहार के कुछ इलाकों में कहीं हल्की तो कहीं मध्यम बारिश होने का पूर्वानुमान है। वहीं, 29 जुलाई को पूर्वी चंपारण और 30 जुलाई को गोपालगंज, सीवान, मुजफ्फरपुर और पश्चिमी चंपारण में भारी बारिश होने की संभावना है। समस्तीपुर और सहरसा में सामान्य से 56 फीसदी बारिश में कमी आई है। दूसरी ओर वैशाली, मधुबनी और सारण ऐसे जिले हैं, जहां सामान्य से 55 फीसदी कम वर्षा दर्ज की गई है। दरभंगा में सामान्य से 53 और राजधानी पटना में 50 फीसदी तक कम बारिश हुई है।

जिस-जिस से मदद मांगी उसने रेप किय 12 घंटे में 6 लोगों ने की दरिंदगी

बिहार। मैं दोस्त से बात कर रही थी। भीड़ ने हमें घेर लिया। मारने लगे। जान बचाकर मैं एक घर में घुस गई। मैंने मदद मांगी थी। वहां 4 लोग मुझे ऑटो में बिठाकर सुनसान जगह पर ले गए। मेरे साथ गैंगरेप किया। 500 रुपए देकर छोड़ दिया। एक बाइक वाले से मदद मांगी तो उसने भी अपने दोस्त के साथ रेप किया। इसके बाद मैं एक घर तक पहुंची। सारी कहानी बताई। मदद की बजाय वो लोग मुझे बेचने की प्लानिंग करने लगे।" ये बयान है मोतिहारी की 13 साल की लड़की का। वो 6वीं क्लास में पढ़ती है। 16 जून 2024 के पहले तक उसकी लाइफ में सब ठीक था। इसी दिन शाम को वो घर से कुरकुरे लेने निकली थी। रास्ते में उसे एक दोस्त मिला। दोस्त से बात करता देख भीड़ ने मारपीट की। बस इसके बाद उसकी पूरी लाइफ ही बदल गई। 12 घंटे में 6 लोगों ने रेप किया। उसने जिस-जिस से मदद मांगी उसने धोखा दिया। बच्ची करीब 41 दिन तक घर से गायब रही। इस दौरान पुलिस ने एक लाश की शिनाख्त कराई। परिवार ने उसकी पहचान की। परिवार लड़की का पिंड दान भी कर चुका था। 4 आरोपियों में से 2 को पुलिस गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश भी कर चुकी थी। उन्होंने अपना जुर्म भी कबूल कर लिया।मदद के लिए पास के गांव के एक घर में घुस गई। वहां 4 लोग थे। मैंने कहा, अंकल घर छोड़ दीजिए प्लीज। उन्होंने मुझसे पूरी कहानी सुनी फिर एक ऑटो मंगवाया और उसमें बिठाया कहा, चलो घर छोड़ देंगे। चारों मुझे एक सुनसान जगह पर ले गए। वहां उन्होंने मेरे साथ गैंगरेप किया। मैं रोती रही। चिल्लाती रही, लेकिन उन्होंने मेरी एक ना सुनी। वो बीच-बीच में मेरे साथ मारपीट भी कर रहे थे। रेप करने के बाद वो मुझे छतौनी बस स्टैंड लेकर आए। वहां मुझे 500 रुपए दिए और छोड़कर चले गए। उन्होंने मुझे धमकी भी दी। कहा- किसी को बताया तो जान से मार देंगे। इतना कहकर वो सभी चले गए। मैं वहीं पर खड़ी थी, इसी बीच दो बाइक पर सवार दो युवक आए। मुझसे पूछा, क्या हुआ है। मैंने उन्हें अपनी पूरी कहानी बताई। सोचा कि वो मेरी मदद करेंगे। एक बाइक वाले ने मुझे कहा कि गाड़ी पर बैठ जाओ, तुम्हें घर छोड़ देंगे। मैं बैठ गई। थोड़ा आगे गाड़ी बढ़ी तो साइन बोर्ड पर मैंने पढ़ा कि वो मुझे मुजफ्फरपुर ले जा रहा था। मैंने पूछा तो बोले वहां से घर चलेंगे। थोड़ा आगे जाकर वो मुझे एक मंदिर के पास ले गए। दोनों ने मेरे साथ रेप किया। रातभर वो मेरे साथ गंदी हरकतें करते रहे। सुबह मुझे रोड पर लाकर ऑटो में बैठाकर ड्राइवर से कहा कि इसे छोड़ देना। जब ऑटो से सारे पैसेंजर्स उतर गए तो ड्राइवर ने मुझसे पूछा कि कहां जाना है। मैंने उसे अपनी पूरी कहानी बताई। ऑटो वाले ने कहा कि माहौल खराब है। चलो तुम्हें एक जगह रख देंगे। जब माहौल ठीक हो जाएगा तो फिर तुम अपने घर चली जाना। इधर, लड़की को ढूंढ रही पुलिस ने उसके दोस्त को पकड़ा और उससे पूछताछ शुरू की। लड़के ने मुन्ना पासवान के घर में लड़की के घुसने तक की बात बताई। लड़की के पिता दरोगा टोला पहुंचे और मुन्ना पासवान से इस संबंध में बात की। मुन्ना ने बताया कि दो दिन पहले एक लड़की कहीं से भाग कर मेरे घर में घुस गई थी। उसने चेहरे को दुप्पटा से बांध रखा था। इसलिए मैं उसे पहचान नहीं सका। पर उसे मोहल्ले के ही रंजन पासवान, गुड्डू साह, अमर पासवान और मनीष पासवान उसके घर पहुंचाने के लिए ई-रिक्शा से ले गए थे। फिर क्या हुआ, मुझे नहीं पता। एएसपी ने कहा, हत्या का मामला हट जाएगा सदर एएसपी शिखर चौधरी ने बताया कि पीड़िता के बयान के बाद यह साफ हुआ है कि चार नहीं छह लोगों ने रेप की घटना को अंजाम दिया है। जिसमें चार की पहचान हो गई है, दो को न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। अन्य दो का जो नाम आया है, उसकी जांच की जा रहा है। पीड़िता की मौत की जो बात आरोपी द्वारा कही गई थी, वह गलत साबित हुआ। पीड़िता जिंदा है। वह कैसे तुरकौलिया पहुंची, इस बात की जांच कराई जा रही है।

शहर में नहीं चलेगी बसें मीटिंग में नए रूट पर लिया गया निर्णय

दरभंगा। शहर को जाम से निजात दिलाने के लिए अगस्त के पहले सप्ताह से शहर में सवारी बसों का परिचालन बंद हो जाएगा। अब दिल्ली मोड़ से कुशेश्वरस्थान और बिरौल या सहरसा जानेवाली बस स्टेशन रोड, दोनार चौक के रास्ते नहीं जाएगी।

बनाए गए नए रूट दिल्ली मोड़ से रानीपुर, बिजली, तारसराय, सकरीऔर घरौड़ा होते हुए बेनीपुर के रास्ते निकलेगा। वहीं, लहेरियासराय बस स्टैंड से मधुबनी, कमतौल सहित अन्य जगह जाने वाली बस लहेरियासराय से सैदननगर, एकमी,भरौल होते हुए शोभन बाइपास के रास्ते दिल्ली मोड़ बस स्टैंड जाएगी। इसको लेकर शनिवार को कमिश्नर मनीष कुमार केअध्यक्षता में बैठक हुई। जिसमें डीएम-एसएसपी के मुख्यालय में नहीं रहने पर उनके प्रतिनिधि के रूप एडीएम नीरज कुमारदास, सिटी एसपी शुभम आर्य, नगर आयुक्त कुमार गौरव,संयुक्त सचिव सह क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार राजेश कुमार,डीटीओ, श्रीप्रकाश, ट्रैफिक डीएसपी अवधेश कुमार आदि नेभाग लिया।

बैठक में शहर में जाम से निजात के लिए उपरोक्त प्रस्ताव पर चर्चा के बीच ऑटो के परिचालन को लेकर भीतीन रूट बनाने और ऑटो पर रंगीन पट्टी लगाने को कहा गया है। वहीं, दोनार और सोनकी में सवारी बस के लिए बीएमपी केनिकट भूमि तलाशने के बीच किराए पर भी भूमि मिलने पर उसके लिए कार्रवाई करने को कहा गया है।

वर्तमान मेंराजकुमारगंज, दोनार, सोनकी, धरौड़ा, मझौड़ा बस पड़ाव,बेनीपुर, सतीघाट, सुपौल, बेर चौक, दरभंगा, कुशेश्वरस्थान के रास्ते सहरसा तक 171 बसों को परिचालन होता है अतिक्रमण हटाने का निर्देश अतिक्रमण हटाने का सड़कों के दोनों तरफ से दुकानदारों द्वारा किया गया है।

डिवाइडर से टकरा कर स्कार्पियो पलटी चालक समेत 3 लोग घायल, एक की हालत गंभीर

पूर्णिया। में की रात भीषण सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई। इसके बाद गाड़ी पलट गई। दुर्घटना में स्कॉर्पियो सवार 3 लोग घायल हो गए। इसमें से एक की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के तुरंत बाद पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर जुटे। घायलों को बेहतर इलाज के लिए निजी अस्पताल में एडमिट कराया गया है। अब तक घायलों की पहचान नहीं हो सकी है। घटना शहर के सहायक खजांची थाना क्षेत्र के बस स्टैंड गेट 2 के पास घटी है। स्थानीय लोगों

के अनुसार BR11H9372 नंबर प्लेट वाली व्हाइट स्कॉर्पियो मरंगा की ओर से पूर्णिया की ओर जा रही थी। इसी दौरान बस स्टैंड गेट नम्बर 2 के पास स्कॉर्पियो अचानक बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराई और फिर पलटी खा गई। इससे 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय मौके पर जुटे। वहीं, थोड़ी दूर पर गश्त कर रही सहायक खजांची थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद पुलिस और स्थानीयों की मदद से घायलों को आनन-फानन में पूर्णिया ले जाया गया।

जहां एक की हालत गंभीर बनी है। जिसे बेहतर इलाज के लिए डॉक्टरों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया है। वहीं, कार पर सवार पर 2 अन्य लोग को इलाज के लिए लाइन बाजार स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया है। जहां दोनों का इलाज जारी है।

गैंगवार में शराब तस्कर का गोली मारकर किया मर्डर

बेतिया। में गैंगवार में शराब तस्कर की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। खून से लथपथ लाश खेत में रविवार को सुबह मिली। शव के पास भारी मात्रा में शराब की बोतलें भी मिली हैं। पुलिस का मानना है कि गैंगवार में गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया गया है। शराब तस्कर के दो गुटों के बीच गोलीबारी हुई है। घटना बैरिया थाना क्षेत्र के बथना सरेह की है। मृतक की पहचान पूर्वी नौतन के बुलेट पटेल (36) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि बुलेट गंडक नदी के रास्ते यूपी से शराब मंगवाकर बेतिया में बेचा करता था। मृतक के भाई का कहना है कि घर से 7 किमी दुर बुलाकर गोली मारी गई है। घटना देर रात की बताई जा रही। सुबह

शौच के लिए गए लोगों ने शव को देख घटना की जानकारी बुलेट के परिवार वालों को दी। मृतक के भाई सुरेश पटेल ने कहा है कि हम रात में दुसरा ड्यूटी करने के लिए गए थे। रात में इसे बुलाया गया था। इसके बाद घर से 7 किलोमीटर दुर इसकी खेत में गोली मारकर हत्या कर दी गई है। सूचना मिलने पर हम यहां पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी।

एसपी अमरकेश डी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही मौके पर एफएसएल की टीम के साथ पुलिस पहुंच कर जांच पड़ताल में जुटी हुई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार बुलेट के खिलाफ बैरिया थाने में पुलिस के साथ मारपीट और शराब तस्करी के कई संगीन मामले दर्ज है।

8 अगस्त 2020 को बुलेट को पुलिस ने शराब के साथ गिरफ्तार भी किया था।

महिला डॉक्टर ने दुपट्टे से लटक कर किया सुसाइड

गया। के मगध मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के गर्ल्स पीजी हॉस्टल में रविवार सुबह एक महिला डॉक्टर की लाश मिली है। सुसाइड करने वाली डॉ. वंदना हॉस्टल नंबर 7 में रहती थी। आज सुबह उसकी ड्यूटी लगी थी, लेकिन वो अपने कमरे से बाहर नहीं निकली। हॉस्टल की अन्य साथियों को जब इसकी सूचना मिली तो सभी ने मिलकर कमरे का दरवाजा तोड़ दिया। साथियों ने देखा कि डॉ. वंदना का शव दुपट्टे से लटका हुआ है। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतारा और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि यह

सुसाइड का मामला लग रहा है। पोस्टमॉर्टम के बाद सही जानकारी सामने आ पाएगी। कमरे को अच्छे से सर्च किया जा रहा है। किसी को भी पुलिस अंदर नहीं जाने दे रही है। पुलिस हॉस्टल में लगे सीसीटीवी भी खंगाल रही है। एमबीबीएस के बाद यहां से डॉ.वंदना अस्पताल के स्त्री रोग विभाग में पोस्ट ग्रेजुएशन कर रही थी।महिला डॉक्टर मूल रूप से मुजफ्फरपुर की रहने वाली थी। मृतक के पति अमितेंद्र कुमार सिन्हा रेलवे में नौकरी में करते हैं और पटना में पोस्टेड हैं। जानकारी के मुताबिक, पति अमितेंद्र कुमार 26 जुलाई को ही पत्नी वंदना से मिलने आए थे। दोनों का एक 17 साल का बेटा है, जो दिल्ली में पढ़ाई करता है। मृतक के पति पटना से गया के लिए रवाना हो चुके हैं। पुलिस वालों का कहना है कि मृतका की छोटी बहन का कहना है कि जब तक वो गया नहीं पहुंचती तब तक शव को पंखे से नीचे नहीं उतारा जाए। गया में हार्डवेयर व्यवसायी की पत्नी ऋचा सेठ ने अपार्टमेंट की चौथी मंजिला से कूदकर जान दे दी है। सिर के बल गिरने से मौके पर ही मौत हो गई।

4 सगे भाइयों की बेहरमी से पिटाई

भोजपुर के आयर थाना क्षेत्र के इचरी गांव के भसेरा टोला में शनिवार की देर शाम खेत से ट्रैक्टर ले जाने के विवाद में गांव के लोगों ने 4 सगे भाइयों को लाठी-डंडे और लोहे की रॉड से मारकर बुरी तरह घायल कर दिया। इस दौरान उक्त लोगों ने सभी भाइयों को तब तक मारते रहे जब तक अन्य लोगों ने बीच बचाव करने नहीं पहुंचे। इसके बाद मामला शांत होने के सभी जख्मियों को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया, जहां सभी का इलाज कराया जा रहा है। घायल आयर थाना क्षेत्र के भसेरा टोला निवासी शिव मोहन सिंह के 4 बेटे बिजेंद्र यादव(25), कमलेश यादव(40), रविन्द्र कुमार(24), चितरंजन कुमार(18) शामिल हैं। घटना की जानकारी देते हुए जख्मी बिजेंद्र कुमार ने बताया कि वह अपने डेढ़ बिगहा खेत में रोपनी करने का काम कर रहे हैं। लेकिन उनके खेत में ट्रैक्टर ले जाने का रास्ता नहीं था। इसके बाद वो ट्रैक्टर को गांव के पड़ोसी के खेत से लेकर चले गए थे।

गोपालगंज में हिरासत में तीन महिला

ग्रामीणों ने पुलिस टीम पर किया हमला पुलिसकर्मी समेत 2 घायल

गोपालगंज। के माधोपुर थाना क्षेत्र के पिपरा गांव में शनिवार को पुलिस टीम और स्थानीय महिला के बीच नोकझोंक हुई। इस दौरान ग्रामीणों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। इस कारण एक महिला समेत एक महिला सिपाही जख्मी हो गई, जिसका इलाज बरौली पीएचसी मे कराया गया। पुलिस ने स्थिति को निर्यंत्रित करने के लिए लाठियां भी चटकाई। साथ ही तीन महिलाओं को अपने हिरासत में ले लिया है। साथ ही बताया है कि पुलिस टीम पर आरोपियों ने मिर्च पाउडर से हमला किया। स्थिति नियंत्रण में है। जबकि, घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल व्याप्त है। दरअसल, इस संदर्भ में बताया जाता है कि माधोपुर थाना क्षेत्र के पिपरा गांव में दो पक्षों के बीच जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इस बीच एक पक्ष ने जमीन की मापी के लिए अंचल कार्यालय में आवेदन दिया था। जबकि, दूसरा पक्ष कोर्ट में मामला लंबित होने के कारण मापी का विरोध कर रहा था।

खोजी कुत्ते ने सॉल्व की मर्डर मिस्ट्री पत्नी की हत्या कर धोकर छिपा दी थी ईंट

पटना। पुलिस ने 24 घंटे के अंदर पूजा हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। पति ने ही ईंट से कूच-कूचकर पत्नी की हत्या की थी। वारदात के बाद खून से सने ईंट को धोकर छत पर छिपा दिया था। जिसे डॉग स्क्वायड टीम के मुख्य सदस्य हीरा (स्निफर डॉग) ने खोज

निकाला। आरोपी पति नीरज कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसने अपना जुर्म भी कबूल कर लिया है। पूछताछ के दौरान बताया कि उसकी पत्नी पूजा का घर में व्यवहार ठीक नहीं था। अक्सर लड़ाई करती थी। मेरे पिता और मां के साथ भी गलत व्यवहार करती थी। घरेलू क्लेश से परेशान हो चुका था। इस वजह से प्लानिंग के तहत उसे मार डाला। बता दें कि पुलिस को शुक्रवार सुबह गौरीचक थाना क्षेत्र के चंदौसी गांव में नवविवाहिता पूजा कुमारी की हत्या की सूचना मिली थी। मायके पक्ष ने पति नीरज कुमार पर हत्या का आरोप लगाया था। मौके पर जांच के लिए एफएसएल और डॉग स्क्वायड की टीम भी पहुंची। टीम ने स्निफर डॉग हीरा की मदद से छानबीन शुरू की। कुछ ही देर में हीरा ने घटना में इस्तेमाल ईंट को खोज निकाला। जिसे छत पर छिपाकर रखा गया था। हत्या के बाद ईंट को धो दिया गया था। पुलिस ने जब मृतका के पति से कड़ाई से पूछताछ की तो उसने पूरे मामले का खुलासा कर दिया। डॉग स्क्वायड टीम के चमराव राम ने बताया कि हीरा 2021 से टीम के साथ है। ट्रेनिंग हैदराबाद में हुआ है।

घटना की जगह पर इसे लेकर जाते हैं तो हत्या की कई गुत्थी सुलझाने में मदद मिलती है। हीरा अभी तक 3 से 4 केस को सुलझा चुका है। पटना के गौरीचक थाना क्षेत्र के चंदौसी गांव में अपराधियों ने घर में घुसकर एक महिला की निर्मम हत्या कर दी। जबकि, महिला के पति और ससुर घायल अवस्था में मिले हैं। सूचना मिलते ही गौरीचक थाने की पुलिस, सदर डीएसपी 2 सत्यकाम मौके पर पहुंचे। मामले की छानबीन शुरू कर दी है। मृतक महिला के मायके वालों ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है।

वहीं, ससुराल वालों ने इस घटना को अपराधियों द्वारा अंजाम दिए जाने की बात बताई है। इस मामले को लेकर सदर डीएसपी से बात की गई तो उन्होंने कहा कि महिला की हत्या हुई है।

17 साल के किशोर का भतीजी से अफेयर मिली लाश

बेतिया। में बेटी के अवैध संबंध से नाराज पिता ने पत्नी, भाई सहित अन्य परिजनों के साथ मिलकर बेटी के प्रेमी की गला दबाकर हत्या कर दी। मर्डर के बाद आरोपियों ने शव को घर से दो किलोमीटर दूर सरेह में ले जाकर धान के खेत में गड्ढा खोदकर दफना दिया। घटना 13 जुलाई की है। बुधवार को किशोर का शव पुलिस ने बरामद किया है। साथ ही हत्या में शामिल लड़की की मां को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बताया गया कि मृतक किशोर का भतीजी के साथ ही प्रेम प्रसंग था जिसमें उसके चचेरे भाई-भाभी समेत अन्य परिजनों ने मिलकर हत्या की है। प्रेमिका की मां की निशानदेही पर पुलिस ने किशोर का शव बरामद किया था। इसमें शामिल अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। बेतिया में बेटी के अवैध संबंध से नाराज पिता ने पत्नी, भाई सहित अन्य परिजनों के साथ मिलकर बेटी के प्रेमी की गला दबाकर हत्या कर दी। मर्डर के बाद आरोपियों ने शव को घर से दो किलोमीटर दूर सरेह में ले जाकर धान के खेत में गड्ढा खोदकर दफना दिया। घटना 13 जुलाई की है। बुधवार को किशोर का शव पुलिस ने बरामद किया है। साथ ही हत्या में शामिल लड़की की मां को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बताया गया कि मृतक किशोर का भतीजी के साथ ही प्रेम प्रसंग था जिसमें उसके चचेरे भाई-भाभी समेत अन्य परिजनों ने मिलकर हत्या की है। प्रेमिका की मां की निशानदेही पर पुलिस ने किशोर का शव बरामद किया था। इसमें शामिल अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। नौतन थाना क्षेत्र का रहने वाला किशोर अपनी मां के साथ उत्तराखंड में रहता था। 9 जुलाई को 24 साल के चचेरे भाई की शादी में शामिल होने अकेले गांव आया था। किशोर जिसकी शादी में आया था, उसके ही बड़े भाई की बेटी के साथ उसका प्रेम संबंध था। वहीं, 12 जुलाई को शादी थी, 13 को बारात से लौटने के बाद किशोर को परिजनों ने चचेरी भतीजी उर्फ उसकी प्रेमिका के साथ आपत्तिजनक हालत में देख लिया। उसी दिन उसे रूम में लेजाकर पीटा फिर उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। आरोपियों ने साक्ष्य मिटाने की नीयत से किशोर के शव को घर से दो किलोमीटर दूर लालबेगीया नदी के किनारे दफना दिया। सदर एसडीपीओ-2 रजनीश कांत प्रियदर्शी ने बताया कि आरोपियों ने घटना को अंजाम देने के बाद किशोर की मां को फोन कर बताया कि आपका बेटा किसी लड़की को लेकर फरार हो गया है। किशोर की मां 16 जुलाई की शाम गांव आई और अपने बेटे की खोजबीन की, जब कहीं पता नहीं चला तो नौतन थाना में आवेदन देकर बेटे की गुमशुदगी की 17 जुलाई को एफआईआर दर्ज कराई। इस दौरान महिला ने पुलिस को बताया कि उसके पाटीदारों से अच्छे रिलेशन नहीं हैं। इसलिए मैं अपने बेटे को लेकर उत्तराखंड के में रहती हूं। पति भी बाहर में रहकर काम करते हैं। पुलिस ने बताया कि मैन्युअल जांच में पुलिस को पता चला कि किशोर का उसकी चचेरी भतीजी के साथ प्रेम-प्रसंग था। पुलिस ने किशोर की चचेरी भाभी उर्फ प्रेमिका की मां को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो मामले का खुलासा हुआ। निशानदेही पर ही पुलिस ने बुधवार को उसका शव मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में जमीन खोदकर बरामद किया है।

पति पर पीट-पीटकर हत्या का आरोप, पुलिस ने घायल महिला को अस्पताल में कराया था भर्ती

बेगूसराय। में एक पति पर मामूली विवाद में पत्नी को पीट-पीटकर हत्या का आरोप लगा है। घटना फुलवरिया थाना क्षेत्र के आलापुर गांव के मुसहरी टोला की है। मृतका की पहचान मनीष कुमार राय की पत्नी खुशबू देवी (30) के रूप में की गई है। पुलिस शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज कर मामले की जांच-पड़ताल कर रही है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि पहाड़ी गाछी निवासी मनीष राय करीब तीन वर्ष पहले फुलवरिया थाना क्षेत्र के आलापुर मुसहरी टोला में जमीन खरीद कर बस गया था। तभी से दोनों पति-पत्नी में विवाद चल रहा था। इसी विवाद के दौरान बीती रात मनीष ने अपनी पत्नी खुशबू देवी की पिटाई कर दी। मारपीट की आवाज सुनकर पहुंचे स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना डायल-112 को दी। सूचना मिलते ही 112 की टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और अधमरे स्थिति में बेहोश खुशबू को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां आज इलाज के दौरान खुशबू देवी की मौत हो गई। घटना के बाद पति मनीष कुमार राय फरार हो गया है। मौत की सूचना मिलते ही पहुंचे फुलवरिया थानाध्यक्ष ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। थानाध्यक्ष दिवाकर कुमार ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का खुलासा होगा। परिजनों के आवेदन पर कार्रवाई होगी।

मुजफ्फरपुर में बहन को पुलिस ने दबोचा, पति को छोड़कर मायके में रह रही थी

मुजफ्फरपुर। में अवैध संबंध का विरोध करने पर कोमल कुमारी ने अपने भाई रितेश कुमार की हत्या कर दी। कोमल का अपने जीजा से अफेयर चल रहा था, जिसका रितेश विरोध करता था। इसके कारण कोमल ने अपने जीजा के साथ मिलकर भाई रितेश की हत्या कर दी और शव को जला दिया। घटना 23 जुलाई की है। पूरा मामला कांटी थाना क्षेत्र के अकुराहा खरगी गांव का है। इस मामले में DSP पश्चिमी अभिषेक आनंद ने बताया कि 23 जुलाई को कांटी थाना क्षेत्र के अकुराहा खरगी गांव में एक युवक की हत्या कर उसके शव को जलाने का मामला सामने आया था। मृतक की पत्नी खुशबू कुमारी ने इस मामले की शिकायत दर्ज कराई थी। उसने पति के बहनोई और भाई पर घर से निकालने का भी आरोप लगाया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। छानबीन के दौरान हत्या के कई सुराग मिले। जांच के दौरान मृतक की बहन कोमल कुमारी शक के दायरे में आ गई। सख्ती से पूछताछ करने पर कोमल ने स्वीकार किया कि उसका अपने जीजा से लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसके कारण वह अपने पति को छोड़कर मायके में रह रही थी। भाई रितेश कुमार इस प्रेम प्रसंग का विरोध करता था।

चलती ट्रेन की बोगियों के बीच गिरकर युवक की मौत वीडियो

मुजफ्फरपुर। जंक्शन पर शुक्रवार को ट्रेन से कटकर एक शख्स की मौत हो गई। इस हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें शख्स प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर ट्रेन के आने का इंतजार करते दिख रहा है। जैसे ही अहमदाबाद-दरभंगा साबरमती एक्सप्रेस वहां पहुंची, युवक दो बोगियों के बीच में गिरता है। हाथ-पैर और गर्दन कटने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। रेलवे इसे सुसाइड बता रहा है। इसके साथ ही हादसे की जांच भी की जा रही है, लेकिन सीसीटीवी फुटेज से ये समझ आ रहा है कि शख्स पहले स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार करता है। वो ट्रेन में चढ़ना चाहता है तभी पहला गेट निकल जाता है। वो अगले गेट के आने का वेट करता है, गलती से वो 2 कोच के बीच के गैप को कोच का गेट समझ लेता है और अंदर जाने की कोशिश करता है। पलक झपकते ही वो दोनों कोच के बीच गिर जाता है। युवक की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है। वह 30 साल का था। इधर, इस घटना के बाद जंक्शन पर अफरातफरी की स्थिति बन गई। सूचना पर आरपीएफ और जीआरपी की टीम मौके पर पहुंची। रेल पुलिस ने शव को ट्रैक से हटाया। वहीं, घटना की वजह से ट्रेन भी 20 मिनट से अधिक समय तक रुकी रही। दरअसल, शाम 4:13 बजे गाड़ी संख्या-19165 अहमदाबाद-दरभंगासाबरमती एक्सप्रेस मुजफ्फरपुर जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर आई। इसी बीच युवक चलती ट्रेन की दो बोगियों के बीच में कूद गया। वहीं, आरपीएफ इंस्पेक्टर भरत प्रसाद ने बताया कि युवक ने ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली है। शव की पहचान नहीं हो सकी है। उसके पास से भी कुछ बरामद नहीं हुआ है। रेलवे के सीसीटीवी में पूरी घटना कैद हो गई है।

संक्षिप्त डायरी

गोपालगंज में काम करने के दौरान हादसा, मृतक के परिजनों में मचा कोहराम

गोपालगंज। के कटेया थाना क्षेत्र के मिश्रौली गांव निवासी 31 वर्षीय युवक की 20 फिट की ऊंचाई से गिरने के कारण मौत हो गई। वहीं, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल भेज दिया है। मृतक की पहचान कटेया थाना क्षेत्र के मिश्रौली गांव निवासी स्व खेनहर मंडल के 31 वर्षीय बेटा मिथुन मंडल के रूप में की गई। इस संदर्भ में मृतक के परिजनों ने बताया कि पिछले एक डेढ़ माह पूर्व हरियाणा के पानीपत मजदूरी करने के लिए गया था। इसी बीच जाने के 15 दिन बाद वह एक बिल्डिंग में वेल्डिंग के काम करने के लिए 20 फिट ऊंचाई पर चढ़ा था। लेकिन, पैर फिसल जाने के कारण वह सीधे जमीन पर गिर पड़ा, जिससे उसके पीठ कमर और सिर में गंभीर चोट लगी। इसके बाद स्थानीय मजदूरों ने तत्काल इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। लेकिन, कुछ सुधार होने के बाद 25 जुलाई को परिजन उसे अपने घर लेकर आ गए। घर आने के बाद उसकी मौत हो गई। वहीं, परिजनों ने इसकी जानकारी स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को सदर अस्पताल भेज दिया और पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया है। बताया जाता है कि मृतक के दो बेटा और दो बेटी है। वह तीन भाइयों में मंझला था। मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया है।

तनिष्क शोरूम पहुंचे सांसद पप्पू यादव ने कहा- स्टाफ की संलिप्तता, सबका कॉल डिटेल निकाला जाए

पूर्णिया। के डाकबंगला चौक स्थित तनिष्क शोरूम में हुई 2 करोड़ की लूट के अगले दिन सांसद पप्पू यादव दिल्ली से पूर्णिया पहुंचे। तनिष्क शोरूम के संचालक से घटना की जानकारी ली। साथ ही घटनाक्रम की सीसीटीवी फुटेज भी देखा। एक तस्वीर का हवाला देते हुए सांसद पप्पू यादव ने दावा करते हुए कहा कि इस घटना में शोरूम के एक स्टाफ की भूमिका संदिग्ध है। वहीं राज्य की कानून व्यवस्था को लेकर सांसद पप्पू यादव सीएम नीतीश कुमार पर हमलावर दिखे। सांसद ने शहर की कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए। पप्पू यादव ने कहा कि बगैर स्टाफ की संलिप्तता के इस तरह की घटना नहीं हो सकती। सबका कॉल डिटेल निकाला जाए। टोटो और बाइक से भागने वाला अपराधी बहुत दूर नहीं भागा होगा। वो शहर में ही छिपा है। घटना में हमेशा पॉलिटिक्स नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पेट और सिर में दर्द हो तो पप्पू यादव, फिर नीतीश कुमार और दो डिप्टी सीएम क्या करेंगे। ऐसा करें कि इन्हें हटा दें और हमें ही बैठा दीजिए। ऐसे लोग जो अनर्गल बातें लिखते हैं। उन्हें पहले अपने आकाओं से पूछना चाहिए, जो प्रशासन है उन्हें अपराधी को नहीं पकड़ना है। पुलिस-प्रशासन का पूरा समय जमीन के कारोबारी और माफिया के बीतता है, तो फिर वो अपराधी के पीछे कैसे जाएंगे। अभी तो सिर्फ 5 दिन ही सदन चला है और मैंने अपनी बात को पुरजोर तरीके से रखा है। 12 अगस्त से पहले मैं सबके राज बेपर्दा करूंगा, बस देखते जाइए। सांसद पप्पू यादव ने बताया कि अपराधियों के दिलों से डर क्यों खत्म होता जा रहा है ? इसका ही नतीजा है कि लूट की घटनाएं हो रही हैं। अपराधी बेलगाम हो चुके हैं। हत्याएं हो रही है। बड़े परिवार के लोगों की हत्या होती है तो मीडिया ट्रायल हो जाता है। बाकी लोगों के मामले में कार्रवाई नहीं होती है। तनिष्क में हुई लूट की वारदात कोई पहली घटना तो नहीं है। हर दिन तो 8 से 10 लाख की लूट हो रही है। लूट तो लूट होती है। चाहे छोटी हो या बड़ी। भीड़-भाड़ वाले लाइन बाजार स्थित तनिष्क शोरूम से 500 से 600 मीटर की दूरी पर रेंज और डीआईजी का आवास है। इसके बावजूद भी इस तरह की घटनाएं हो रही है। वैशाली में गहने की लूट हुई। दरभंगा में मुकेश सहनी के पिता की हत्या कर दी गई। पटना में इतनी बड़ी वारदात हो गई। हर दिन अपराधी बेखौफ होकर घूम रहे हैं।

बिहार के 11 जिलों में बारिश का अलर्ट

बिहार। में मानसून के कमजोर होने का असर दिखने लगा है। बीते कई दिनों से प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में लोग झमाझम बारिश की राह देख रहे हैं। तापमान और नमी में वृद्धि होने के कारण लोग उमस भरी गर्मी से परेशान हैं इन सबके बीच राहत वाली खबर है। मौसम विभाग ने आज प्रदेश के 11 जिलों में बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, बिहार और आसपास के क्षेत्रों में कोई नया सिस्टम बनता नहीं दिख रहा है। मानसून की टर्फ लाइन भी बिहार से काफी दूर गुजर रही है। इससे प्रदेश में सामान्य बारिश नहीं हो रही है। इससे सबसे अधिक परेशानी किसानों को हो रही है। धान की रोपनी के दौरान अच्छी बारिश की आवश्यकता होती है। लेकिन, बारिश नहीं होने के कारण परेशानी बढ़ गई है। राजधानी पटना की बात करें तो यहां अब तक 49% कम बारिश हुई है। मौसम विभाग के अनुसार 30 जुलाई से मौसम में कुछ हद तक सुधार होने की संभावना है। इस दिन प्रदेश के कई जिलों में अच्छी बारिश भी देखने को मिल सकती है। गोपालगंज, सुपौल, अररिया, किशनगंज, सारण, सीवान, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया, कटिहार, पूर्वी और पश्चिमी चंपारण के साथ आसपास के कई हिस्सों में बारिश होने की संभावना जताई गई है। वहीं, 31 जुलाई को राजधानी पटना, गया, रोहतास, औरंगाबाद, भभुआ, भोजपुर, बक्सर, बेगूसराय, लखीसराय, शेखपुरा, जहानाबाद, नवादा, नालंदा और अरवल में अच्छी बारिश के आसार हैं।

दरभंगा में शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर दी सांत्वना, 15 जुलाई को हुई थी हत्या

दरभंगा। पूर्व मंत्री मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी के श्राद्धकर्म में शामिल होने के लिए लालू यादव दरभंगा के बिरौल अनुमंडल क्षेत्र के जिरात पहुंचे। वो राबड़ी आवास से बस से निकले और सड़क मार्ग से यहां पहुंचे। उनके साथ राजद के वरिष्ठ नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी, श्याम रजक, समीर महासेठ भी पहुंचे थे। 34 मिनट ठहरने के बाद वो वापस पटना के लिए रवाना हो गए। सड़क मार्ग से 5 बजकर 48 मिनट पर दरभंगा पहुंचे और शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर सांत्वना दी। लालू यादव के आगमन को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम थे। VIP सुप्रीमो मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की हत्या 15 जुलाई की देर रात हुई थी। हत्या के बाद पुलिस ने छानबीन करते हुए 24 घंटे के अंदर हत्याकांड के मुख्य आरोपी काजिम अंसारी को गिरफ्तार कर खुलासा किया था। पैसे की लेनदेन की वजह से जीतन सहनी की निर्मम हत्या हुई है। वहीं इस कांड में पुलिस ने अब तक पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा है।

ट्रक की चपेट में आने से मां-बेटे की मौत

सीवान। के सराय थाना क्षेत्र के सहलौर में सड़क हादसे में बाइक सवार मां बेटा की मौत हो गई है। मृतक गोरेयाकोठी थाना क्षेत्र के कोकिलहाता के रहने वाले प्रभुनाथ भगत के बेटे राजू कुमार वर्मा (34) और उनकी मां गीता देवी (60) है। दोनों शहर से सटे उखई गांव में एक गृह प्रवेश में पहुंचे थे। शनिवार को दोनों एक ही मोटरसाइकिल से वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान सहलौर में विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल में भेज दिया है। थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि सूचना मिली थी कि ट्रक की चपेट में आने से मां बेटे की मौत हो गई है। ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है। चालक को भी पकड़ लिया जाएगा। फिलहाल शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पीड़ित परिजन के आवेदन के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डैम में मिला स्कूल से गायब छात्र का शव

गया। में दो दिन से लापता जवाहर नवोदय विद्यालय के 11वीं के छात्र का शव शनिवार को तेतर डैम से मिला है। 14 साल के प्रिंस कुमार की कमर में भारी पत्थर बांधकर उसे डैम में फेंका गया था। प्रिंसिपल ने बताया कि गुरुवार को वो बाल कटवाने का बोलकर स्कूल से निकला था। जिसके बाद से गायब हो गया। उसका शव स्कूल ड्रेस में ही बरामद हुआ है। स्कूल प्रिंसिपल एके सिंह ने अतरी थाने में बच्चे के लापता होने की शिकायत की थी। वहीं, परिजनों ने वजीरगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। ये स्कूल अतरी के जेठीयन में स्थित है। बच्चे के पिता का नाम दिनेश प्रसाद है। मामले की जांच के लिए पुलिस शुक्रवार को जब स्कूल पहुंचे थी तो प्रिंसिपल पुलिस के साथ बहस करने लगा। प्रिंसिपल ने कहा कि बच्चा जिस शर्ट में गायब हुआ है, उस शर्ट के अलावा जिंदा या मुर्दा मिले तो हमें बताइएगा। प्रिंसिपल का पुलिस से बहस करते वीडियो भी सामने आया है। इसमें वो कह रहा है कि मैं भारत सरकार का क्लास वन अफसर हूं, तमीज से बात कीजिए। फालतू आदमी से मैं बात नहीं करता हूं। पुलिस ने जब सीसीटीवी दिखाने की बात कही तो उसने कहा कि कैमरा खराब है, अंदर मेंटेनेंस है। मेरे पास एक कैमरा नहीं है, चार कैमरे हैं। बारिश की वजह से एक कैमरा खराब हो गया था। प्रिंसिपल ने पुलिस से कहा कि बच्चा नहीं मिल रहा है तो परिवार वाले जाकर ढूंढे, बार-बार स्कूल क्यों आते हैं। प्रिंसिपल एके सिंह से बच्चे को लेकर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि सुना है कि किसी बच्चे का शव मिला है। उसकी शिनाख्त के लिए हम लोग भी तेतर डैम जा रहे हैं। यही नहीं जब उनसे यह पूछा गया कि आपका एक वीडियो है, जिसमें आप यह कहते हुए नजर आ रहे हैं कि लापता छात्र जिस ड्रेस में लापता हुआ है, उस ड्रेस के अलावा दूसरी ड्रेस में जिंदा या मुर्दा मिल जाता है तो हमें बताइएगा। ने जब पूछा कि ऐसी बातें एक प्रिंसिपल कैसे कह सकता है। शक की सुई तो आपकी ओर जा रही है। इस पर कुछ देर चुप्पी के बाद प्रिंसिपल ने कहा कि यह तो जांच का विषय है। प्रिंस के पिता दिनेश मिस्त्री का कहना है कि 16 जुलाई को स्कूल के फोन से घर पर प्रिंस ने अपनी मम्मी से बात की थी। उस दिन तक सब ठीक था। स्कूल प्रिंसिपल के खिलाफ बच्चे ने पहले में किसी प्रकार की कोई शिकायत नहीं की थी। एक बार आपस में लड़कों के बीच मारपीट की शिकायत प्रिंस ने की थी। इसके बारे में हमने प्रिंसिपल को भी बताया था। उसके बाद क्या हुआ स्कूल की ओर से नहीं बताया गया। जिस तेतर डैम से बच्चे का शव बरामद हुआ है। वहां आम लोगों को जाने की इजाजत नहीं है। पुलिस का पहरा भी वहां होता है। एसडीओ की इजाजत के बगैर बाहरी व्यक्ति वहां नहीं जा सकते। ऐसे में छात्र डैम तक कैसे पहुंचा यह एक बड़ा सवाल है। डीएसपी प्रकाश कुमार का कहना है कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस हर पहलू से इसकी जांच कर रही है। फिलहाल शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जा रहा है। पुलिस मृत छात्र के परिजनों से जानकारी ले रही है। केंद्र सरकार के इतने बड़े स्कूल में नाई की व्यवस्था स्कूल के अंदर या फिर कॉन्ट्रैक्ट पर होती है। वह भी स्कूल के अंदर। फिर बच्चे को स्कूल से बाहर क्यों बाल कटवाने को भेजा गया। इस सवाल का जवाब प्रिंसिपल एके सिंह नहीं दे सके। मेरे बच्चे के साथ स्कूल में 2-3 बार मारपीट हुई थी। दो महीने पहले भी बेरहमी से उसे पीटा गया था। हालांकि, मैंने स्कूल प्रिंसिपल से शिकायत की थी पर उनके भरोसे में आकर मामले को हल्के में लिया। अगर मैं उस दिन ही इसे छोटा मामला नहीं समझकर कोई एक्शन लेता तो शायद मेरा बेटा आज जिंदा होता। जैसे मैंने अपने इकलौते बेटे को खोया, कोई पेरेंट्स ना खोए। हर पेरेंट्स को चाहिए कि स्कूल से बच्चे जब घर लौटें तो उनसे खुलकर बातें करें। ये दर्द है गया के इंदिरा गांधी बेसिक स्कूल में 5वीं क्लास में पढ़ने वाले 12 साल के मिहिर के पिता विकास का। मिहिर रोज की तरह घर से स्कूल के लिए पढ़ने गया था, लेकिन लौटा नहीं।

स्वामी विवेकानंद युवा तकनीकी सशक्तिकरण योजना के तहत केएम में वितरित हुए टेबलेट एवं स्मार्ट फोन

गुरूओं को आदर्श मानकर तकनीकी रूप से समृद्ध होने आवश्यकताः किशन चौधरी

तकनीकी रूप से समृद्ध हो करें देश का विकासः सीडीओ

टैबलेट का तकनीक व आधुनिक शिक्षा के लिए करें सदुपयोगः रजिस्ट्रार

मथुरा। छात्रों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए आज स्वामी विवेकानंद युवा तकनिकी सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत केएम विश्वविद्यालय में आईटीआई, नर्सिंग एवं फार्मेसी के विद्यार्थियों को टेबलेट स्मार्ट फोन वितरण किए गए। केएम विश्वविद्यालय के लैक्चर थियेटर में टैबलेट वितरण कार्यक्रम में आईटीआई फार्मेसी नर्सिंग के 125 छात्रों को टैबलेट जिला पंचायत अध्यक्ष एवं विवि के कुलाधिपति किशन चौधरी, मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना, तहसीलदार रवेन्द्र कुमार, केएम के वाइस चांसलर डा. डीडी गुप्ता, रजिस्टार पूरन सिंह, राजकीय आईटीआई नंदगांव के प्राचार्य ध्रुव मग्गू ने छात्रों को वितरण किए। टैबलेट पाकर छात्रों के चेहरे खुशी से खिल उठे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी ने कहा सरकार की मंशा है कि छात्र-छात्राओं को टेबलेट के जरिए अपनी शिक्षा को आगे कामयाब करने के लिए कोई दिक्कत न हो, इसलिए छात्र-छात्राओं के भविष्य को देखते हुए मुख्यमंत्रीजी अपनी घोषणा के आधार पर पूरे प्रदेश में वितरण करवा रहे हैं। सरकार द्वारा दिए गए टेबलेट का सदुपयोग करें फेसबुक, इंट्राग्राम, आदि से दुरुपयोग न करें। अच्छी शिक्षा के साथ दीक्षा और संस्कार भी जरूरी है। आप गुरूओं को आदर्श मानते हुए तकनीकी रूप से समृद्ध होकर देश के विकास में सहायक हों, उन्होंने कहा कि विज्ञान व तकनीकी में आप जैसे दक्ष युवा ही भारत के भविष्य का नव निर्माण करेंगे। मुख्य अतिथि किशन चौधरी ने 125 छात्रों को टैबलेट का वितरण किया। सबसे पहले शिवानी को टेबलेट देकर शिक्षा क्षेत्र में उन्नत मुकाम पाने का आशीर्वाद दिया। मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना ने कहा कि हम किस प्रकार तकनीकी रूप से समृद्ध हो सकते हैं तथा अपने देश के विकास के लिए किस प्रकार सहायक बनें। तहसीलदार ने कहा कि विज्ञान व तकनीकी में दक्ष युवा ही भारत का नव निर्माण करेंगे। इसलिए इसका उपयोग उन्नत शिक्षा के लिए आप करें। रजिस्ट्रार पूरन सिंह ने कहा कि सभी छात्र टैबलेट का तकनीक व आधुनिक शिक्षा के लिए सदुपयोग करें। टेबलेट पाने वाले छात्रों में अजय, अजीत, अखिलेश, अंकित, अन्नू, भूपेन्द्र रजीत, दीपक गणनेश, जितेन्द्र के अलावा सैकड़ों छात्र कार्यक्रम में मौजूद रहे।

इस अवसर पर केएम विवि के वाइस चांसलर डा. डीडी गुप्ता, रजिस्ट्रार पूरन सिंह तथा के एम यूनिवर्सिटी के सभी विभागों प्रोफेसर्स व श्रीमती संजूबाला, मुकेश कुमार, जगवीर सिंह, करन सिंह, राजेश कुमार, सत्यविरी, देवेन्द्र सिंह, डॉ सुनील सिंह, चंद्रेश सिंह, शैलेन्द्र शर्मा, सुमित शर्मा, बेदवीर सिंह, अनिल चतुर्वेदी आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

रतनलाल राधारमन चैरिटेबल व एमआरसी वृंदा चैरिटेबल ने किया वृक्षारोपण

मथुरा। वृंदावन में सामाजिक संस्था रतनलाल राधा रमन चैरिटेबल ट्रस्ट और एमआरसी वृंदा चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में समाजसेवी रामबाबू शर्मा की पुण्य स्मृति में परमेश्वरी देवी धानुका सरस्वती विद्या मंदिर में मिशन प्राण वायु के अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया। पर्यावरणविद देवेंद्र शर्मा ने कहा कि आज देश में वातावरण में तेजी से बढ़ता हुआ तापक्रम प्रकृति में रह रहे सभी जीवधारियों के लिए खतरे का संकेत दे रहा हैझ ग्लेशियर पिघल रहे हैं, वन के क्षेत्रफल कम हो रहे हैं विकास के नाम पर पर्यावरण के मानकों को अनदेखा किया जा रहा है। जल चक्र और वायु चक्रप्रदूषित हो गए हैं तथा खाद्य श्रृंखला में असंतुलन पैदा हो गया है। ऐसी स्थिति में एक सबसे प्रमुख समाधान जो हो सकता है वह है पृथ्वी को अधिक से अधिक वनीकरण करके उपहार देना है। एम. आर सी वृंदा चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉक्टर अभिषेक शर्मा ने कहा कि इस मानसून में अधिक से अधिक पौधे लगा करके पृथ्वी का श्रृंगार करें। विद्यालय के उप प्रधानाचार्य ओम प्रकाश शर्मा ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण ने वन संस्कृति को अपने जीवन में चरितार्थ कियाझ वृंदावन, केलवन, तालवन, बहुल वन,काम वन इस प्रकार ब्रज में 12 वन व 24 उपवन बनाए। देवेंद्र गौतम ने कहा कि वृंदावन का वन क्षेत्र हरित,सुर भित एवं सुरक्षित होना चाहिए । इस अवसर पर हेमंत गुप्ता, जितेंद्र सिसोदिया, आकाश गोस्वामी, कौशल किशोर भट्ट, संजीव पाराशर नंदकिशोर, सुरेश,एवं अनेक विद्यार्थियों ने फल एवं छायादार वृक्ष बेलपत्र नींबू, जामुन, अशोक, अमरूद, नीम, पीपल, कंजी , आदि के दर्जनों पौधे लगाए संयोजन अरुण मिश्रा ने तथा आभार प्रदर्शन विजय पाराशर ने किया।

छात्राओं को भूकंप और हवाई हमलों से बचाव का दिया प्रशिक्षण

मथुरा। नागरिक सुरक्षा विभाग मथुरा के उप नियंत्रक जसवंत सिंह सहायक उप नियंत्रक जितेन्द्र देव सिंह के निर्देशन में नागरिक सुरक्षा मथुरा की वार्डन पोस्ट संख्या एक के पोस्ट वार्डन अशोक यादव के द्वारा 25 जुलाई आर 26 जुलाई 2024 को दो दिवसीय प्रशिक्षण रामवती नरेश इन्टर कॉलेज औरंगाबाद मथुरा में छात्र,छात्राओं को भूकंप से बचाव और हवाई हमलों से बचाव के बारे मे विस्तार से जानकारी दी । एक दिवसीय प्रशिक्षण में हवाई हमले में खतरे के होने पर बजने वाले सायरन की भी जानकारी दी गई। साथ ही आग के प्रकार, और उनसे बचाव की महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। अध्यापकों के अतिरिक्त, उप नियंत्रक जसवंत सिंह,सहायक उप नियंत्रक जितेन्द्र देव सिंह, डिविजनल वार्डन भारत भूषण तिवारी, डिप्टी डिविजनल वार्डन राजेश कुमार मित्तल,सीनियर स्टाफ ऑफीसर टू चीफ वार्डन दीपक चतुर्वेदी बैंकर, पोस्ट वार्डन अशोक यादव, शुभम कुमार, राजेश कुमार, राम सैनी, नरेश अग्रवाल, राहुल कुमार, विजेन्द्र, रोहित, ऋषभ प्रताप, मुकेश शर्मा, आदि वार्डन और फायर फाइटर उपस्थित रहे।

यूपी परिवहन निगम से बसों की खरीद की अनुमति मिली

मथुरा। 120 इलेक्ट्रिक बस,1000 डीजल बसें खरीदने की अनुमति,1000 डीजल बसों को कुंभ मेले में प्रयोग किया जाएगा,प्रयागराज वाराणसी,कानपुर, लखनऊ अयोध्या,गोरखपुर क्षेत्र शामिल होंगे,परिवहन निगम एमडी मासूम अली सरवर ने दी जानकारी,120 इलेक्ट्रिक बसों को धार्मिक शहरों में दिया जाएगा.

शिवसेना ने धूमधाम से मनाया उद्धव ठाकरे का जन्मदिवस

मथुरा। शिवसेना पक्ष प्रमुख व महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का 63वां जन्मदिवस शिवसेना के कार्यकताओं ने धूमधाम से मनाया। इस दौरान जरूरतमंद बच्चों के साथ केट काटा व गीत गाए। शनिवार को वृंदावन स्थित सूरज घाट शिव सेना कार्यालये में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें काफी संख्या में शिवसेना के कार्यकर्ता शामिल हुए। इसके बाद स्कूल के बच्चों को बुलाया गया। जहां उनके साथ केक काटकर उद्धव ठाकरे की दीर्घायु की कामना की। बच्चों ने गीत भी गाए। कार्यकताओं ने उन्हें खाद्य सामग्री वितरित की। वहीं जिला अध्यक्ष चंद हास भारद्वाज ने तरुण पालीवाल को महानगर का दायित्व सौंपा। वहीं उन्होंने कहा शिव सैनिकों के लिए आज बड़ा दिन आज सभी शिव सैनिकों के लिए बड़ा दिन है, क्योंकि आज हमारे पक्ष प्रमुख उद्धव साहिब का जन्मदिन है। महाराष्ट्र ही नहीं पूरे देश मे शिव सैनिक उनकी प्रेरणा से सामाजिक व जनहित कार्य के लिए तत्पर रहते हैं।

उपज पत्रकार संगठन ने मनाया स्थापना दिवस

पत्रकार पर हुई घटना निंदनीय , दोषी के खिलाफ हो कानूनी कार्यवाही झ जिलाध्यक्ष अतुल कुमार जिंदल

मथुरा। वृंदावन गुरूवार को उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट (उपज) को स्थापना दिवस जिज्ञासा कोचिंग संस्थान वृंदावन में मनाया गया । बैठक कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष अतुल कुमार जिंदल व जिला महासचिव ठाकुर विष्णु पहलवान के नेतृत्व में आयोजित की गई । बैठक में सैकड़ो पत्रकार की उपस्थित रहे। बैठक में पत्रकार सुरक्षा को लेकर विचार विमर्श किए गए । वही राया की घटना कवरेज के दौरान एक पत्रकार के साथ हुई दरोगा द्वारा अभद्रता व मारपीट पर भी चर्चा हुई । वही उपज जिलाध्यक्ष अतुल कुमार जिंदल ने कहा राया में पत्रकार के साथ हुई घटना बहुत ही निंदनीय है। पत्रकार के साथ हुई घटना बर्दास्त नहीं की जायेगी । जिलाधकारी को मुख्य मंत्री के नाम शिकायती पत्र दिया जायेगा । और दरोगा पर कार्रवाई नहीं होने तक पत्रकारों का संघर्ष जारी रहेगा। वही पत्रकारों को भी दिशा निर्देश दिए । कहा राष्ट्र हित में सकारात्मक पत्रकारिता करें उपज पत्रकार संगठन सरकार से पत्रकार सुरक्षा कानून मांग करता है । स्थापना दिवस पर संगठन विस्तार को लेकर चर्चा की गई । बैठक में जिला महासचिव ठाकुर विष्णु पहलवान, जिला संगठन मंत्री राज कुमार गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह छौंकर, जिला उपाध्यक्ष चेतन राघव,जिला उपाध्यक्ष धीरज पचौरी,वरिष्ठ पत्रकार विजय सिंघल, वरिष्ठ पत्रकार साहूकार शर्मा,अनुज उपमन्यु,रवि कुमार पांडे,मोइनुद्दीन,प्रिंस सोनी गुलाब सिंह फैजल कुरैशी रियान कुरैशी आबिद अली प्रदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

बिना मान्यता के फरह में चल रहें है कई दर्जन स्कूल

अभिभावकों से फीस के नाम पर वसूल रहे हैं मोटी रकम

मथुरा। जनपद मथुरा में बिना मान्यता के दर्जनों स्कूल संचालित हो रहे हैं। जिसमें जिले के प्रमुख कस्बों में ऐसे स्कूलों की बाढ़ आ रही है। मान्यता नहीं होने के बाद भी इनके संचालक मनमानी फीस भी बच्चों के अभिभावकों से वसूल रहे हैं। शिकायत करने पर इनके संचालकों की सांठगांठ शिक्षा विभाग के अधिकारियों से हो जाती है। यदि किसी छात्र-छात्रा को टीसी की जरूरत होती है तो इनके संचालक दूसरे किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय से टीसी दिलवा देते हैं। इसका उदाहरण फरह क्षेत्र में खुले आम देखा जा सकता है। ब्लॉक फरह में कस्बा व उसके ग्रामीण क्षेत्रों में सौ गज के प्लॉट में पांच तक मान्यता प्राप्त स्कूल, दस तक की बिना मान्यता के क्लास चला रहे हैं। ऐसे विद्यालयों की संख्या सबसे अधिक है। इस शिक्षा सत्र में गाँव व शहर में विद्यालय खोलने की होड़ लग रही है। स्कूल खोल कर बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ लगातार कर रहे हैं। इनके पास ना तो योग्य शिक्षक हैं। इन विद्यालयों में दस से बारह तक पढ़े बेरोजगार युवक-युवतियों को दो हजार रुपये प्रतिमाह देकर शिक्षक के रूप में कार्य करा रहे हैं। जबकि एडमीशन के नाम पर मोटी रकम प्रति छात्र ली जा रही है।

इतना ही नहीं कुछ तो कोचिंग का रजिस्ट्रेशन करा विद्यालय चला रहे है। हर बार शिक्षा विभाग के द्वारा बिना मान्यता प्राप्त स्कूलों को बंद करने का अभियान भी चलाया जाता है। लेकिन उसका भी असर ऐसे विद्यालयों पर नहीं पड़ता है। एक ओर जहां बीएसए द्वारा सरकारी प्राइमरी व जुनियर हाईस्कूलों में शिक्षा का स्तर सुधारने का प्रयास लगातार किया जा रहा है। लेकिन ऐसे अवैध स्कूल उनकी नजर से दूर हैं। इसका असर सरकारी मान्यताप्राप्त प्राथमिक व जुनियर हाईस्कूलों पर पड़ रहा है। क्योंकि जब फर्जी विद्यालयों की चमक दमक देखकर हर अभिभावक अपने बच्चों का प्रवेश करा देता है। जबकि सरकारी स्कूलों में योग्य अध्यापक होते हुए भी हर वर्ग के बच्चे प्रवेश लेने के लिए नहीं पहुंच रहे हैं। बतादें कि फरह ब्लॉक में परखम, पींगरी, झुड़ावई, बेरी, ओल, फरह, भाहई, सेरसा, ओल सहित आसपास के गाँवों मे कई दर्जन विद्यालय शिक्षा विभाग की मिली भगत से बिना मान्यता के नियमों को ताक पर रख चल रहे हैं। इनमें ना तो एनसीआरसी की किताबें नहीं पढाई जा रही है।

बल्कि कमीशन के चक्कर में इनके संचालक प्राइवेट प्रिंटिंग प्रेस की किताबें खरीदने पर जोर दिया जा रहा है। जिससे अभिभावकों की जेब पर बड़ा बोझ पड़ रहा है। एक दो की क्लास मे पढ़ने वाले बच्चे की किताब दो से तीन हजार में आ रही हैं और वो किताब स्कूल संचालक द्वारा बताइ दूकान पर ही मिलती है।

इस संबंध में बीएसए सुनील दत्त ने बताया कि बिना मान्यता वाले स्कूलों के विरूद्ध जांच टीमें बनाकर वे कार्रवाई कराएंगे। दोषियों को किसी भी कीमत में नहीं बक्शा जाएगा।

मथुरा न्यायालय परिसर में लगेगी लिफ्ट

अधिवक्ता की मांग पर बजट की डिमांड संस्तुति शासन से की

मथुरा। बुजुर्ग एवं दिव्यांग अधिवक्ताओं की सुविधा और मुकदमों से पैरवी सुविधाजनक बनाने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर उप समिति के अध्यक्ष रामकिशोर पांडेय ने जिला सत्र न्यायालय परिसर में द्वितीय मंजिल के कक्षों में विभिन्न अपर सत्र न्यायालय एवं न्यायिक मजिस्ट्रेटों के न्यायालय एवं कार्यलय हैं। इनमें लिफ्ट लगाने के लिए 139. 55 लाख रुपये का प्रस्ताव बनाकर उच्च न्यायालय के माध्यम से शासन को भेजा गया है। जिला सत्र न्यायालय परिसर में तीन भवन है जिनमें अदालतें लगती है और उनके आफिस बने हुए हैं। अभी तक सीढियों की व्यवस्था है ,जिस कारण बुजुर्ग एवं दिव्यांग अधिवक्ताओं को मुकदमों की पैरवी करने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा रहा था । अधिवक्ता विश्वनाथ प्रताप सिंह ने इस संबंध में अपनी पीड़ा को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जनपद न्यायधीश को लिखा और उनकी इस पीड़ा का संज्ञान लेते हुए जनपद न्यायधीश ने न्यायालय परिसर में लिफ्ट लगाने का प्रस्ताव उच्च न्यायालय को संस्तुति सहित भेज दिया। जिस पर कार्रवाई करते हुए उच्च न्यायालय इलाहबाद द्वारा लगभग 133.55 लाख रुपये वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति शासन को भेज दी है। इंफ्रास्ट्रक्चर उप समिति के अध्यक्ष राम किशोर पांडे ने उक्त जानकारी देते हुए अधिवक्ता विश्वनाथ प्रताप सिंह को पत्र के माध्यम से उक्त जानकारी देते हुए बताया है कि धनराशि मिलते ही लिफ्ट लगाने का काम शुरू कर दिया जाएगा।

भारत रत्न, पूर्व राष्ट्रपति, मिसाइल मैन के नाम से प्रख्यात डॉ एपीजे अब्दुल कलाम जी की पुण्यतिथि (बरसी) पर भाजपा प्रदेश कार्यालय लखनऊ मे, कार्यकताओं के साथ पुष्प अर्पित कर खिराजे अकीदत पेश करते हुये अल्पसंख्यक मौर्चा के प्रदेश महामंत्री जहीर अब्बास जैदी

कोई एसडीएम व तहसीलदार नहीं छोड़ेगा अपनी तहसीलः डीएम

दिन हो या रात्रि में तहसील हेडक्वाटर पर करेंगे निवास

मथुरा। शासन के निर्देशों का पालन करते हुए जिलाधिकारी शैलेन्द्र सिंह ने जिले की सभी तहसीलों के एसडीएम व तहसीलदारों को तहसीलों में ही विश्राम करने के आदेश दिए हैं। उन्होंने अपने आदेश में कहा है कि कोई भी एसडीएम व तहसीलदार तहसील मुख्यालय रात्रि में नहीं छोड़ेगा। वहीं अपना निवास बनायें। जनता की समस्याओं को हल करें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तहसीलों में एसडीएम व तहसीलदारों के ना रूकने से लोगों की राजस्व व किसानों से संबंधित समस्याएं हल नहीं हो पा रही थी। जिससे प्रदेश में कानून व्यवस्था पर असर पड़ रहा था। मुख्यमंत्री ने इस समस्याको गंभीर मानते हुए सभी डीएम व कमिश्नरों को निर्देश दिए कि कोई भी एसडीएम व तहसीलदार तहसील मुख्यालय बिना अनुमति नहीं छोड़ेंगे। रात्रि में सभी अधिकारी तहसील पर ही रहेंगे। ताकि तुरंत शिकायत मिलने पर लोगों की समस्याएं हल हो सकें। जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि सरकार के आदेश का जनपद में अक्षरसह पालन कराया जाएगा। उन्होंने आज सभी एसडीएम और तहसीलदारों से कहा कि वे तहसीलों में ही निवास करें और लोगों की समस्याओं का तुरंत निस्तारण करें। ना ही कोई एसडीएम दिन में और ना ही रात्रि में तहसील छोड़ेगा। किसी तहसील की समस्याओं के हल ना होने की आई तो ऐसे एसडीएम व तहसीलदारों के विरूद्ध शासन को लिखा जाएगा।

आगरा में थाने से पिस्टल गायब, दो निलंबितःसिपाही और चौकी प्रभारी पर गिरी गाज, सिपाही चल रहा लापता

आगरा। आगरा के बाह थाना से गायब सरकारी पिस्टल का अभी तक पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक जांच में दोषी पाए जाने पर शुक्रवार रात चौकी इंचार्ज बटेश्वर राजबाबू यादव और सिपाही अमित कुमार को निलंबित कर दिया गया है। सिपाही अमित कुमार लापता है। उसकी तलाश की जा रही है। दो दिन पहले थाना बाह के मालखाने से बटेश्वर चौकी प्रभारी राजा बाबू की सरकारी पिस्टल गायब हो गई थी। नए हेड मोहर्रिर के चार्ज लेने पर ये बात सामने आई। चौकी प्रभारी लोक सभा चुनाव के बाद पिस्टल थाने में जमा कराने का दावा कर रहे हैं। एसीपी बाह ने जांच के आदेश दिए थे। 22 जून से नहीं आया सिपाही पिस्टल गायब होने के मामले में आरोपी सिपाही अमित कुमार 22 जून से एबसेंट है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि चौकी प्रभारी बटेश्वर ने पिस्टल और 10 कारतूस बाह थाने में जमा कराए। नौ मई को जीडी में तस्करा पड़ा है। इसमें बटेश्वर चौकी पर तैनात सिपाही अमित कुमार को पिस्टल देने की बात है। चुनाव ड्यूटी पर गया था सिपाही सिपाही अमित कुमार लोकसभा चुनाव के चौथे, पांचवें, छठवें व सातवें चरण के मतदान कराने रायबरेली, हरदोई और आजमगढ़ ड्यूटी पर गया था। 28 मई को सिपाही अमित कुमार वापस लौटा। सिपाही को बाह थाने से पिस्टल और 10 कारतूस चौकी प्रभारी राजबाबू यादव को देने के लिए दिए गए। इसका भी तस्करा भी थाने की जीडी में है। लेकिन चौकी इंचार्ज का कहना है कि सिपाही ने पिस्टल उन्हें नहीं दी। वो खुद ही पिस्टल लगाकर घूमता था। 10 जून तक पिस्टल उसके पास देखी गई है। क्या होता है तस्करा तस्करा का मतलब किसी घटना या दुर्घटना के समय मौका-ए-वारदात से जुटाई गई जानकारी को पुलिस थाने के रोजनामचे यानी जनरल डायरी में उतारना ही तस्करा करना कहलाता है।

बदमाश स्कूटी और 60 हजार रुपए लेकर मौके से फरार, तलाश में जुटी पुलिस

आगरा। ताजनगरी आगरा के थाना मलपुरा क्षेत्र के आगरा-ग्वालियर हाईवे पर नागला मकरोल पर करीब 9:30 बाइक सवार बदमाशों ने व्यापारी की एक्टिवा को लूट लिया। जिसमें करीब 60 हजार रुपए रखे थे। बदमाशों ने लूट के साथ मारपीट भी की है। मिली जानकारी के अनुसार, गुंजन गुप्ता अपने पुत्र उत्सव गुप्ता थाना छत्ता के बारा वाली गली बेलनगंज के रहने वाले हैं। ये शुक्रवार की शाम लगभग 9:30 बजे इटोरा चौराहे पर किराना स्टोर की दुकान को बंद करके घर जा रहा था। गुंजन ने बताया है कि वह थोक व्यापारी हैं। दुकान बंद कर लगभग 60 हजार रुपए की नगदी और जरूरी सामान लेकर अपने घर जा रहे थे। जैसे ही वह आगे के मकान पर पहुंचे तो वहां उन्हें दो लोग खड़े दिखाई दिए। जिन्होंने उन्हें रोकने के लिए झपट्टा मारा। जिसके चलते गाड़ी असंतुलित हो गई और कीचड़ में गिर गई। गुंजन गुप्ता ने बताया है कि दोनों ही बदमाशों ने उनके साथ मारपीट की और शोर मचाने पर गोली मारने की धमकी दे दी। दोनों के शोर मचाने पर बदमाश व्यापारी की स्कूटी, जिसमें नगदी रखी थी, उसे लेकर मौके से फरार हो गए। व्यापारी ने पुलिस कंट्रोल रूम को जानकारी दी तो मौके पर पीआरवी पहुंची। साथ थाना मलपुरा के ककुआ पुलिस चौकी की फोर्स भी मौके पर पहुंची। पीड़ित व्यापारी द्वारा तहरीर दी गई है। साथ ही साथ पुलिस द्वारा बदमाशों की तलाश की जा रही है।

कामिका एकादशी के दिन करें ये उपाय, हर कामना होगी पूरी

पंचांग के अनुसार, साल में कुल 24 एकादशी तिथियां पड़ती हैं। इन्हीं में से एक है श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की कामिका एकादशी जो इस बार 31 जुलाई, दिन बुधवार की पड़ रही है। कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से सभी कामनाओं की पूर्ति होती है।

हिन्दू धर्म में एकादशी तिथि का बहुत महत्व माना जाता है। पंचांग के अनुसार, साल में कुल 24 एकादशी तिथियां पड़ती हैं। इन्हीं में से एक है श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की कामिका एकादशी जो इस बार 31 जुलाई, दिन बुधवार की पड़ रही है। कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से सभी कामनाओं की पूर्ति होती है। वहीं, ज्योतिष शास्त्र में भी बताया गया है कि इस एकादशी के अवसर पर कुछ ज्योतिष उपाय जरूर करने चाहिए जिससे आप अनेकों लाभ पा सकते हैं। ऐसे में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से आइये जानते हैं कामिका एकादशी के उपायों के बारे में विस्तार से।

धन लाभ के उपाय

कामिका एकादशी के दिन 5 कौड़ियां लें और उन कौड़ियों को लाला कपड़े में बांधकर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के सामने अर्पित करें। फिर इसके बाद कौड़ियों को घर की तिजोरी में रख दें। इससे धन लाभ के योग बनेंगे और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कामना पूर्ति के उपाय

भगवान विष्णु के बीज मंत्र ऊँ नमोः नारायणाय नमः का 108 बार संकल्प के साथ कामिका एकादशी के दिन जाप करें। संकल्प के साथ इस मंत्र का जाप करने से भगवान विष्णु की कृपा होगी और आपकी इच्छाएं पूरी हो जाएंगी। आपके काम बनने लग जाएंगे।

वैवाहिक जीवन के उपाय

गुलाब या कमल के 2 फूल लेकर उन्हें कलावे से बांधें और उसमें 7 गांठ लगाएं। फिर उस गुलाब या कमल के जोड़े को भगवान विष्णु के चरणों में रखें। इससे आपके वैवाहिक जीवन का क्लेश दूर होगा। पति-पत्नी के बीच रिश्ता मधुर बनेगा और संतान प्राप्ति के योग बनेंगे।

ग्रह दोष मुक्ति के उपाय

कामिका एकादशी के दिन पीले रेशमी कपड़े में 9 सुपारी रखें और उन सुपारियों पर अक्षत एवं रोली लगाएं। इसके बाद गांठ बांधकर घर की पूर्व दिशा में टांग दें। इससे ग्रह दोष दूर होगा। ग्रह शांत होकर कृपा बरसाएंगे और ग्रहों द्वारा आपको शुभ परिणाम नजर आएंगे।

सावन की पहली एकादशी कामिका एकादशी कब है, पूजा का शुभ मुहूर्त और महत्व

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि का विशेष महत्व है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। ऐसा करने से व्यक्ति के सौभाग्य में वृद्धि हो सकती है। साथ ही व्यक्ति के जीवन में चल रही परेशानियां दूर हो जाती है।

पंचांग के हिसाब से हर साल सावन माह के कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि के अगले दिन कामिका एकादशी मनाने की परंपरा है। यह एकादशी तिथि भगवान विष्णु को समर्पित है। इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। इस दिन व्रत रखने से व्यक्ति को समस्त पापों से छुटकारा मिल जाता है। साथ ही सभी मनोकामनाएं सिद्ध हो जाती है। अब ऐसे में सावन की पहली एकादशी यानी कि कामिका एकादशी कब पड़ रही है, शुभ मुहूर्त क्या है और एकादशी तिथि का महत्व क्या है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी से विस्तार से जानते हैं।

कामिका एकादशी कब है

हिंदू पंचांग के अनुसार सावन माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 30 जुलाई को संध्याकाल 04 बजकर 44 मिनट से शुरू होगी और अगले दिन यानी कि 31 जुलाई को संध्याकाल 03 बजकर 55 मिनट पर समाप्त होगी। बता दें, हिंदू धर्म में व्रत और त्योहार के लिए सूर्योदय के बाद से तिथि की गणना की जाती है। इसलिए तिथि के हिसाब से 31 जुलाई को सावन माह की पहली एकादशी मनाई जाएगी।

पूजा का शुभ मुहूर्त क्या है?

शास्त्र के हिसाब से भगवान विष्णु की पूजा प्रातः काल में करने की मान्यता है। इसलिए साधक 31 जुलाई को सुबह 05.32 से सुबह 07.23 मिनट के बीच भगवान विष्णु की पूजा-पाठ विधिवत रूप से कर सकते हैं। इससे व्यक्ति को उत्तम फलो की प्राप्ति हो सकती है।

कामिका एकादशी के बन रहे हैं शुभ योग

कामिका एकादशी के दिन ध्रुव योग बन रहा है। यह योग दोपहर 02 बजकर 14 मिनट तक है। ज्योतिष शास्त्र में ध्रुव योग को बेहद शुभ माना जाता है। इस योग में भगवान विष्णु की पूजा करने से साधकों को मनोवांछित फलों की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही शुभ कार्यों में सिद्धि प्राप्त होती है। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग का भी संयोग बन रहा है। सर्वार्थ सिद्धि योग दिन भर है।

कामिका एकादशी व्रत का महत्व क्या है?

कामिका एकादशी के दिन जो व्यक्ति व्रत रखता है। उसे सभी पापों से छुटकारा मिल सकता है। इस व्रत को करने से जीवन के समस्त कष्टों से मुक्ति मिलती है। इस व्रत को करने से भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। बता दे, सावन के महीने में यह एकादशी व्रत पड़ता है। जिसका कारण इस एकादशी का महत्व अधिक बढ़ जाता है। इस एकादशी तिथि के दिन भगवान विष्णु के साथ-साथ भगवान

शिव का आराधना करने से हर बिगड़े काम बन जाते हैं।

कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को लगाएं ये भोग, घर में बनी रहेगी बरकत

हिन्दू धर्म में एकादशी तिथि का बहुत महत्व माना जाता है। पंचांग के अनुसार, साल में कुल 24 एकादशी तिथियां पड़ती हैं। इन्हीं में से एक है श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की कामिका एकादशी जो इस बार 31 जुलाई, दिन बुधवार को पड़ रही है। कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा का विधान है। मान्यता है कि सावन में आने के कारण इस एकादशी का महत्व और भी बढ़ जाता है। भगवान शिव ही इस एकादशी का फल प्रदान करते हैं। ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने हमें बताया कि सावन की कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की जो भी पूजा हम करते हैं वो भगवान शिव के भाग में जाती है, उसे भगवान शिव स्वीकार करते हैं। ठीक ऐसे ही भगवान विष्णु को लगाया भोग भी शिव जी द्वारा सी ग्रहण किया जाता है। ऐसे में आइये जानते हैं कि कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को कौन सी चीजों का भोग लगाना चाहिए और क्या है उससे मिलने वाले अद्भुत लाभ।

कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को लड्डूओं का भोग लगाना चाहिए। बेसन या बूंदी से बने लड्डू भगवान विष्णु को प्रिय हैं। इसके अलावा, भगवान विष्णु को खीर का भोग लगाना भी शुभ माना जाता है। हालांकि एकादशी के दिन चावल का प्रयोग वर्जित माना गया है। ऐसे में मखाने की खीर का भोग लगा सकते हैं या फिर आप चाहें तो मखानों को भून कर भी भोग में भगवान विष्णु को अर्पित कर सकते हैं। भगवान विष्णु को कामिका एकादशी के दिन मालपुए या घेवर का भोग भी लगाया जा सकता है। ऐसा माना जाता है कि जब भी कोई नया मौसम शुरु होता है तो उस मौसम के फल या मिठाई का भोग अवश्य लगाना चाहिए। अभी घेवर का समय चल रहा है। ऐसे में आप कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को घेवर का भोग लगा सकते हैं। साथ ही, मालपुए का भोग भी भगवान विष्णु को चढ़ा सकते हैं। मालपुआ श्री हरि को प्रिय है।

सावन में कांवड़ का है विशेष महत्व, कितने तरह की होती है ये यात्रा

सावन मास के प्रारंभ होने के साथ-साथ कांवड़ यात्रा भी शुरू हो जाती है। कांवड़ यात्रा में कांवड़िया गंगा नदी में स्नान कर लोटे में जल भरकर से शिव मंदिर में सावन शिवरात्रि के दिन अभिषेक करते हैं। कांवड़िया भगवान शिव से प्रार्थना कर आशीर्वाद मांगते हैं, इस कांवड़ यात्रा को लेकर यह मान्यता है कि भगवान शिव कांवड़िया की सभी इच्छाएं पूरी करते हैं।

कितने प्रकार की होती है कांवड़ यात्रा

सामान्य कांवड़ यात्रा

सामान्य कांवड़ यात्रा में शिव भक्त चलते-चलते जब थक जाते हैं तो बीच-बीच में आराम कर सकते हैं। आराम के दौरान कांवड़ियों को इस बात का खास ध्यान देना पड़ता है कि कांवड़ बीच में जमीन पर न रखें। कांवड़िया अपने साथ स्टैंड लेकर चलते हैं, साथ ही वे कांवड़ को किसी पेड़ की डाल पर भी टांग देते हैं।

डाक कांवड़ यात्रा

डाक कांवड़ यात्रा में कांवड़िया विश्राम नहीं करता है। जब वह पवित्र नदी से स्नान कर जल भरता है तब वह सीधा मंदिर में जाकर रुकता है। डाक कांवड़ यात्रा करने वाले कांवड़िया बीच में किसी भी चीज के लिए नहीं रुकते और उनकी यात्रा को सरल बनाने के लिए मार्ग में कई तरह की उचित व्यवस्था की जाती है।

खड़ी कांवड़ यात्रा

खड़ी कांवड़ यात्रा में साधक कांवड़ लेकर चलते हैं। इस खड़ी कांवड़ यात्रा में 2-3 लोग साथ में चलते हैं, जिसमें एक के थकने पर दूसरे लोग कांवड़ लेकर साधक की यात्रा पूरी करने में सहायता करते हैं।

दांडी कांवड़ यात्रा

कांवड़ यात्रा के सभी प्रकारों में दांडी कांवड़ यात्रा सबसे कठिन मानी गई है। इस दांडी कांवड़ यात्रा में कांवड़िया पवित्र नदी से स्नान कर जल भरता है और मंदिर तक दंडवती करते हुए पहुंचता है। इस यात्रा में सबसे ज्यादा समय लगता है।

कौन सी कांवड़ यात्रा है सबसे सरल और सबसे कठिन

सबसे सरल की बात करें तो सामान्य कांवड़ यात्रा सबसे सरल है। इस यात्रा में कांवड़िया बीच-बीच में कांवड़ को स्टैंड पर रखकर आराम कर सकता है। वही दांडी कांवड़िया कांवड़ यात्रा के सभी प्रकार में सबसे ज्यादा कठिन है। इस कांवड़ यात्रा में कांवड़िया दंडवती करते हुए भगवान शिव को कांवड़ का जल अर्पित करता है।

यात्रा के दौरान कांवड़ को जमीन में क्यों नहीं रखना चाहिए?

सावन मास में कांवड़ यात्रा का विशेष महत्व है, इस माह में कांवड़िया कांवड़ में जल भरकर शिव जी का अभिषेक करते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि कांवड़ को जमीन पर क्यों नहीं रखते? कांवड़ को जमीन में नहीं रखने के पीछे एक धार्मिक मान्यता है। इस मान्यता के अनुसार कांवड़ियों का मानना है कि कांवड़ भगवान शिव का स्वरूप है, जिसे कभी भी जमीन में रखकर उसका अपमान नहीं करना चाहते हैं। इसके अलावा कांवड़ में भरा हुआ जल भगवान शिव को चढ़ता है, ऐसे में कांवड़िया जमीन पर रखे हुए जल को भगवान शिव के ऊपर नहीं चढ़ाते हैं। जिस मार्ग में कांवड़िया विश्राम के लिए रुकते हैं, उस स्थान में कांवड़िया स्टैंड या पेड़ पर कांवड को रखते हैं, ताकि कांवड़ जमीन को स्पर्श न हो।

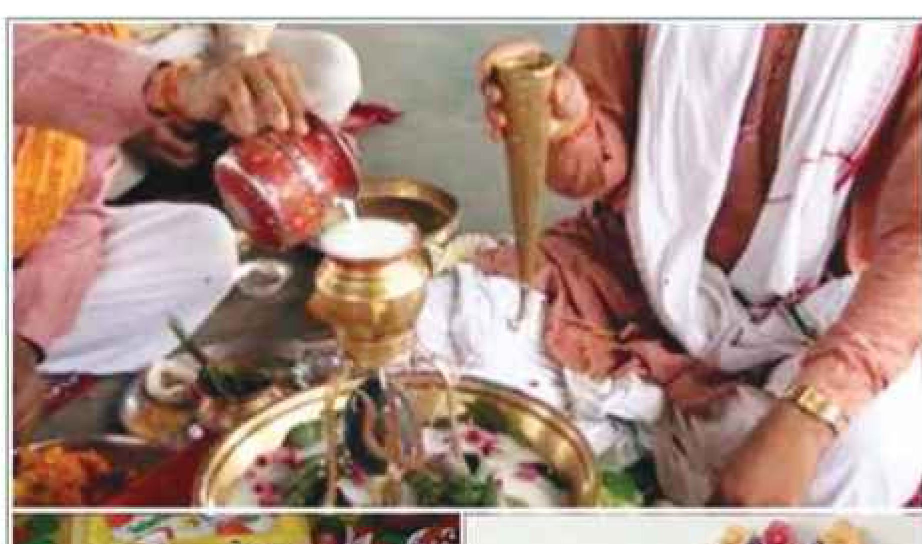

सावन में रुद्राभिषेक के लिए पांच दिन हैं उत्तम... राहु, केतु और शनि भी हो जाएंगे शांत

भगवान शंकर के प्रिय माह सावन में शिवलिंग पर रुद्राभिषेक करने से कई विपदाओ से मुक्ति मिलती है। रुद्राभिषेक करने से उत्तम फलों की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में भी रुद्राभिषेक का वर्णन किया गया है। रुद्राभिषेक करने से घर में शांति बनी रहती है और ग्रहों का बुरा प्रभाव भी कम होता है। सावन महीने की शुरुआत हो चुकी है। यह माह 22 जुलाई से शुरू होकर 19 अगस्त तक चलने वाला है। इस पूरे महीने शिवालयों में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। कहा जाता है कि इस माह भगवान शिव को प्रसन्न करना आसान होता है। सावन के महीने में कांवड़ यात्रा भी निकाली जाती है। कांवड़ यात्री पवित्र नदियों से जल भरकर अपने कांवड़ में लाते हैं और अपने आसपास के शिवालयों में शिवलिंग का अभिषेक करते हैं।

रुद्राभिषेक करने की सही तिथि

सावन में रुद्राभिषेक का खास महत्व होता है। लेकिन किस दिन रुद्राभिषेक किया जाना चाहिए, इसे लेकर कन्फ्यूजन बना रहता है। आइए, जानते हैं कि सावन में रुद्राभिषेक के लिए उत्तम दिन कौन-सा है। सावन के महीने में रुद्राभिषेक करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं। शिवलिंग का अभिषेक तो किया ही जाता है, लेकिन रुद्राभिषेक करने के खास महत्व होता है। कहा जाता है कि इससे जीवन में चल रही परेशानियां दूर हो जाती हैं। इस बार सावन के महीने में ऐसी कई शुभ तिथिया आने वाली है, जिस दिन रुद्राभिषेक किया जा सकता है।

सावन में इस दिन करें रुद्राभिषेक

सावन शिवरात्रि का दिन भगवान शिव के रुद्राभिषेक के लिए काफी खास माना जाता है। इस दिन व्रत रखना चाहिए। इस दिन शिव जी की विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए। इस साल 2 अगस्त 2024 को सावन शिवरात्रि पड़ रही है।सावन माह की शिवरात्रि और सोमवार के साथ-साथ नागपंचमी पर भी रुद्राभिषेक करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है। इस दिन रुद्राभिषेक करना बहुत शुभ माना जाता है।

इस साल सावन मास में नागपंचमी पर्व 9 अगस्त 2024 को मनाया जाने वाला है।

सावन सोमवार का दिन भी रुद्राभिषेक के लिए उत्तम होता है। इस बार सावन का दूसरा सोमवार 29 जुलाई को पड़ रहा है। सावन का तीसरा सोमवार 5 अगस्त, चौथा सोमवार 12 अगस्त और पांचवां सोमवार 19 अगस्त को पड़ रहा है।

शास्त्रों में मिलता है रुद्राभिषेक का वर्णन

इन सभी तिथियों पर शिवजी का रुद्राभिषेक करने से जीवन में शुभ परिणाम प्राप्त होते हैं। साथ ही कोई बड़ी सफलता प्राप्त होती है। ऐसे परिवार पर हमेशा भगवान शिव की कृपा बनी रहती है। कहा जाता है कि रुद्राभिषेक करने से रोगों से छुटकारा मिलता है। इतना ही नहीं, इससे सभी मनोकामनाएं भी पुरी होती हैं। यदि आप सावन शिवरात्रि, सावन सोमवार या सावन प्रदोष के दिन रुद्राभिषेक विधि-विधान से करेंगे, तो आपको चमत्कारिक बदलाव देखने को मिलेंगे। शास्त्रों में रुद्राभिषेक को शिव जी को प्रसन्न करने का रामबाण उपाय बताया गया है भगवान शंकर के प्रिय माह सावन में शिवलिंग पर रुद्राभिषेक करने से कई विपदाओं से मुक्ति मिलती है। रुद्राभिषेक करने से उत्तम फलो की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में भी रुद्राभिषेक का वर्णन किया गया है। रुद्राभिषेक करने से घर में शांति बनी रहती है और ग्रहों का बुरा प्रभाव भी कम होता है।

ओला इलेक्ट्रिक 1 अगस्त से शुरू कर सकती है आईपीओ एंकर बुक

नई दिल्ली ।

ओला इलेक्ट्रिक 1 अगस्त को अपने बहुप्रतीक्षित आईपीओ के लिए एंकर बुक शुरू करने की योजना बना रही है। उद्योग के सूत्रों ने बताया कि यह निर्गम 2 से 6 अगस्त के बीच लोगों के लिए खुलने की संभावना है। इसे 9 अगस्त को स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध कराया जा सकता है। ओला इलेक्ट्रिक ने ताजा निर्गम और ओएफएस के जरिये करीब 74 करोड़ डॉलर जुटाने का लक्ष्य रखा है। सूत्रों के मुताबिक सॉफ्टबैंक समर्थित ईवी निर्माता को आईपीओ से करीब 4.5 अरब डॉलर का मूल्यांकन की संभावना है जो इसके पिछले फंडिंग राउंड के लगभग 5.5 अरब डॉलर के मूल्यांकन से लगभग 18 प्रतिशत कम है। कंपनी एथर एनर्जी, बजाज और टीवीएस मोटर कंपनी के साथ प्रतिस्पर्धा करती है। ओला इलेक्ट्रिक ने 22 दिसंबर, 2023 को सेबी के पास अपना डीआरएचपी जमा कराया था। 20 जून को ओला इलेक्ट्रिक को

आईपीओ के लिए बाजार नियामक से मंजूरी मिल गई। इस मंजूरी के साथ ही ओला इलेक्ट्रिक के लिए सूचीबद्ध होने वाली पहली भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी बनने की राह आसान हो गई है।

पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में क्रूड ऑयल की कीमतों के आधार पर देश में तेल कंपनियां इनकी कीमतों को निर्धारित करती हैं। तेल कंपनियों के मुताबिक शनिवार को भी ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। यानी कि सभी शहरो में इनकी कीमतें स्थिर चल रही हैं। दिल्ली मे एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.44 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 89.97 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 104.95 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है। वहीं नोएडा में पेट्रोल 94.83 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 102.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.94 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर और पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

विवाहित और महिला कारोबारियों को इंट्रा-डे ट्रेड में कम हुआ घाटा: सेबी

नई दिल्ली ।

घरेलू शेयर बाजार में दैनिक आधार पर शेयर की खरीद-बिक्री (इंट्रा-डे) करने वाले विवाहित कारोबारी अविवाहित कारोबारियों के मुकाबले कहीं बेहतर नतीजे प्राप्त करने में सफल रहे हैं। इसके अलावा इंट्रा-डे कारोबार के मामले में महिलाएं पुरुष कारोबारियों के मुकाबले अधिक मुनाफा कमाती हैं। यह विश्लेषण इक्विटी नकदी खंड में इंट्रा-डे कारोबार को लेकर भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के एक अध्ययन में सामने आया है। एक कारोबारी सत्र में ही किसी शेयर की खरीद और बिक्री दोनों गतिविधियों का संचालन इंट्रा-डे कारोबार कहा जाता है। इस अध्ययन के मुताबिक विवाहित और एकल कारोबारियों के अलावा पुरुष और महिला कारोबारियों के बीच सौदा संबंधी व्यवहार और परिणामों के बीच बहुत अंतर है। सेबी ने पाया है कि इक्विटी नकदी खंड में इंट्रा-डे कारोबार करने वाले विवाहित लोग कई प्रमुख क्षेत्रों में अविवाहितों से बेहतर प्रदर्शन करते हैं। वित्त वर्ष 2018-19, 2021-22 और 2022-23 के दौरान अविवाहित कारोबारियों के मुकाबले विवाहित कारोबारियों ने इंट्रा-डे सौदों में कम नुकसान उठाया। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 75 प्रतिशत अविवाहित कारोबारी घाटे में रहे जबकि घाटे में रहने वाले विवाहित कारोबारियों की संख्या 67 प्रतिशत थी। इसके अतिरिक्त विवाहित कारोबारियों ने कहीं अधिक संख्या में सौदे भी किए। सेबी के अध्ययन का एक महत्वपूर्ण पहलू पुरुष और महिला कारोबारियों का तुलनात्मक विश्लेषण है। इन सभी वर्षों में लगातार लाभ कमाने वालों के बीच महिला कारोबारियों का पुरुष कारोबारियों की तुलना में अधिक अनुपात था। सेबी ने अपने अध्ययन में यह पाया है कि कारोबारियों का आयु समूह जितना कम होगा, उनमें नुकसान उठाने वालों का अनुपात उतना ही अधिक होगा। वहीं अधिक आयु समूह वाले कारोबारियों में नुकसान उठाने वालों का अनुपात कम था।

अमेरिका में अन्य देशों की तुलना मे लांग टर्म कैपिटल गेन टैक्स की दर कम

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने एक ओर इंट्राडे ट्रेडिंग पर लगने वाले शार्ट टर्म कैपिटल गेन टैक्स में बढ़ोतरी कर दी है, वहीं लंबी अवधि के निवेश पर लगने वाले लांग टर्म कैपिटल गेन टैक्स की दरों को भी बढ़ा दिया है लेकिन क्या लांग टेरन कैपिटल गेन पर टैक्स केवल भारतीयों को ही देना पड़ता है, क्या अन्य देशों में भी इस टैक्सेशन से जुड़े कुछ नियम हैं? गौरतलब है कि बजट 2024 के प्रस्ताव के तहत शार्ट टर्म कैपिटल गेन टैक्स की दर को 15 फीसदी से बढ़ाकर 20 फीसदी कर दिया गया है। वहीं लांग टर्म कैपिटल गेन टैक्स दर को भी 10 से बढ़ाकर 12.5 प्रतिशत कर दिया है। सरकार ने लांग टर्म में सोने और प्रॉपर्टी जैसे फिजिकल एसेट्स पर जो इंडेक्सेशन की सुविधा मिलती थी उसे भी खत्म कर दिया है। हालांकि, एक राहत है कि लांग टर्म कैपिटल गेन में अब 1.25 लाख रुपये तक का मुनाफा टैक्स मुक्त हो गया है। अमेरिका मे दुनिया के कई विकसित देशों की तुलना में लांग टर्म कैपिटल गेन टैक्स की दर कम है। वहां शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन टैक्स की दर सामान्य है जबकि लांग टर्म कैपिटल गेन टैक्स अधिकतम 20 प्रतिशत है। वहीं यहां चल और अचल संपत्ति की बिक्री पर होने वाले फायदे पर सरकार टैक्स लेती है, जो कि 20 फीसदी है। वहीं शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनियों के शेयर्स की खरीद बिक्री पर होने वाले फायदे पर सरकार टैक्स नहीं वसूलती है। जापान में एसेट क्लास के अनुसार टैक्स की दरें अलग-अलग हैं। जैसे शेयर की बिक्री, जमीन और मकान की बिक्री पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स अधिकतम 20 प्रतिशत है जबकि शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन टैक्स 39 प्रतिशत है। ऑस्ट्रेलिया में प्रॉपर्टी या पर्सनल प्रॉपर्टी बेचने पर टैक्स लगता है। इस पर बहुत कम दर से टैक्स वसूला जाता है। यदि कोई ऑस्ट्रेलियाई नागरिक 12 महीने से ज्यादा के लिए कोई निवेश करता है, तो उसके कैपिटल गेन प्रॉफिट के 50 प्रतिशत पर ही उसे टैक्स देना होता है। सिंगापुर में किसी तरह का कैपिटल गेन टैक्स नहीं लगता है।

भगोड़ा माल्या तीन साल तक भारतीय बाजारों में नहीं कर सकेगा प्रवेश

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने भगोड़े कारोबारी विजय माल्या पर तीन साल तक भारतीय बाजारों में प्रवेश करने पर रोक लगा दी है। यह कार्रवाई 2006 से 2008 के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) के रास्ते से भारतीय प्रतिभूतियों में पैसा लगाने के लिए की गई है। पूर्व शराब कारोबारी को तीन साल तक किसी भी लिस्टेड कंपनी से जुड़ने पर भी रोक लगा दी गई है। सेबी ने माल्या की सभी सिक्योरिटी होल्डिंग्स को फ्रीज करने का आदेश दिया है, जिसमें म्यूचुअल फंड यूनिट्स भी शामिल हैं। माल्या ने मैटर्हॉर्न वेंचर्स नाम की एक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) कंपनी के जरिए अपने ही समूह की भारतीय कंपनियों के शेयरों में अप्रत्यक्ष रूप से कारोबार किया। इस तरह से उन्होंने प्रतिभूति बाजार में अपने निवेश की असली पहचान को छिपाया। सेबी ने कहा कि माल्या ने अपनी पहचान छिपाकर मैटर्हॉर्न वेंचर्स नाम की एफपीआई कंपनी के जरिए निवेश किया, जो भारतीय कंपनियों के शेयरधारकों के हित के खिलाफ था। सेबी के आदेश के अनुसार इस एफपीआई कंपनी का इस्तेमाल हरबर्टसन्स और यूनाइटेड स्पिरिट्स (यूएसएल) जैसी शराब कंपनियों के शेयरों में लेन-देन के लिए किया गया। सेबी ने पाया कि मैटर्हॉर्न वेंचर्स के पास हरबर्टसन्स के 9.98 प्रतिशत शेयर थे, जो वास्तव में प्रमोटर श्रेणी के थे और पूरी तरह से माल्या द्वारा फंडेड थे।

सरकार राजकोषीय घाटे को कम करने के लिए प्रतिबद्ध

नई दिल्ली । फिच रेटिंग्स ने कहा कि भारत का चुनाव बाद का बजट इस बात की पुष्टि करता है कि सरकार राजकोषीय घाटे को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। गठबंधन में शामिल दलों की मांग के बावजूद नई सरकार राजकोषीय मजबूती के रास्ते पर टिकी हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में सरकार ने 31 मार्च 2025 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए केंद्र के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को घटाकर सकल घरेलू उत्पाद का 4.9 प्रतिशत कर दिया है। फरवरी के अंतरिम बजट में लक्ष्य 5.1 प्रतिशत तय किया गया था। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सरकार का राजकोषीय घाटा लक्ष्य, रेटिंग एजेंसी के 5.4 प्रतिशत के अनुमान से काफी कम है। रेटिंग एजेंसी ने जनवरी 2024 में भारत की बीबीबी- रेटिंग की पुष्टि करते समय राजकोषीय घाटे के सकल घरेलू उत्पाद का 5.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। फिच ने कहा कि ऐसा लगता है कि सरकार वित्त वर्ष 2025-26 में घाटे को जीडीपी के 4.5 प्रतिशत से नीचे लाने के अपने लक्ष्य को भी हासिल कर लेगी।

इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रोत्साहन की योजना सितंबर तक बढ़ी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिक परिवहन प्रोत्साहन योजना (ईएमपीएस) को दो महीने के लिए बढ़ाकर के साथ कुल परिव्यय को भी बढ़ाकर 778 करोड़ रुपये कर दिया। इस योजना को इस साल मार्च में भारी उद्योग मंत्रालय ने शुरू किया था। इसका उद्देश्य पूरे देश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के उपयोग को बढ़ावा देना है। ईएमपीएस योजना मूल रूप से एक अप्रैल, 2024 से 31 जुलाई, 2024 तक चलने वाली थी, जिसका कुल परिव्यय 500 करोड़ रुपये था। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक इस योजना को दो महीने 30 सितंबर, 2024 तक बढ़ा दिया गया है। इसके अलावा योजना का परिव्यय भी बढ़ाकर 778 करोड़ रुपये कर दिया गया है। इस योजना का उद्देश्य सरकार की हरित पहलों को आगे बढ़ाना और देश में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माण परिवेश के विकास को बढ़ावा देना है। इस योजना के तहत पात्र ईवी श्रेणियों में पंजीकृत ई-रिक्शा एवं ई-कार्ट सहित इलेक्ट्रिक दोपहिया और तिपहिया वाहन शामिल हैं। आम लोगों के लिए किफायती और पर्यावरण-अनुकूल सार्वजनिक परिवहन विकल्प मुहैया कराने पर जोर देने के साथ यह योजना मुख्य रूप से उन ई-दोपहिया और ई-तिपहिया पर लागू होगी जो वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए पंजीकृत हैं। इसके अलावा निजी या कॉरपोरेट स्वामित्व वाले पंजीकृत ई-दोपहिया भी योजना के तहत पात्र होंगे।

बीएचईएल को 10 हजार करोड़ की तापीय बिजली परियोजना मिली

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी बीएचईएल को दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) से 10 हजार करोड़ रुपये की तापीय बिजली परियोजना का ठेका मिला है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि 800-800 मेगावाट की दो इकाइयां कोडरमा ताप बिजलीघर के दूसरे चरण की परियोजना के तहत झारखंड में स्थापित की जाएगी। परियोजना को 52 महीनों में पूरा किया जाना है और यह ऑर्डर 10 हजार करोड़ रुपये का है। इस कार्य में बॉयलर, टरबाइन, जनरेटर और संबंधित सहायक उपकरणों की आपूर्ति शामिल है। इसके अलावा भेल सिविल कार्य के अलावा परियोजना को चालू करेगी।

एप्पल ने आईफोन की कीमत 6,000 तक घटाई

नई दिल्ली । बजट में मोबाइल फोन पर आयात शुल्क में कमी की घोषणा के बाद एप्पल ने भारत में आईफोन की कीमतें 6,000 रुपये तक घटा दी हैं। एप्पल की तरफ से जारी नई कीमत सूची के मुताबिक आयातित आईफोन प्रो मॉडलों की कीमत में 5,100-6,000 रुपये की कटौती कर दी गई है। एप्पल पहले आईफोन 15 प्रो को 1,34,900 रुपये और आईफोन 15 प्रो मैक्स मॉडल को 1,59,900 रुपये की शुरुआती कीमत पर बेच रही थी। भारतीय ग्राहकों के लिए 128 जीबी स्टोरेज वाले आईफोन प्रो मॉडल की

डालमिया सीमेंट श्रावणी मेले के अवसर पर कॉंवड़ियों को दे रहा राहत

देवघर: भारत की प्रमुख सीमेंट निमार्ता कंपनी, डालमिया भारत लिमिटेड (डीबीएल) झारखंड के सबसे बड़े त्यौहार श्रावणी मेले के दौरान स्थानीय युवाओं के समर्पण को मान्यता दे रही है। इस दौरान, पूर्वी क्षेत्र में अपनी 'सैल्यूटिंग द एक्सपर्ट' पहल के तहत, कंपनी ने राष्ट्रीय स्तर की खो-खो खिलाड़ी और सात बार की राज्य चैंपियन सुश्री महिमा कुमारी को 'जय कॉंवड़ पुरस्कार' से सम्मानित किया। यह पुरस्कार कॉंवड़ियों की भावना और डालमिया सीमेंट 'आरसीएफ एक्सपर्ट' की विशेषज्ञता से प्रेरित है, जिसका उद्देश्य उनकी और स्थानीय उपलब्धि हासिल करने वाले लोगों की भावनाओं को मान्यता देना है। खेल में सुश्री महिमा कुमारी के योगदान और उपलब्धियों के लिए उन्हें 10,000 रुपए का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।

इस अवसर पर टिप्पणी करते हुए, कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, डालमिया सीमेंट एक विशेषज्ञ के रूप में, हर क्षेत्र के विशेषज्ञों को गर्व से सलाम करता है। हम उनके समर्पण और उत्कृष्टता को पहचान दिलाने के लिए समर्पित हैं। साथ ही, हम डालमिया सीमेंट 'आरसीएफ स्ट्रॉन्ग तो घर स्ट्रॉन्ग' के माध्यम से मजबूती और उत्कृष्टता लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे सीमेंट का स्थायित्व घरों की स्थायी मजबूती सुनिश्चित करता है, जो भगवान शिव और कई परिवारों के लिए इस पूजनीय त्यौहार के महत्व को दर्शाता है।

उन्होंने आगे कहा, हमें इस शुभ त्यौहार के दौरान सुश्री महिमा कुमारी की उल्लेखनीय उपलब्धियों का सम्मान करते हुए गर्व हो रहा है। उनकी अटूट प्रतिबद्धता और उत्कृष्टता की खोज क्षेत्र के युवा एथलीट्स के लिए प्रेरणा का काम करती है।

भक्तों की सहायता के लिए, डालमिया भारत ने सुल्तानगंज से देवघर तक 108 किमी मार्ग पर 10 जल वितरण के लिए कियोस्क स्थापित किए हैं। ये कियोस्क जल व्यवस्था के माध्यम से तीर्थयात्रियों को उनकी कठिन यात्रा के दौरान सहायता प्रदान करेंगे।

बीते सप्ताह एक फीसदी चढ़ा शेयर बाजार

- सेंसेक्स 1,292 अंक बढ़त के साथ 81,332 पर बंद
- निफ्टी 428.7 अंक बढ़त के साथ 24,834 पर बंद

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों और उम्मीद से ज्यादा बेहतर अमेरिकी डेटा की वजह से बजट सप्ताह में घरेलू शेयर बाजार ने तेजी बनाना जारी रखा। इस सप्ताह केंद्रीय बजट की घोषणाओं और इंडिया इंक के मिलेजुले नतीजों ने शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रखा। इस सप्ताह शेयर बाजार में एक फीसदी से ज्यादा तेजी दर्ज की गई। घरेलू शेयर बाजार के सप्ताह भर के कारोबार पर नजर डालें तो बजट पेश होने से एक दिन पहले सोमवार को शेयर बाजार का इंडेक्स सेंसेक्स 504 अंक गिरकर 80,100.65 अंक पर खुला और 102 अंक गिरकर 80,502 अंक पर बंद हुआ। जबकि एनएसई निफ्टी 50 168.6 अंक फिसलकर 24,362.30 अंक पर खुला और 21 अंक गिरकर 24,509 अंक पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 166.41 अंक की तेजी के साथ 80,668.49 अंक पर खुला और 73.04 अंक की गिरावट के साथ 80,429.04 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 59.65 अंक की बढ़त के साथ 24,568.90 अंक पर खुला और 30.30 अंक की गिरावट के साथ 24,479.00 पर बंद हुआ। बुधवार को विदेशी फंड की निकासी और वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख ने भी घरेलू बाजारों के लिए खेल बिगाड़ दिया। कमजोर शुरुआत के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 233.7 अंक गिरकर 80,195.34 पर खुला और 280 अंक गिरकर 80,148 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 73.45 अंक गिरकर 24,405.60 पर खुला और 65 अंक गिरकर 24,413 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 606.77 अंक की गिरावट के साथ 79,542 पर खुला और 109.08 अंक टूटकर 80,039 पर बंद हुआ। निफ्टी 182.55 अंक की गिरावट के साथ 24,230 पर खुला और 7.40 अंक की मामूली गिरावट के साथ 24,406.10 अंक पर बंद हुआ। बीते कई दिनों की कमजोरी के बाद घरेलू शेयर बाजार में शुक्रवार की सुबह हरियाली दिखी। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन सेंसेक्स 218.08 अंकों की बढ़त के बाद 80,234.64 पर खुला और 1,292.9 अंक की बढ़त के साथ 81,332.7 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 77.41 अंक मजबूत होकर 24,483.50 पर खुला और 428.7 अंक की बढ़त के साथ 24,834.8 अंक पर बंद हुआ।

चीन से बढ़ते इस्पात आयात का मुनाफे पर पड़ रहा असर: सज्जन जिंदल

नई दिल्ली ।

जेएसडब्ल्यू स्टील के चेयरमैन सज्जन जिंदल ने कहा कि चीन से बढ़ते इस्पात आयात का घरेलू कंपनियों की कमाई पर नेगेटिव असर पड़ रहा है। कंपनी की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में जिंदल ने कहा कि कई जेएसडब्ल्यू स्टील के वित्त वर्ष 2023-24 के व्यावसायिक आंकड़े साझा करते हुए जिंदल ने कहा कि कंपनी ने इस अवधि मे 92 प्रतिशत क्षमता उपयोग के साथ अपना उच्चतम कच्चा इस्पात उत्पादन प्राप्त किया।

इस सप्ताह सोने की कीमत में 4804 रुपए की आई गिरावट

नई दिल्ली । हाल ही में मोदी सरकार के बजट में सरकार ने सोने पर आयात शुल्क में कटौती की। जिसके बाद देश में गहनों के भावों में लगातार गिरावट आ रही है। इस सप्ताह एमसीएक्स पर सोने की कीमत में 4804 रुपए की गिरावट देखी गई। वहीं चांदी में 8275 रुपए की गिरावट की गिरावट आई है। अब सोने की कीमत 68186 रुपए प्रति दस ग्राम हो गया है। वहीं चांदी 81371 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। माना जा रहा है कि शुल्क में कमी होने से सोने के प्रति निवेशकों में आकर्षण और बढ़ेगा। दिल्ली सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना 50 रुपए की मजबूती के साथ 70700 रुपए प्रति दस ग्राम पर बंद हुआ। चांदी 400 रुपए मजबूत होकर 84400 रुपए प्रति

हिमाचल प्रदेश में आपदा प्रबंधन और न्यूनीकरण

कुलभूषण उपमन्यु

हमालय देश के लिए पानी, शुद्ध हवा, उपजाऊ मिट्टी दे कर जिंदा रहने के लिए सबसे जरूरी हवा, पानी और भोजन की सुरक्षा की व्यवस्था करता है। हिमालय की इन पर्यावरणीय सेवाओं को बनाए रखकर ही देश और हिमालय क्षेत्र के भविष्य को सुरक्षित किया जा सकता है। इसलिए हिमालय के पर्यावरणीय तंत्र को सुरक्षित रखना और विकास के कार्यों में आपसी विरोधाभास समाप्त करना ही मुक्ति का मार्ग है। हमारी निर्माण गतिविधियों को वैकल्पिक तकनीकों द्वारा पर्वत विशिष्ट मॉडल के रूप में विकसित करना होगा। सड़क निर्माण से लेकर जल विद्युत तक।

समग्र हिमालय की तरह हिमाचल प्रदेश भी जलवायु परिवर्तन के इस दौर में लगातार आपदाओं की चपेट में आता जा रहा है। गत वर्ष की तबाही को अभी तक प्रदेश भूल नहीं पाया है। आपदा प्रभावितों के जख्मों पर अभी तक भी पूरी तरह से मरहम नहीं लगाया जा सका है। प्रदेश की कमजोर आर्थिकी और केंद्रीय सहायता के इंतजार में बहुत काम लटका पड़ा है। खासकर जिनके मकानों के नीचे की जमीन भी क्षतिग्रस्त हो गई है, उन्हें वन संरक्षण अधिनियम के चलते वैकल्पिक जमीन देना भी असंभव बना हुआ है। हिमाचल प्रदेश का 67 प्रतिशत भूभाग वन भूमि है, जिसका भूमि उपयोग बदलना टेढ़ी खीर बना हुआ है। गत वर्ष दो हजार घर पूरी तरह से तबाह हो गए थे और नौ हजार आंशिक रूप से तबाह हुए। 400 से अधिक मूल्यवान जीवनकाल का ग्रास बन गए थे। बाढ़ और भू-स्खलन का यह दौर चाहे जलवायु परिवर्तन के चलते भयंकर स्थिति में पहुंच गया हो या अवैज्ञानिक निर्माण कार्यों के कारण, दोनों ही मामलों में ये आपदाएं मानव निर्मित ज्यादा हैं और प्राकृतिक कम।

हालांकि, हम इन्हें प्राकृतिक आपदाएं कह कर अपनी गलतियों को छुपाने की कोशिश करते रहते हैं। बाढ़ और भू-स्खलन प्राकृतिक तौर पर भी आते रहते हैं, किंतु मानव निर्मित कारणों से ये घटनाएं भयानक बन जाती हैं। जलवायु परिवर्तन भी तो मानव निर्मित आपदा ही है। पिछले डेढ़-दो सौ वर्षों की औद्योगिक क्रांति के बाद के वर्षों में वायुमंडल में हरित प्रभाव पैदा करने वाली कार्बन डाई ऑक्साइड और मीथेन जैसी गैसों के उत्सर्जन के कारण ही तो वैश्विक तापमान में वृद्धि हुई है, जो जलवायु परिवर्तन द्वारा अतिवृष्टि, अनावृष्टि और ग्लेशियरों के पिघलने का कारण बन रहा है।

ग्लेशियर पिघलने के कारण हिमालय क्षेत्र में ग्लेशियर के भाग टूट कर और कुछ मलबा मिश्रण घाटियों में फंस कर कृत्रिम झीलों का निर्माण करता है। ये झीलें अचानक टूट जाती हैं और नीचे भयानक बाढ़ की विभीषिका का मंजर पेश होता है। 90 के दशक में पारछू नदी के उद्गम के नीचे बनी झील के टूटने से सतलुज नदी में आई भयानक बाढ़

ने बड़ी तबाही मचाई थी। पिछले साल हुई तबाही में कई जगह बादल फटने की घटनाएं भी कारण बनीं। जब 100 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में एक घंटे में 10 सेंटीमीटर या इससे अधिक बारिश हो जाए, तो उसे बादल फटना कहा जाता है। ये बादल फटने की घटनाएं भी वैश्विक तापमान वृद्धि के कारण ही बढ़ी हैं।

अब जलवायु परिवर्तन एक सच्चाई बन चुका है। इसलिए हमें हिमालय में निर्माण कार्य इस खतरे को ध्यान में रख कर ही उचित सावधानी से करने चाहिए, क्योंकि हिमालय पर दोहरा खतरा है। एक तो जलवायु परिवर्तन के कारण अतिवृष्टि और ग्लेशियर पिघलने के कारण आने वाली बाढ़ों का खतरा बढ़ जाता है। दूसरे, हिमालय एक कम उम्र का पहाड़ है, जो अभी तक भी बन रहा है। इस कारण कमजोर और भुरभुरा है। भारी बारिश की मार न सह सकने के कारण भू-स्खलन का शिकार हो जाता है। ऐसे नाजुक भू-स्थल को जब अंधाधुंध तोड़फोड़ का शिकार बनाया जाता है, तो भू-स्खलन की तबाही आ जाती है। जब ये भू-स्खलन का मलबा नदी नालों में पहुंचता है, तो उनका तल ऊपर उठ जाता है, जिससे पानी और बाढ़ का बहाव अप्रत्याशित रूप से ऊपर तक तबाही मचा देता है। इस दृष्टि से जल विद्युत के लिए बांध, सुरंगें, चौड़ी सड़कें बनाने के लिए, निकला मलबा ढलानों पर फेंके जाने से तबाही को बढ़ाने का कार्य करता है। इन निर्माण कार्यों के लिए भारी मात्रा में वृक्ष कटान भी होता है, जो कमजोर भू-स्थल को और कमजोर कर देता है। खनन कार्य भी इसी तरह तबाही का कारण बनता है।

ये सभी कार्य एक ओर तो प्रकृति विध्वंस का कारण बनते हैं और दूसरी ओर सरकारी और इन निर्माण और खनन से जुड़े लोगों के लिए आय का साधन होते हैं। विकास के लिए इनका होना जरूरी माना जाता है। इस तरह जो स्थानीय जनता इस तबाही से त्रस्त होती है, वह इनका विरोध करती है और जो इससे लाभान्वित होते हैं, वे इसके पक्ष में खड़े होते हैं, जिससे समाज में आपसी टकराव भी हो जाते हैं। जैसे टिहरी बांध निर्माण के समय बांध विरोधी और बांध समर्थक दो हिस्सों में उस प्रभावित क्षेत्र की जनता बंट गई थी, जो विस्थापित हो जाते हैं, उनकी त्रासदी तो अनंत होती है और कुछ पीढ़ियों तक विस्थापन का दंश उनको झेलना पड़ता है। इस द्वंद्व में हिमालय क्षेत्र फंसा हुआ है। एक तरफ गड्ढा और एक तरफ खाई वाली स्थिति है, जिससे निकलना देश और हिमालय के स्थानीय हित के लिए जरूरी है।

हिमालय देश के लिए पानी, शुद्ध हवा, उपजाऊ मिट्टी दे कर जिंदा रहने के लिए सबसे जरूरी हवा, पानी और भोजन की सुरक्षा की व्यवस्था करता है। हिमालय की इन पर्यावरणीय सेवाओं को बनाए रखकर ही देश और हिमालय क्षेत्र के भविष्य को सुरक्षित किया जा सकता है। इसलिए हिमालय के पर्यावरणीय तंत्र को सुरक्षित रखना और विकास के कार्यों में आपसी विरोधाभास समाप्त करना ही मुक्ति का मार्ग है। हमारी निर्माण गतिविधियों को वैकल्पिक तकनीकों द्वारा पर्वत विशिष्ट मॉडल के रूप में विकसित करना होगा। सड़क निर्माण से लेकर जल विद्युत तक। उदाहरण के लिए सड़क निर्माण कट एंड फिल तकनीक से करके डंपिंग से होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। हालांकि, पर्यटन भी ऐसे क्षेत्र के रूप में उभर रहा है, जो स्थानीय आजीविका के लिए जरूरी आधार बनता जा रहा है, किंतु इसके कारण भी पहाड़ी ढलानों पर बढ़ते बोझ और कचरा प्रदूषण के चलते इसका भी नियमन किया जाना चाहिए।

इस व्यवसाय से जुड़े कुछ संवेदनशील लोग उत्तरदायी पर्यटन की अवधारणा के विकास और लागू करने की बात कर रहे हैं। इससे पर्यावरण की सुरक्षा के साथ-साथ पर्यटन व्यवसाय का टिकाऊपन भी सुनिश्चित हो सकेगा। मंडी और कुल्लू जिलों में कुछ समूह इस दिशा में कार्यरत हैं। इन सावधानियों के साथ विकास को देखना आपदाओं को कम करने में मददगार होगा। फिर भी कुछ आपदाओं की संभावना तो बनी ही रहेगी, जिसके लिए आपदा प्रबंधन व्यवस्था को चाक-चौबंद करना होगा। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के रूप में अच्छा कार्य हो रहा है, किंतु तत्काल राहत के लिए स्थानीय समुदायों, स्वयंसेवी संस्थाओं, महिला मंडलों, युवा मंडलों, पंचायतों को जागरूक करना और प्रशिक्षित करना होगा, ताकि जब तक प्रशिक्षित संगठन आपदा ग्रस्त स्थान पर पहुंचे तब तक तात्कालिक सहायता उपलब्ध हो सके।

(लेखक, जल-जंगल-जमीन के मुद्दों के जानकार हैं।)

संपादकीय

करों पर अधिकारा

खनिजों पर देय रॉयल्टी कोई कर नहीं है और संविधान के तहत राज्यों के पास खदानों और खनिजयुक्त भूमि पर कर लगाने का विधायी अधिकार है। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र द्वारा खदानों और खनिजों पर लगाए गए हजारों करोड़ रुपये के करों की वसूली पर फैसला दिया। झारखंड और ओड़िशा जैसे खनिज समृद्ध राज्यों ने इन करों की वापसी के लिए अदालत से आग्रह किया था। नौ न्यायाधीशों की खंडपीठ ने राज्यों से इस पर लिखित दलीलें मांगी हैं। 8:1 के बहुमत के फैसले में कहा कि खनिजों पर देय रॉयल्टी नहीं है। संविधान की दूसरी सूची की प्रविष्टि 50 के अंतर्गत संसद को खनिज अधिकारों पर कर लगाने की शक्ति नहीं है। पीठ ने माना कि खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 राज्यों को खदानों तथा खनिजों पर कर लगाने से प्रतिबंधित नहीं करता। 1989 के शीर्ष अदालत के फैसले में कहा गया था कि खनिजों पर रॉयल्टी कर है। उसमें रॉयल्टी को वह भुगतान बताया गया था जो उपयोगकर्ता पक्ष बौद्धिक संपदा या अचल संपत्ति-परिसंपत्ति के मालिक को देता है। ये राज्य हजारों करोड़ की वसूली पिछली तारीख से अदालत के मार्फत करवाना चाहते हैं। सामाजिक व्यवस्था में राज्य यथासंभव सामाजिक, आर्थिक, विकास संबंधी, सुरक्षा, कानून-व्यवस्था, आरोग्यता, शिक्षा जैसे साधन मुहैया कराता है। राज्य सरकारें सभी व्ययों तथा कर निर्धारण की जिम्मेदारी निभाती हैं। राज्यों और केंद्र के दरम्यान कई बार खींचतान की स्थिति उत्पन्न होती रहती है। खासकर जिन राज्यों में विपक्षी दलों की सरकार होती हैं, उन्हें केंद्र की नीतियों या आर्थिक मदद को लेकर सहयोगपूर्ण रवैया न रखने जैसी शिकायतें आम हैं। निःसंदेह केंद्र संविधान के तहत कानून बनाता है और राष्ट्रीय स्तर की नीतियों के विकास और कार्यान्वयन का जिम्मा उसी का होता है परंतु राज्यों के अधिकारों की पूरी तरह अनदेखी नहीं कर सकता। ओड़िशा और झारखंड प्रमुख खनिज उत्पादक राज्य हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं रही। इसलिए अदालत का यह फैसला उनके विकास में महत्त्वपूर्ण साबित हो सकता है।

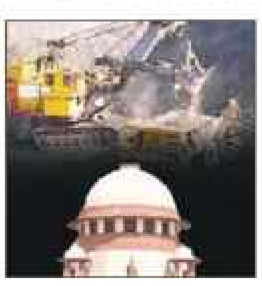

चिंतन-मनन

कर्तव्य को बनाएं सर्वोपरि लक्ष्य

अध्यापक ने विद्यार्थियों से पूछा- 'रामायण और महाभारत में क्या अंतर है?' विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी समझ के अनुसार उत्तर दिए। अध्यापक को संतोष नहीं हुआ। एक विद्यार्थी ने अनुरोध किया- 'आप ही बताइए' अध्यापक बोला-रामायण और महाभारत में सबसे बड़ा अंतर है 'हक-हकूक' का। रामायण में राम ने अपना अधिकार छोड़ा, राज्य छोड़ा और चौदह वर्षों तक वन में जाकर रहे। वे चाहते तो अधिकार के लिए लड़ाई कर सकते थे। दशरथ उन्हें वन में नहीं भेजना चाहते थे। अयोध्या की जनता उनके वन-गमन से व्यथित थी। पर राम ने अपने कर्तव्य को अधिकार से ऊपर रखा। पिता के कहे का पालन उनके जीवन का महान आदर्श था।

महाभारत का संपूर्ण कथानक अधिकारों की लड़ाई का कथानक है। कौरव और पांडव आपस में चचेरे भाई थे। भाई-भाई के रिश्तों में जो गंध होती है, मिठास होती है, अपनापा होता है, उसका दर्शन ही कहां कहां होता है! पांडव सब कुछ जुए में हार गए। सब वादे पूरे कर वे लौटे तो दुर्योधन ने पांच गांव तो क्या, सूई की नोक के बराबर भूमि भी देने से मना कर दिया।

ये दो उदाहरण हैं - हमारे सामने। प्रथम उदाहरण अपनेपन से भरे आत्मीय संबंधों का है। यह संबंधों की मधुरता व्यक्ति को कभी आत्मकेंद्रित नहीं होने देती। वह अपने बारे में नहीं सोचता; परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है। उसका अपना कोई स्वार्थ होता ही नहीं। पद-प्रतिष्ठा और सुख-सुविधा के संस्कारों से वह ऊपर उठ जाता है। ऐसा वही व्यक्ति कर सकता है, जो कर्तव्य को अपने जीवन का सर्वोपरि लक्ष्य मानता है। वह संस्कृति सफल होती है जो कर्त्तव्यनिष्ठ व्यक्तियों को जन्म देती है।

वह शताब्दी सफल होती है, जो कर्तव्य की धारा को सतत प्रवाही बनाकर जन-जन तक पहुंचाती है। वह परंपरा सफल होती है, जो कर्तव्य का बोध देती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूजा-प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और सुख-सुविधा की अर्थहीन चिंता छोड़कर व्यक्ति अपने जीवन को कर्तव्य के लिए समर्पित कर दे।

मिसाल कायम करते झुंझुनू के जवान

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान में शेखावाटी क्षेत्र के झुंझुनू जिले के अमर सपूतों की इस वीर भूमि के रणबांकुरों ने जहां स्वतंत्रता पूर्व के आन्दोलनो में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया था। वहीं स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद सेना द्वारा लड़ी गयी लड़ाइयों में भी इस धरती की माटी में जन्मे वीरों ने समय-समय पर अपना पराक्रम दिखाया हैं। वीरों की इस धरती ने सदियों से जन्म लेते रहे सपूतों के दिलों में देशभक्ति की भावना को प्रवाहित किया हैं। वास्तव में यहां की धरती को यह वरदान सा प्राप्त होना प्रतित होता हैं कि इस पर राष्ट्रभक्ति के कीर्तिमान स्थापित करने वाले लाडेसर ही जन्म लेते हैं। चाहे 1948 का पाकिस्तानी कबायली हमला हो या 1962 में चीन से युद्ध हो या 1965 व 1971 का भारत-पाक युद्ध। यहां के वीरों ने मातृभमि की रक्षा हेतू सदैव अपना जीवन बलिदान किया हैं। सेना के तीनो अंगे की आन की रक्षा के लिये यहां के नौजवान सैनिकों के उत्सर्ग को राष्ट्र कभी भुला नही सकता हैं।

राजस्थान में झुंझुनू जिले के नवयुवको में सेना में भर्ती होने की बहुत पुरानी परम्परा रही हैं। यहां के गांवों में घर-घर में सैनिक होता हैं। सेना के प्रति यहां के लगाव के कारण अंग्रेजो ने यहां एक सैनिक छावनी की स्थापना कर झशेखावाटी ब्रिगेड झका गठन किया था। देश रक्षा के लिये सेना में शहादत देना राजस्थान की परम्परा रही है। झुंझुनू जिले के वीर जवानो को उनके शौर्यपूर्ण कारनामों के लिये समय-समय पर भारत सरकार द्वारा विभिन्न अलंकरणों से नवाजा जाता रहा हैं। अब तक इस जिले के कुल 130 से अधिक सैनिकों को वीरता पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। जो पूरे देश में किसी एक जिले के सर्वाधिक हैं।

भारतीय सेना में योगदान के लिये झुंझुनू जिले का देश में अव्वल नम्बर हैं। वर्तमान में इस जिले के 55 हजार जवान सेना में कार्यरत हैं। वहीं जिले में करीबन 60 हजार भूतपूर्व सैनिक व अर्धसैनिक बलों के जवान हैं। आजादी के बाद भारतीय सेना की ओर से राष्ट्र की सीमा की रक्षा करते हुये यहां के 486 जवान शहीद हो चुके हैं। जो पूरे देश में किसी एक जिले से सर्वाधिक हैं। कारगिल युद्ध के दौरान पूरे देश में 527 जवान शहीद हुये थे जिनमें यहां के 19 सैनिक शहीद हुये थे जो पूरे देश में किसी एक जिले से शहादत देने वालों में सर्वाधिक जवान थे। झुंझुनू जिले से अब तक 486 से अधिक सैनिक जवान सीमा पर शहीद हो चुके हैं। यहां के गांवों में लोकदेवताओं की तरह पूजे जाने वाले शहीदों के स्मारक इस परम्परा के प्रतीक हैं। इस जिले के वीरों ने बहादुरी का जो इतिहास रचा है उसी का परिणाम है कि भारतीय सैन्य बल में उच्च पदों पर सम्पूर्ण राजस्थान की ओर से झुंझुनू जिले का ही वर्चस्व रहा है। इस क्षेत्र के सैनिकों ने भारतीय सेना में रहकर विभिन्न युद्धो में बहादुरी एवं शौर्य की बदौलत जो वीरता पदक प्राप्त किये हैं वे किसी भी एक जिले के लिये प्रतिष्ठा एवं गौरव का विषय हो सकता हैं। सीमा युद्ध के अलावा जिले के बहादुर सैनिकों ने देश मे आंतरिक शान्ति स्थापित करने में भी सदैव विशेष भूमिका निभाई हैं। सीमा संघर्ष एवं नागा होस्टीलीटीज हो या आपरेशन ब्लूस्टार या श्रीलंका सरकार की मदद हेतु किये गये आपरेशन पवन अथवा कश्मीर में चलाया गया आतंकवादी अभियान रक्षक या कारगिल युद्ध। सभी अभियान में यहां के सैनिको ने शहादत देकर जिले का मान बढ़ाया हैं।

झुंझुनू जिले के हवलदार मेजर पीरूसिंह शेखावत को 1948 के युद्ध में वीरता के लिये देश का सर्वोच्च सैनिक सम्मान परमवीर चक्र से सम्मानित किया जा चुका है। परमवीर चक्र पाने वाले पीरूसिंह शेखावत देश के दूसरे व राजस्थान के पहले सैनिक थे। यहां के सैनिकों ने द्वितीय विश्व युद्ध में भी बढ़चढ़ कर भाग लिया था। आज भी यहां द्वितीय विश्व युद्ध के पूर्व सैनिकों की विधवाओं को सरकार से पेंशन मिल रही है।

यहां के जवानो ने सेना के सर्वोच्च पदों तक पहुंच कर अपनी प्रतीभा का प्रदर्शन किया है। इस जिले के चित्तोसा गांव के एडमिरल विजय सिंह शेखावत भारतीय नो सेना के अध्यक्ष रह चुके है। वहीं स्व. कुन्दन सिंह शेखावत थल सेना में लेफ्टिनेन्ट जनरल व भारत सरकार के रक्षा सचिव रह चुके हैं। जे.पी.नेहरा, सत्यपाल कटेवा, लेफ्टिनेंट जनरल केके रेप्सवाल सेना में लेफ्टिनेन्ट जनरल पद से सेवानिवृत हुये हैं। लेफ्टिनेंट जनरल बसंत कुमार रेप्सवाल सेना सेवा कोर में कार्यरत हैं। इसके अलावा यहां के काफी लोग सेना में मेजर जनरल, ब्रिगेडियर, कर्नल, मेजर सहित अन्य महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत है। देश में झुंझुनू एकमात्र ऐसा जिला हैं जहां सैनिक छावनी नहीं होने के उपरान्त भी गत पचास वर्षो से अधिक समय से सेना भर्ती कार्यालय कार्यरत है। जिससे यहां के काफी युवकों को सेना में भर्ती होने का मौका मिल पाता है।

जिले में इतने अधिक लोगों का सेना से जुड़ाव होने के उपरान्त भी सरकार द्वारा सैनिक परिवारों की बेहतरी व सुविधा उपलब्ध करवाने के लिये बहुत कुछ किया जाना अभी बाकी है। कारगिल युद्ध के समय सरकार द्वारा घोषित पैकेज में यह बात भी शामिल थी कि हर शहीद के नाम पर उनके गांव में किसी स्कूल का नामकरण किया जायेगा मगर जिले के ऐसे कई शहीदों के नाम पर अब तक सरकार ने स्कूलों का नामकरण कई नहीं किया है।

झुंझुनू जिले के दोरासर गांव में सैनिक स्कूल प्रारम्भ हो चुकी है जिसका लाभ सेना में जाने वाले यहां के युवाओं को मिलेगा। 19 साल पहले हमने करगिल तो जीत लिया था, लेकिन शहीदों के परिवारों के सामने आज भी समस्याओं के कई करगिल खड़े हैं। जिन पर जीत दर्ज करनी अभी बाकी हैं। सरकार द्वारा झुंझुनू जिले को देश का सैनिक जिला घोषित कर यहां के सैनिक परिवारों को सुविधाये उपलब्ध करवाने की तरफ पर्याप्त ध्यान दे तो आज भी झुंझुनू क्षेत्र से अनेक पीरूसिंह पैदा होकर देश के लिये प्राण न्योछावर कर सकते हैं। झुंझुनू जिले के सैनिको की बहादुरी देखकर कवि ने अपनी रचना में भी झुंझुनू के वीरो का गुणगान इस प्रकार किया है।

शुरा निपजे झुंझुनू, लिया कफन का साथ ।
रण-भूमि का लाडला, प्राण हथेली हाथ ।।

केशव पर फिर भारी पड़े योगी !

शक्ति प्रकाश श्रीवास्तव

भारतीय जनता पार्टी में पिछड़े वर्ग के नेता के तौर पर आज ठीक ठाक पहचान बना चुके केशव प्रसाद मौर्य की सियासी तस्वीर अब उत्तर प्रदेश में धूमिल होनी शुरू हो गई है। इसकी वजह खुद केशव ही हैं। कहते है कि जब एक परिपक्व इंसान अपने अनुभव की बजाय किन्हीं कारणवश किसी तीसरे के निर्णय के अनुसार निर्णय करने लग जाता है तो उसका हश्र बुरा होता है। उत्तर प्रदेश की सियासत में इन दिनों केशव प्रसाद मौर्य के रूप में इसका उदाहरण साफ तौर पर देखा जा सकता है। दिल्ली के इशारे पर पहले लुके-छिपे और हाल के दिनों में खुलकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ फ्रंट खोलने वाले सूबे के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को दिल्ली दरबार ने अचानक बैकफुट पर आने का निर्देश दे दिया है। जो केशव इस हालिया घटनाक्रम में यह मान कर चल रहे थे कि इस बार मामला आर-पार का बन गया है। दिल्ली का आशीर्वाद प्राप्त होने की वजह से उन्हे यकीन भी हो चला था कि योगी के सत्ता से बेदखल होते ही मुझे पिछड़ा वर्ग के होने का लाभ मिलेगा और मुझे सूबे का मुख्यमंत्री बना दिया जाएगा। लेकिन उनका यह सपना एक बार फिर धरा का धरा रह गया। योगी आदित्यनाथ की दिल्ली में पार्टी आलाकमान से हुई मुलाकात के बाद शनिवार को बाजी पलट गई और उन्हे योगी आदित्यनाथ के सामने झुकना पड गया।

हालांकि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ और केशव प्रसाद मौर्य के बीच की यह रार नई नहीं है बल्कि उस समय से ही है जबसे योगी सूबे के मुख्यमंत्री बने है। 2017 में जब सूबे में पार्टी की बहुमत से सरकार बनने की स्थिति बनी तो बतौर पार्टी प्रदेश अध्यक्ष और पिछड़ा वर्ग के एक नामचीन चेहरा होने के चलते केशव का नाम भी मुख्यमंत्री के रेस में था। लेकिन सूत्रों से मिली जानकारी पर यकीन करे तो अचानक संघ की मंशानुरूप न चाहते हुए भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को गोरक्षपीठ के महंत योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठाना पड़ा। उस समय मोदी तो नहीं लेकिन अमित शाह ने केशव की महत्वाकांक्षा को पढ़ लिया और उन्होंने अप्रत्यक्ष तौर पर ही सही केशव के कंधे पर अपना सियासी हाथ मजबूती से रख दिया। फिर क्या था गाहे-बेगाहे केशव के व्यवहार से मीडिया में यह सुर्खियां बनने लगी कि योगी और केशव के बीच में कुछ तल्खी है। लेकिन यह सब लुके छिपे था लिहाजा सियासी गलियारे में गूंज कर यह कवास दम तोड़ देता था। लेकिन जब पिछले विधानसभा चुनाव में केशव प्रसाद मौर्य अपना ही चुनाव हार गए और हारने के बावजूद उन्हे उनकी कुर्सी पर यानि उपमुख्यमंत्री पद पर बरकरार रहने दिया गया। तब काफी हद तक छिपा मामला खुल गया कि ऐसा योगी पर नकेल लगाने के लिए किया जा रहा है। हालिया सम्पन्न हुए लोकसभा चुनाव में जब यूपी में पार्टी की सीटें कम आईं तो दिल्ली लाबी ने अपने भविष्य के लिए केशव के रूप में सात साल से पाले जा रहे सियासी टूल को आगे कर फ्रंट खोलने का निर्णय लिया। केशव के लिए मोहरा बन कर लेफ्ट-राइट करने के अलावा कोई चारा नहीं था लिहाजा वो दिल्ली के इशारे पर पहले तो सरकार से बड़ा संगठन का बयान दे योगी को मुंह चिढ़ाया बाद में उनके बुलाए बैठकों का बहिष्कार किया। इतना ही नहीं कैबिनेट की बैठक बुलाने का भी दुस्साहस कर दिया। कुछ असन्तुष्ट पार्टी कार्यकताओं को भी योगी के खिलाफ उकसाने की कोशिश की। ऐसे में सियासत की सामान्य समझ रखने वाला भी यह समझने लगा कि केशव का यह दुस्साहस बेवजह नहीं है। बिना ठोस आश्वासन के ऐसा केशव हरगिज करनेवाले नेता नहीं है। लेकिन अब चूंकि केशव वो कर चुके थे जो उन्हे फिलहाल नहीं करना चाहिए था। लिहाजा फ्रंट ओपन हो चुका था। निर्णय आर-पार की ही होनी थी। लेकिन कहते है सियासत में जब पार्टी को अपना भविष्य अंधकारमय लगने लगता है तो वो अपने किसी भी निर्णय को पलट देती है और किसी भी नेता की बलि लेने से भी नहीं हिचकती। इस बार केशव के साथ ऐसा ही हुआ। पार्टी को लगा कि योगी के तेवर से पार्टी को नुकसान हो सकता है तो फिर उसने अपने ही मोहरे को पीटने का निर्णय लिया। मिल रही जानकारी की मुताबिक केशव को संयमित रहते हुए शांति से काम करने की सलाह दी गई है। मतलब जिस योगी से आरपार कर रहे थे अब उसी से सामंजस्य बनाना होगा। इस तरह पिछले सात साल से हर फ्रंट पर मात खाने वाले केशव को योगी से एक बार फिर मात मिल गई है। देखना है कि अब केशव का रुख क्या होता है

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

मैं अपने लिए तैयार होती हूं

सिनेमा के कई सितारों को एयरपोर्ट पर अच्छा दिखने के दबाव का सामना करना पड़ता है। इसके पीछे का कारण सोशल मीडिया पर आलोचना और पैपराजी का बढ़ता दखल है। हालांकि, कुछ अभिनेत्रियां हैं, जो इसे लेकर बिल्कुल भी चिंतित नहीं हैं। उनमें से एक नाम है वामिका गब्बी। वह इन सभी चीजों को लेकर एक अलग विचार रखती हैं। एयरपोर्ट-लुक को लेकर उन्होंने अपने विचार भी साझा किए हैं। वामिका ने बातचीत में बताया कि वह एयरपोर्ट-लुक का दबाव बिल्कुल भी नहीं लेती। अभिनेत्री ने कहा, 'मैं एयरपोर्ट-लुक का दबाव नहीं लेती। मैं अपने लिए तैयार होती हूं। पहले मुझे लगता था कि अच्छे कपड़े केवल अच्छे दिनों के लिए होते हैं, लेकिन जिंदगी बहुत छोटी है। मैं अपने लिए तैयार होती हूं। अगर मैं चाहूं तो हर दिन तैयार हो सकती हूं। ऐसा कोई दबाव नहीं है, किसी को भी दबाव नहीं लेना चाहिए। यह बकवास है।'

'इंडिया कॉउचर वीक 2024' में किया वॉक
आपको बता दें कि बुधवार को वामिका ने दिल्ली के ताज पैलेस में 'इंडिया कॉउचर वीक 2024' के पहले दिन मशहूर डिजाइनर अबू जानी और संदीप खोसला के लिए शोस्टॉपर के रूप में वॉक किया। वामिका ने शो की शुरुआत बॉटनिकल ब्लूम लाइन के आइवरी ट्रेल लहंगे में की, जिसमें आइवरी सिल्क धागे के साथ रेशम की कढ़ाई की गई थी, जिसे मोतियों और क्रिस्टल से हाईलाइट किया गया था। वहीं, उन्होंने ब्राइडल गोटा कलेक्शन के लाल लहंगे में शाही दुल्हन के रूप में शो का समापन किया, जिसे गोटा और जरदोजी से हस्तनिर्मित किया गया था और क्रिस्टल से सजाया गया था।

अपने पहले रैंप वॉक पर क्या कहा वमिका ने?

दिलचस्प बात यह है कि इस शो के साथ वामिका ने रनवे पर अपनी शुरुआत की है। अपने पहले रैंप वॉक पर, वामिका ने कहा, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरा पहला रैंप वॉक अबू जानी और संदीप खोसला के लिए होगा। यह एक सपने जैसा था। रैंप पर उतरने से पहले मैं डरी हुई थी, लेकिन एक बार जब मैं मंच पर आई तो सब ठीक हो गया।' वामिका के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह वरुण धवन के साथ बेबी जॉन में नजर आएंगी। फिल्म दिसंबर 2024 में रिलीज होने वाली है।

राम चरण के अलावा रणवीर सिंह के साथ भी धमाल मचाएंगी कियारा आडवाणी

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी अपने प्रशंसकों के बीच बेहद प्रसिद्ध है। इन दिनों कियारा अपनी आगामी फिल्मों की शूटिंग में लगातार व्यस्त है। कियारा की कई फिल्में इस साल तो कुछ अगले साल रिलीज होनी हैं, जिसमें डॉन 3, से लेकर वॉर 2 और गेम चेंजर शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कियारा आडवाणी वॉर 2 में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के साथ नजर आएंगी। हाल ही में कियारा आडवाणी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जो कि वाईआरएफ स्टूडियो का था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कियारा फिल्म वॉर 2 की शूटिंग जल्द ही शुरू करेंगी। अब बात करते हैं निर्देशक फरहान अख्तर की आगामी फिल्म डॉन 3 की। इस फिल्म में रणवीर सिंह डॉन के किरदार से धमाल मचाते नजर आएंगे। तो वही मीडिया रिपोर्ट्स से मिली जानकारी के अनुसार इस फिल्म में अब कियारा आडवाणी की एंट्री भी हो गई है। इस फिल्म में कियारा अभिनेता रणवीर सिंह के साथ एक्शन करती नजर आएंगी। फिल्म गेम चेंजर एक आगामी भारतीय तेलुगु राजनीतिक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशन एस. शंकर ने किया है। इसका निर्माण श्री वेंकटेश्वर क्रिएशंस ने किया है। फिल्म में राम चरण ने ट्रिपल भूमिकाएं निभाई हैं, जिसमें कियारा आडवाणी, अंजलि, एसजे सूर्या, श्रीकांत, जयराम, समुथिरकानी और नासर जैसे कलाकार शामिल हैं। हो सकता है कि यह फिल्म इस साल दिसंबर में रिलीज हो। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 3 में कियारा नजर आ सकती हैं। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन, विद्या बालन, माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी के होने की बात सामने आई है। हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 इस साल 31 अक्टूबर को रिलीज हो सकती है। कियारा के फैंस उनकी हर एक फिल्म का बेसब्री से इंतजार करते हैं।

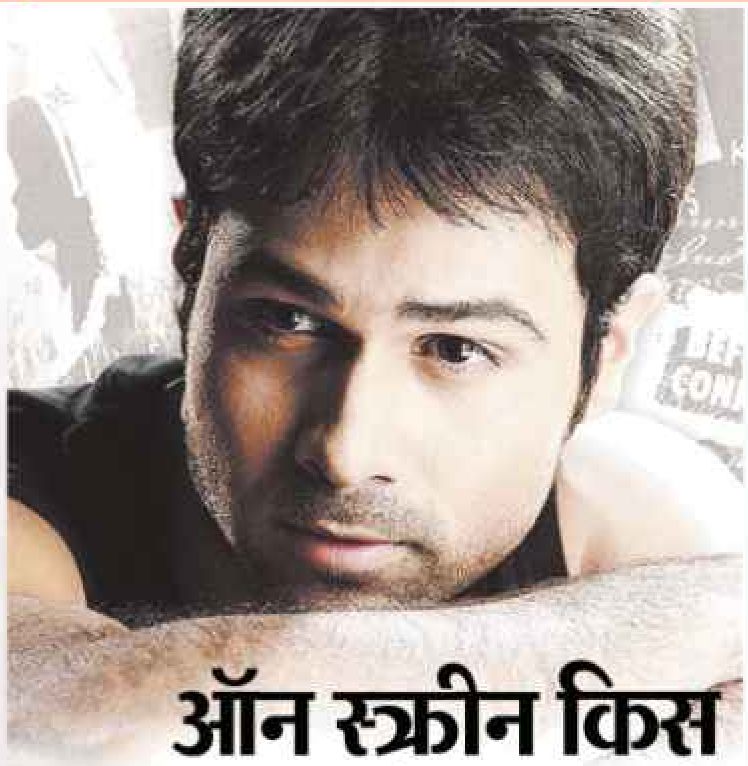

ऑन स्क्रीन किस करना कभी बुरा नहीं लगा, यह मेरा काम है

फिल्म इंडस्ट्री में हर बड़े अभिनेता की कोई न कोई छवि बन ही जाती है। कोई एक्शन फिल्मों से जाना जाता है तो कोई कॉमेडी के लिए तो कोई रोमांटिक किरदार करने के लिए, लेकिन इमरान हाशमी की छवि सबसे अलग रही है। उन्हें सीरियल किसर का टैग मिला था, क्योंकि अपने करियर की शुरुआती कई फिल्मों में उन्होंने किसिंग सीन किए थे। हाल ही में, इमरान ने फिल्मों में अपने किसिंग सीन को लेकर कई दिलचस्प बातें साझा की। मर्डर और आशिक बनाया आपने समेत कई फिल्मों में किस सीन देने वाले इमरान हाशमी ने एनडीटीवी को एक साक्षात्कार दिया। उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें ऑन स्क्रीन किस करने से नफरत है। इमरान ने अपना जवाब नहीं में देते हुए कहा कि उन्हें कभी भी ऐसा करने से नफरत नहीं हुई, क्योंकि यह महज उनका काम है। इमरान से यह भी पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी ऑन स्क्रीन किस करने का आनंद लिया है। इस सवाल का जवाब इमरान ने हां में दिया। हालांकि, उन्होंने अभिनेत्री का नाम नहीं बताया। साल 2014 में इमरान हाशमी करण जौहर के शो कॉफी विद करण में नजर आए थे, जिसमें उन्होंने बताया था कि वो किस सीन के बदले अपनी पत्नी परवीन को खरीददारी कराते थे और वो शायद सात अंकों के बिल वाली शॉपिंग करती हैं। इमरान से उनके इस बयान को लेकर भी एक सवाल पूछा गया कि क्या वो अभी भी पत्नी को किसिंग सीन के बदले हैंडबैग खरीदवाते हैं। इस पर इमरान हाशमी ने कहा कि अब यह पुरानी बात हो चुकी है। अब ऐसा नियम नहीं है। आजकल हैंडबैग की कीमत कितनी है, आप जानते ही हैं।

पास होते हुए भी दूर प्रियंका चाहर और जस्सी गिल, 30 जुलाई को रिलीज होगा फियर ऑफ लव

उड़ारियां और बिग बॉस 15 फेम प्रियंका चाहर चौधरी अपने अपकमिंग म्यूजिक वीडियो फियर ऑफ लव को लेकर काफी चर्चाओं में है। इस गाने में उनके साथ पंजाबी सिंगर व एक्टर जस्सी गिल नजर आएंगे। इस गाने को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है, यह गाना 30 जुलाई को रिलीज होगा। फियर ऑफ लव के टाइटल ट्रैक का पोस्टर शेयर कर रिलीज डेट का ऐलान किया गया। पोस्टर में प्रियंका और जस्सी एक सोफे पर बैठे नजर आ रहे हैं। उनके चेहरे के एक्सप्रेशन को देख ऐसा लग रहा है कि दोनों के रिश्तों में कुछ ठीक नहीं चल रहा है। पोस्टर में उनके बीच की दूरी का अंदाजा साफ लगाया जा सकता है। लुक की बात करें तो प्रियंका ऑल ब्लैक लुक में हैं। उन्होंने ब्लैक पैंट, ब्लैक क्रॉप टॉप के ऊपर ब्लैक जैकेट पहनी है। साथ ही नाममात्र के मेकअप संग बालों को खुला छोड़ा है। वहीं जस्सी ने ब्लैक पैंट के साथ प्रिंटेड हाफ स्लीव्स शर्ट पहनी है। फियर ऑफ लव को जस्सी गिल और श्रद्धा पात्रे ने गाया है। वहीं इसके लिरिक्स प्रिंस ने लिखे है और संगीत टर्बो म्यूजिक का है। वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका को हाल ही में म्यूजिक वीडियो बार-बार में देखा गया। इस गाने में वो एक्टर अंकित गुप्ता संग रोमांस करती दिखीं। यह गाना अब यूट्यूब पर ट्रेंड कर रहा है। मॉडल के तौर पर करियर शुरू करने वाली प्रियंका ने गठबंधन सीरियल से छोटे पर्दे पर डेब्यू किया। वह ये है चाहतें, परिणीति और अन्य टीवी शोज का भी हिस्सा रहीं, लेकिन स्टारडम उड़ारियां से मिली। इसमें उन्होंने तेजो सिंह विर्क की भूमिका निभाई। इसके बाद वह रियलिटी शो बिग बॉस 16 में नजर आईं। वहीं जस्सी गिल के करियर पर नजर डालें, तो उन्होंने म्यूजिक की दुनिया में काफी स्ट्रगल किया। एल्बम बैचमेट, चूड़ियां, विगरे शराबी, लांसर, प्यार मेरा, नखरे, बापू जमींदार, ओए होए, निकले करंट, सुरमा काला, गबरू समेत उनके कई गाने हिट रहे। उन्होंने कई पंजाबी फिल्मों में बतौर एक्टर काम भी किया है। जिसमें मिस्टर एंड मिसेज 420, क्या मेरी सोनम गुप्ता बेवफा है, द ब्लैक प्रिंस, फुकड़ जी, चन्नो कमली यार दी, लावा फेरे जैसे फिल्में शामिल हैं।

बड़ी कमर्शियल फिल्में नहीं करतीं जान्हवी कपूर

जान्हवी अपनी आगामी फिल्म उलझ के प्रमोशन में लगातार व्यस्त है। जान्हवी के फिल्म करियर पर एक नजर डाले तो उलझ, मिली और गुडलक जेरी जैसी कम व्यावसायिक फिल्में ज्यादा देखने को मिलेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान जान्हवी ने अपनी फिल्मों को लेकर कहा कि उन्हें इस तरह के आसान प्रोजेक्ट अपनाने और एक बड़ी व्यावसायिक फिल्म करने से ज्यादा संतोषजनक लगते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान जान्हवी ने कहा, मैं बहुत ही आसान सफर चुन सकती थी। मैं इस फिल्म की जगह या मेरे पिछले कुछ फिल्मों की जगह, मैं बड़ी कमर्शियल फिल्में कर सकती थी, जहां ग्लैमर होता जिसकी वजह से आसानी से पॉपुलैरिटी पाई जा सकती है। यहां तक की जिसमें बॉक्स ऑफिस का नंबर भी गारंटीड होता है, यानी की सफलता तय होती है। वो बहुत आसान जर्नी है, लेकिन जैसी फिल्में मैं करती हूं उसमें बहुत जोखिम है। मैंने जो प्रोजेक्ट किए हैं, उनके बजाय मैं एक ग्लैमरस भूमिका कर सकती थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जान्हवी ने आगे कहा, अगर हम बॉक्स ऑफिस को देखें तो मैंने हमेशा से ही जोखिम वाली फिल्में चुनी हैं, जो कि साधारण होने की वजह से हिट होने की तुलना में अधिक असफल फिल्में रही हैं। लेकिन मुझे लगता है कि एक कलाकार के रूप में मेरा विकास अधिक संतोषजनक सफर रहा है।

फिल्म उलझ में जान्हवी कपूर ने सुहाना का किरदार निभाया है, जो लंदन दूतावास में अपने महत्वपूर्ण कार्य के दौरान एक विश्वासघाती इंसान की साजिश में उलझ जाती है। सुधांशु सरिया द्वारा निर्देशित उनकी आगामी फिल्म उलझ में गुलशन देवैया, रोशन मैथ्यू, आदिल हुसैन, राजेंद्र गुप्ता, राजेश तैलंग, मेयांग चांग और जितेंद्र जोशी जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 2 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।

3 दशक बाद संजय-रवीना फिल्म घुड़चढ़ी में एक साथ आएंगे

संजय दत्त और एक्ट्रेस रवीना टंडन की आने वाली फिल्म 'घुड़चढ़ी' का हाल ही पोस्टर जारी किया गया था। इसे देखने के बाद फैंस में उत्सुकता बढ़ गई थी। अब मेकर्स ने बुधवार 24 जुलाई को इसका ट्रेलर रिलीज कर दिया। यह मूवी एक रोमांटिक ड्रामा है। इसमें पार्थ समथान और खुशाली कुमार की भी अहम भूमिका है। फिल्म को सिनेमाघरों के बजाय ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जा रहा है। यह जियो सिनेमा पर 9 अगस्त से स्ट्रीम होगी। ट्रेलर की शुरुआत पार्थ के किरदार 'चिराग' से होती है, जो खुद को इंट्रोड्यूस कराते हैं। फिर 'चिराग' की दादी (अरुणा ईरानी), पोते की शादी की इच्छा जाहिर करती हैं। पार्थ दादी से कहते हैं कि जिसके हाथ में डोर बांधी होगी, वह खुद चलकर आएगी। और फिर खुशाली की स्टाइलिश अवतार में धांसू एंट्री होती है। पार्थ और खुशाली की लव स्टोरी का एंगल यहीं से शुरू होता है। संजय और रवीना, पार्थ और खुशाली के पैरेंट्स का रोल कर रहे हैं। उन दोनों की मुलाकात होती है, तो वे भी प्यार में पड़ जाते हैं। यहीं से फिल्म में कॉमेडी का तड़का लग जाता है। बिनॉय ने इस फिल्म का निर्देशन किया है, वहीं फिल्म की कहानी भी उन्होंने ही लिखी है। बिनॉय इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड में बतौर डायरेक्टर अपनी शुरुआत करने जा रहे हैं। भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, निधि दत्त और बिनॉय इस फिल्म के निर्माता हैं। संजय दत्त और रवीना टंडन इससे पहले जीना मरना तेरे संग, जमाने से क्या डरना, विजेता और जंग जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। फिल्म से चॉकलेटी बॉय पार्थ डेब्यू कर रहे हैं। पार्थ को टीवी का हार्टथ्रोब माना जाता है।

एक दिन मुझे शाहरुख खान के साथ काम करने का मौका मिलेगा

राघव जुयाल इस समय अपने करियर की बुलंदियों पर है, क्योंकि उनकी हालिया रिलीज धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म किल को बहुत पसंद किया जा रहा है, खास तौर पर एक्शन प्रेमियों से। इस फिल्म में उन्होंने एक क्रूर खलनायक की भूमिका निभाई थी, जिसमें लक्ष्य मुख्य भूमिका में थे। अब जुयाल अपने अगले प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं, जिसका नाम है ग्यारह ग्यारह, जिसमें उनके साथ कृतिका कामरा और धैर्य करवा हैं। ट्रेलर लॉन्च के मौके पर शाहरुख खान के साथ काम करने के अपने लंबे समय के सपने को साकार करते नजर आए। गलियारों में बहती हवाओं का कहना है कि राघव जुयाल जल्द ही शाहरुख खान के साथ काम करते नजर आने वाले हैं। उनकी न सिर्फ शाहरुख खान अपितु कई और बड़े सितारों के साथ काम करने की अफवाहें जोर पकड़ रही हैं। इस बारे में बात करने पर राघव ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि एक दिन मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिलेगा। मैं वास्तव में चाहता हूं कि मैं उनके साथ कुछ काम कर सकूं। हालांकि अभी तक ऐसा कुछ भी नहीं है। उनके मौजूदा शो ग्यारह ग्यारह की बात करें तो यह एक फैंटेसी थ्रिलर सीरीज है जो लोकप्रिय कोरियाई शो सिग्नल का आधिकारिक रीमेक है।

निशानेबाज मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य जीतकर इतिहास रचा

–भारत को पहला पदक मिला

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक 2024 में रविवार को भारत का पदक का खाता खुल गया है। भारत को पहला पदक दिलाने वाली स्टार निशानेबाज मनु भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य जीतकर इतिहास रच दिया है। इसी के साथ निशानेबाजी में मनु इस बार कोई भी पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने दूसरी बार ही ओलंपिक में हिस्सा लिया है।

पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के साथ ही भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने इतिहास रच दिया है। यह मनु भाकर का दूसरा ही ओलंपिक रहा है। इससे पहले उन्होंने पिछले टोक्यो ओलंपिक 2020 में डेब्यू किया था, लेकिन 10 मीटर एयर पिस्टल क्वालिफिकेशन राउंड के दौरान उनकी पिस्टल में खराबी आ गई थी, जिस कारण वो पदक नहीं जीत पायी थी पर इस बार मनु ने कोई गलती नहीं की।

भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक जीता है। मनु 10 मीटर एयर पिस्टल में ओलंपिक कांस्य पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट बन गयी हैं। उन्होंने 221.7 के कुल स्कोर के साथ ही कांस्य पदक हासिल किया। वह रजत जीत के करीब पहुंच गयी थी पर अंतिम समय में कोरियाई निशानेबाज किम येजी ने बढ़त हासिल कर ली। किम ने 241.3 के स्कोर के साथ रजत पर निशाना साधा। वहीं कोरिया की ही ओ ये जिन ने 243.2 के साथ रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। मनु ने मुकाबले में 10.6 शॉट से शुरुआत की। 10.9 सर्वश्रेष्ठ है जो 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के हासिल किया जा सकता है। भाकर का दूसरा शॉट 10.2 है और उनका तीसरा शॉट 9.5 पर आ गया है।

पेरिस ओलंपिक: भारत के बलराज नौकायन स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

पेरिस (एजेंसी)। भारत के बलराज पवार नौकायन के मेंस स्कल्स इवेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये हैं। बलराज इससे पहले पुरुष एकल स्कल्स हीट में चौथे स्थान पर रहे थे। हीट में बाहर होने के बाद बलराज को रेपचाज में खेलने का अवसर मिला जिसका उन्होंने पूरा लाभ उठाया। बलराज ने नौकायन के मेंस स्कल्स इवेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाकर एक नई उपलब्धि हासिल की है। इससे पहले केवल नौकायन खिलाड़ी ही ये कारनामा कर पाये हैं। बलराज मुकाबले में चौथे स्थान पर रहे थे। उन्होंने 7:07.11 का समय निकालते हुए 2000 मीटर की दूरी तय की और रेपेचेज राउंड के लिए जगह पक्की की।

पुरुष एकल स्कल्स इवेंट में कुल 33 नौकायन खिलाड़ी छह अलग-अलग हीट में भाग लेते हैं। प्रत्येक इवेंट के शीर्ष तीन खिलाड़ियों को सीधे ही क्वार्टरफाइनल में खेलने का अवसर मिलता है। वहीं चौथे, पांचवें और छठे स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी को क्वार्टरफाइनल में जगह बनाने के लिए रेपेचेज दौर के जरिए एक और अवसर दिया जाता है।

सूर्यकुमार यादव ने विराट कोहली के इस बड़े टी20आई रिकॉर्ड की बराबरी की

पल्लेकेले (श्रीलंका) (एजेंसी)। भारत के टी20आई कप्तान सूर्यकुमार यादव ने क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड जीतने के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली के रिकॉर्ड की बराबरी करके रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया। टी20आई क्रिकेट में गौतम गंभीर और सूर्यकुमार युग की शुरुआत जीत के साथ हुई, जब भारत ने श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज के पहले मैच में 43 रन से जीत दर्ज की। कप्तानी का भार सूर्यकुमार के लिए अपने खेलने के गतिशील अंदाज को बदलने के लिए पर्याप्त नहीं था। अपने हमेशा की तरह शानदार अंदाज और बेहतरीन शॉट चयन के साथ, भारतीय कप्तान ने शानदार पारी खेली और 223.08 की शानदार स्ट्राइक रेट से 26 गेंदों पर 58 रन बनाए। श्रृंखला में 1-0 की बढ़त लेने के बाद भारत रविवार को मेजबान टीम के खिलाफ दूसरा टी20 मैच खेलेगा।

भारत के सीरीज में एक अंक से आगे निकलने के बाद 33 वर्षीय बल्लेबाज को 69 मैचों में टी20आई प्रारूप में 16वीं बार प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने कोहली के रिकॉर्ड की बराबरी की, जिन्होंने अपने शानदार करियर में 125 मैचों में 16 बहुमूल्य पुरस्कार जीते हैं। सूर्यकुमार श्रीलंका के खिलाफ आगामी दो मैचों में उनसे आगे निकलने की कोशिश करेंगे।

जिम्बाब्वे के अनुभवी ऑलराउंडर और टी20आई कप्तान सिकंदर रजा 91 मैचों में 15 POTM पुरस्कारों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बारबाडोस में टी20 विश्व कप के फाइनल में रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम के लिए मैच जिताऊ पारी खेलने के बाद इस प्रारूप से संन्यास की घोषणा की। उन्होंने 59 गेंदों पर 76 रन बनाए, जिसने भारत के स्कोर को 176/7 के प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पेरिस ओलंपिक : शरत कमल एकल से बाहर, मनिका और श्रीजा की राउंड 32 में एंट्री

पेरिस (एजेंसी)। भारत के स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंता शरत कमल रविवार को यहां पेरिस ओलंपिक की पुरुष एकल प्रतियोगिता से बाहर हो गए जबकि स्टार महिला खिलाड़ी मनिका बत्रा ने राउंड 64 में अपनी प्रतिद्वंद्वी को 4-1 से हराकर अपना अभियान शुरू किया। अपना पांचवां ओलंपिक खेल रहे 42 वर्षीय शरत को 53 मिनट तक चले मैच में अपने से 86 पायदान नीचे के प्रतिद्वंद्वी स्लोवेनिया के डेनी कोजुल से 2-4 (12-10 9-11 6-11 7-11 11-8 10-12) से हार का सामना करना पड़ा।

राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन और विश्व रैंकिंग में 40वें स्थान पर काबिज शरत ने पहला गेम जीता लेकिन इसके बाद अगले तीन गेम में उन्हें हार झेलनी पड़ी। यह भारतीय खिलाड़ी जब पीछे चल रहा था तब उन्होंने पांचवां गेम जीत कर स्कोर 2-3 किया लेकिन आखिर में वह विश्व में 126वें नंबर के खिलाड़ी को जीत से नहीं रोक सके। महिला एकल मैच में 29 साल की मनिका ने ब्रिटेन की अन्ना हर्से पर दबदबा बनाया। 2018 राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन और 18वीं वरीय मनिका ने 41 मिनट में हर्से को 11-8 12-10 11-9 9-11 11-5 से मात दी। इस तरह मनिका ने तोक्यो ओलंपिक की उपलब्धि की बराबरी की जिसमें वह एकल के राउंड 32 में पहुंचने वाली भारत की पहली महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी बनी थीं।

दिल्ली की पैडलर ने 24 मिनट में 3-0 से बढ़त बना ली थी और 4-0 से जीतने की ओर बढ़ रही थी। लेकिन हर्से ने वापसी करते हुए चौथा गेम जीत लिया। पर मनिका ने अपने से निचली रैंकिंग की प्रतिद्वंद्वी को कोई मौका नहीं दिया और पांचवां गेम जीतकर मैच आसानी से जीत लिया। अब मनिका का सामना 31 जुलाई को राउंड 32 मैच में फ्रांस की 12वीं वरीय प्रीथिका पवाडे से होगा।

इससे पहले श्रीजा अकुला ने स्वीडन की क्रिस्टीना कल्बर्ग पर 4-0 की शानदार जीत के साथ राउंड ऑफ 32 में प्रवेश किया। डब्ल्यूटीटी कंटेंडर एकल खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनकर इतिहास रचने वाली श्रीजा ने स्वीडन की खिलाड़ी को 30 मिनट में 11-4, 11-9, 11-7, 11-8 से पराजित किया। भारतीय खिलाड़ी को पहला गेम जीतने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई लेकिन अगले तीन गेम में उन्हें थोड़ा संघर्ष करना पड़ा। तीसरे गेम में एक समय स्कोर 7-5 था लेकिन इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने शानदार खेल दिखाकर कल्बर्ग को कोई मौका नहीं दिया।

श्रीजा ने चौथे गेम में शुरू में अच्छा प्रदर्शन किया और एक समय वह 9-3 से आगे थीं। भारतीय खिलाड़ी ने उसके बाद कुछ गलतियां की जिसका फायदा उठाकर कल्बर्ग ने स्कोर पहले 9-7 और फिर 10-8 कर दिया। श्रीजा ने हालांकि इसके बाद करारा शॉट जमा कर अगले दौर में प्रवेश किया।

पेरिस ओलंपिक : मुक्केबाज निखत जरीन ने प्री क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

पेरिस। भारतीय महिला मुक्केबाज निखत जरीन ने रविवार को पेरिस ओलंपिक खेलों में जर्मनी की मैक्सी करीना क्लोएट्जर पर 5-0 की जीत दर्ज करते हुए महिलाओं के 50 किग्रा स्पर्धा के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। राउंड ऑफ 32 में मुकाबले की शुरूआत में जर्मनी की मुक्केबाज निखत पर हमलावर रही। हालांकि इस दौरान भारतीय मुक्केबाज ने भी कुछ जोरदार पंच लगाए लेकिन पहले राउंड के बाद जजों का फैसला 3-2 से क्लोएट्जर के पक्ष में रहा। निखत ने दूसरे राउंड के शुरुआती सेकेंड से ही हमलावर रुख अख्तियार किया। नियमों को न मानने के लिए दोनों मुक्केबाजों के एक-एक अंक काटे गए, लेकिन निखत ने मैच को अपने पक्ष में कर लिया और दूसरे राउंड में सर्वसम्मत जीत हासिल कर की। दो बार की विश्व चैंपियन तीसरे राउंड में भी हावी रही शुरुआती दो मिनट के बाद वापसी करते हुए निखत ने जीत दर्ज की। निखत का मुकाबला अब एक अगस्त को प्री क्वार्टर फाइनल में चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त वू यू से होगा। उल्लेखनीय है कि वू यू 52 किग्रा में मौजूदा विश्व चैंपियन हैं और एशियाई खेल 2023 में स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय पुरुष मुक्केबाज अमित पंघाल का मुकाबला (51 किग्रा) में 30 जुलाई को जाम्बिया के पैट्रिक चिनेम्बा से होगा वहीं महिला मुक्केबाज जैस्मीन लेम्बोरिया 57 किग्रा वर्ग में टोक्यो 2020 की रजत पदक विजेता फिलीपींस की नेस्टी पेटेसियो से मुकाबला करेंगी।

पेरिस ओलंपिक में सिंधु की जीत से शुरुआत, मालदीव की फथीमथ को पहले दौर में हराया

पेरिस। भारत की महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने पेरिस ओलंपिक में जीत से शुरुआत की है। सिंधु ने महिला एकल बैडमिंटन में मालदीव की खिलाड़ी को हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया है। अपने तीसरे ओलंपिक पदक के लिए उतरी सिंधु ने एकल के ग्रुप एम में मालदीव की फथीमथ नब्बाह अब्दुल रज्जाक को आसानी से 21-9, 21-6 से हराया। इस मुकाबले में सिंधु ने पहला गेम 21-9 से जबकि दूसरा गेम 21-6 से जीता। सिंधु ने 27 मिनट में ही मुकाबला जीत लिया। सिंधु ने पहला अंक हासिल करके इस मैच में बढ़त बनानी शुरु की। इसके बाद अंकों का अंतर बढ़कर 10 अंक तक पहुंच गया। वहीं रज्जाक के 4 अंक थे। सिंधु ने अंकों का अंतर 15-5 तक पहुंचा कर इस गेम को 21-9 के बड़े अंतर से जीत लिया। पहला गेम आसानी से जीतने के बाद सिंधु ने दूसरे गेम में भी बढ़त बनायी। वह मालदीव की खिलाड़ी के खिलाफ 4-0 से आगे निकली हालांकि उनकी विरोधी ने भी 3 अंक हासिल कर वापसी के प्रयास किये और स्कोर 3-5 तक पहुंचा दिया। सिंधु ने इसके बाद जबरदस्त प्रदर्शन कर स्कोर 10-3 करके एक बार फिर बड़ी बढ़त हासिल कर ली। 21-6 के अंतर से दूसरा गेम सिंधु ने जीत लिया। सिंधु ने मालदीव की रज्जाक के खिलाफ बेहद आसानी से पहला मैच जीता।

ओलंपिक में पहुंचे खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ा रहा बालीवुड

मुंबई। पेरिस ओलंपिक का शानदार आगाज हो चुका है। इस मौके पर बॉलीवुड सितारों ने भारतीय एथलीटों को हौसला बढ़ाया। अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने अपने सोशल मीडिया पर एथलीट्स के लिए वीडियो शेयर किया। वीडियो में बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु और टेबल टेनिस दिग्गज शरत कमल नजर आ रही है, जिन्होंने ओपनिंग सेरेमनी की परेड के दौरान ध्वजवाहक के रूप में भारतीय टीम का नेतृत्व किया। वहीं अभिनेता अजय देवगन ने पोस्ट किया, सभी भारतीय एथलीटों के लिए... आप हमारे देश का गौरव हैं। आप जो भी करते हैं, बेस्ट करते हैं। निश्चित रहे कि हम आपका खेल पूरे उत्साह के साथ देखने वाले हैं। चीयर्स एंड गुड लक! अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर ओलंपिक में भारतीय एथलीटों की एक तस्वीर शेयर की और लिखा, टीम इंडिया के लिए उत्साह। आलिया भट्ट ने भी एक तस्वीर पोस्ट कर लिखा, आगे बढ़ो टीम इंडिया। अभिनेता कार्तिक आर्यन ने चंदू चैंपियन के अपने किरदार मुरलीकांत पेटकर की तस्वीर शेयर कर नोट में लिखा, पेरिस ओलंपिक 2024 में हमारे देश का प्रतिनिधित्व करने वाले एथलीटों को शुभकामनाएं। चंदू चैंपियन में एक एथलीट की भूमिका निभाना एक अविश्वसनीय अनुभव और सम्मान रहा है।

श्रीलंका ने पहली बार जीता महिला एशिया कप का खिताब, फाइनल में भारत को दी मात

दांबुला (एजेंसी)। श्रीलंका ने चमारि अथापत्तु और हर्षिता समरविक्रमा की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारत के खिलाफ 8 विकेट से जीत दर्ज करते हुए पहली बार महिला एशिया कप का खिताब अपने नाम किया। स्मृति मंधाना (60) और ऋचा घोष (30) की आतिशी बल्लेबाजी के दम पर भारत ने रविवार को महिला एशिया कप के फाइनल मुकाबले में श्रीलंका को जीत के लिए 166 रनों का लक्ष्य दिया। इसके जवाब में श्रीलंका ने 18.4 ओवर में 167/2 के स्कोर के साथ खिताबी जीत अपने नाम की। अथापत्तु ने 43 गेंदों पर 9 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 61 और समरविक्रमा ने 51 गेंदों पर 6 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 69 रन की पारी खेली। इसके अलावा कविशा दिलहारी ने 16 गेंदों पर 1 चौके और 2 छक्कों की मदद से 30 रन बनाकर जीत में अपना योगदान दिया। आज यहां भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिये 44 रन जोड़े। सातवें ओवर में कविशा दिलहारी ने शेफाली वर्मा (16) को आउटकर श्रीलंका को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद नौवें ओवर में उमा छेत्री (9) रन बनाकर पवेलियन लौट गई।

कप्तान हरमनप्रीत कौर (11) और जेमिमाह रॉड्रिग्स (29) रन बनाकर आउट हुई। स्मृति मंधाना ने 47 गेंदों में 10 चौके लगाते हुये (60) रनों की पारी खेली। ऋचा घोष ने 14 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुये (30) रन बनाये। पूजा वस्त्रकर (5) और राधा यादव (1) रन बनाकर नाबाद रही। भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 165 का स्कोर खड़ा किया। श्रीलंका की ओर से कविशा दिलहारी ने दो विकेट लिये। उदेशिका प्रबोधनी, सचिनी निसांसला और चमारी अट्टापट्टू ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

नाइजीरियाई मुक्केबाज डोपिंग के कारण ओलंपिक से निलंबित, सोमवार को खेलना था पहला मुकाबला

पेरिस - नाइजीरिया की मुक्केबाज सिंथिया ओगुनसेमिलोर को प्रतिबंधित डोपिंग पदार्थ के सेवन का दोषी पाए जाने के बाद पेरिस ओलंपिक खेलों से बाहर कर दिया गया है। अंतरराष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी के अनुसार अफ्रीकी खेलों की लाइटवेट चैंपियन ओगुनसेमिलोर का गुरुवार को परीक्षण किया गया था और उनके मूत्र में फ्यूरोसेमाइड पाया गया है। फ्यूरोसेमाइड एक मास्किंग एजेंट है जो अन्य दवाओं की उपस्थिति को छिपा सकता है। एजेंसी के अनुसार ओगुनसेमिलोर को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है और वह ओलंपिक में भाग नहीं ले सकती हैं। इस 22 वर्षीय मुक्केबाज को 60 किग्रा भार वर्ग में चौथी वरीयता दी गई थी तथा उन्हें अपना पहला मुकाबला सोमवार को खेलना था। ओगुनसेमिलोर ने पिछले साल अपने वजन वर्ग में अफ्रीकी खेलों का खिताब जीता था। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में कांस्य पदक जीता था। वह डोपिंग के कारण पेरिस ओलंपिक से बाहर होने वाली दूसरी खिलाड़ी है। इससे पहले शुक्रवार को इराकी जुडोका सज्जाद सेहेन का परीक्षण पॉजिटिव पाया गया था।

अर्जुन बबूता 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा के फाइनल में पहुंचे

शेटराउ (फ्रांस) (एजेंसी)। भारतीय निशानेबाज अर्जुन बबूता ने रविवार को यहां क्वालीफिकेशन में सातवें स्थान पर रहते हुए पेरिस ओलंपिक खेलों की पुरुष 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई।

25 साल के बबूता ने 105.7, 104.9, 105.5, 105.4, 104.0 और 104.6 अंक की सीरीज के साथ कुल 630.1 अंक जुटाए। बबूता सोमवार को आठ निशानेबाजों के फाइनल में पदक के लिए चुनौती पेश करेंगे। वह शनिवार को रमिता जिंदल के साथ मिश्रित टीम फाइनल में जगह बनाने से चूक गए थे। भारतीय जोड़ी क्वालीफिकेशन में छठे स्थान पर रही थी।

वर्ष 2016 से राष्ट्रीय टीम में शामिल चंडीगढ़ के बबूता ने पिछले साल चांगवोन में एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप के जरिए ओलंपिक कोटा हासिल किया था। सेना के संदीप सिंह इसी स्पर्धा में 629.3 अंक के साथ 12वें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाने से चूक गए। संदीप का इसके साथ ही पेरिस खेलों में अभियान खत्म हो गया। उन्होंने अप्रैल-मई में हुए चयन ट्रायल में विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष पाटिल को पछाड़कर पहली बार ओलंपिक में खेलने का हक पाया था। चीन के शेंग लिहाओ 631.7 अंक के साथ क्वालीफाइंग दौर में शीर्ष पर रहे।

पेरिस ओलंपिक : भारतीय निशानेबाज रमिता 10 मीटर एयर राइफल के फाइनल में पहुंची, इलावेनिल बाहर हुई

पेरिस। भारतीय महिला निशानेबाज रमिता जिंदल ने ओलिंपिक में शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 मीटर एयर राइफल के फाइनल में प्रवेश किया है। रमिता ने इस मुकाबले की शुरुआत में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। वह क्वालीफिकेशन दौर में पांचवें स्थान पर रही थीं। अब फाइनल में रमिता सोमवार को खिताबी मुकाबले में उतरेंगी। फाइनल में रमिता का लक्ष्य देश के लिए स्वर्ण जीतना रहेगा। रमिता 60 शॉट के क्वालिफाइंग राउंड में कुल 631.5 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। रमिता ने पहली सीरीज में 104.3, दूसरी में 106.0, तीसरी में 104.9, चौथी में 105.3, पांचवीं में भी 105.3 और छठी सीरीज में 105.7 अंक हासिल किए। वहीं भारत की ही इलावेनिल 10वें स्थान पर रहने के कारण फाइनल में नहीं पहुंच पाई। एलावेनिल शीर्ष-5 में बनी हुई थी। कुछ समय के लिए तो वह शीर्ष पर भी थी पर अंतिम सीरीज में वह पीछे हो गयी। 59वें शॉट में एलावेनिल ने केवल 9.8 का स्कोर किया। इसी से वह शीर्ष-8 से बाहर हो गई। अंत में उन्होंने 10.1 का स्कोर किया। एलावेनिल और 8वें नंबर की निशानेबाज में केवल 0.5 के स्कोर का अंतर रहा।

ऋषभ पंत ने तोड़ा दिनेश कार्तिक का 6 साल पुराना रिकॉर्ड

दांबुला (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने अच्छी पारी खेली और 33 गेंदों पर एक छक्का और 6 चौकों की मदद से 49 रन की पारी खेली। इस मैच में वह सिर्फ एक रन से अपना अर्धशतक पूरा करने से चूक गए, लेकिन उन्होंने दिनेश कार्तिक का 6 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया तो वहीं विराट कोहली, एमएस धोनी और ऋतुराज गायकवाड़ की इस खास लिस्ट में शामिल हो गए हैं।

पंत ने तोड़ा दिनेश कार्तिक का रिकॉर्ड

ऋषभ पंत ने श्रीलंका के खिलाफ 49 रन की पारी खेली और अब वो श्रीलंका में टी20 में बतौर विकेटकीपर भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले ये रिकॉर्ड दिनेश कार्तिक के नाम पर दर्ज था जिन्होंने साल 2018 में बतौर विकेटकीपर भारत के लिए नाबाद 39 रन की पारी खेली थी। अब 6 साल के बाद पंत ने 49 रन की पारी खेलकर दिनेश कार्तिक के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

पंत ने पहली बार टी20 में 49 रन की पारी खेली और आउट हो गए। टी20 में 49 रन के स्कोर पर आउट होने वाले वो चौथे भारतीय बल्लेबाज बन गए। पंत से पहले भारत की तरफ से टी20 में 49 के स्कोर पर विराट कोहली, एमएस धोनी और ऋतुराज गायकवाड़ आउट हो चुके हैं। अब पंत भी इन दिग्गजों की लिस्ट में शामिल हो चुके हैं।

पेरिस ओलंपिक : प्रीति प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंची

पेरिस। भारतीय महिला मुक्केबाज प्रीति पवार पेरिस ओलंपिक के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। प्रीति ने 54 किग्रा भार वर्ग में पहले दौर के मुकाबले में वियतनाम की वो थी किम अन्ह को 5-0 से हरा दिया। अब दूसरे दौर में उनका सामना दूसरी वरीयता प्राप्त कोलंबिया की येनी एरियास से होगा। वियतनामी मुक्केबाज के खिलाफ मुकाबले में प्रीति हावी रहीं। शुरुआत में उन्हें कुछ मुश्किल हुई पर एक बार लय मिलने पर प्रीति ने जमकर हमला बोला। इस मुक्केबाज ने पिछले साल हांगझाऊ एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता और अपनी पहली विश्व चैम्पियनशिप में भी भाग लिया था। अब उनका लक्ष्य ओलंपिक पदक जीतना रहेगा।

नासा के पास धरती को एस्टेरॉयड्स से बचाने की योजना तैयार

-अमेरिकी एजेंसी बताया 10-वर्षीय रणनीति के बारे में

वाशिंगटन। नासा के पास धरती को एस्टेरॉयड्स और कॉमेट से बचाने की योजना तैयार है। लेकिन यह एक ऐसा खतरा है जिसे मानवता ने अंततः गंभीरता से लेना शुरू कर दिया है और इस पर ध्यान दिया जा रहा है। डबल एस्टेरॉयड्स रिडायरेक्शन टेस्ट (डीएआरटी) की सफलता से प्रेरित होकर नासा ने हाल ही में एक नई प्लेनेटरी डिफेंस स्ट्रैटेजी एंड एक्शन प्लान जारी किया है। इसमें नासा ने चेतावनी देने के लिए संभावित खतरनाक वस्तुओं को खोजने, पहचानने और फिर उन्हें दूर धकेलने के अपने प्रयासों का वर्णन किया है। अमेरिकी एजेंसी की यह 10-वर्षीय रणनीति पृथ्वी के निकट एस्टेरॉयड्स और कॉमेट के साथ विनाशकारी मुठभेड़ से बचाने के प्रयासों को आगे बढ़ाने पर केंद्रित है। नासा के प्लेनेटरी डिफेंस ऑफिसर लिंडले जॉनसन ने कहा, फ्पृथ्वी पर एस्टेरॉयड्स के प्रभाव से विनाशकारी तबाही की आशंका है। और यह एकमात्र प्राकृतिक आपदा है जिसे मानवता के पास पूरी तरह से रोकने के लिए पर्याप्त तकनीक है।' 'नासा की इस रणनीति के जारी होने से अगले 10 वर्षों के लिए नासा के इरादे मजबूत हो गए हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एजेंसी सभी के लाभ के लिए हमारे ग्रह की रक्षा के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करे।' नासा ने प्लेनेटरी डिफेंस स्ट्रैटेजी एंड एक्शन प्लान 18 अप्रैल, 2023 को जारी किया था। यह एक अन्य दस्तावेज का अनुसरण करता है जिसे 3 अप्रैल को व्हाइट हाउस ऑफिस ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पॉलिसी, 'नेशनल प्रिपेयर्डनेस स्ट्रैटेजी' द्वारा जारी किया गया था। पृथ्वी को खतरों से बचाने और ग्रहों की रक्षा के लिए कार्य योजनाफ्र प्रत्येक रिपोर्ट प्रभाव के खतरों का पता लगाने, लक्षणों का ब्योरा और प्रतिक्रियाओं को बढ़ाने के साथ-साथ सरकारी एजेंसियों के बीच रणनीतियों के समन्वय के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग में सुधार करने पर केंद्रित है। नासा सभी नियर अर्थ ऑब्जेक्ट्स (एनईओ) की एक पूर्ण सूची बनाने की दिशा में काम कर रहा है। एनईओ सर्वेक्षण से यह पता लगाना है और प्रयासों में सुधार करना है, जो पृथ्वी पर खतरा पैदा कर सकते हैं। स्पेस एजेंसी ने का डबल एस्टेरॉयड्स रिडायरेक्शन टेस्ट (डीएआरटी) मिशन पूरा किया। यह दुनिया का पहला ग्रह रक्षा परीक्षण मिशन था जिसने अंतरिक्ष यान का उपयोग करके एस्टेरॉयड्स डिफ्लेक्शन की एक विधि का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया। अमेरिकी सरकारी एजेंसी ने नीयो तैयारियों और प्रतिक्रिया योजना को बढ़ाने का काम किया। इसके लिए उसने अगले 10 वर्षों के भीतर सभी उद्देश्यों को पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। नासा का आकलन है कि नियर अर्थ ऑब्जेक्ट्स (एनईओ) का व्यास 10 मीटर (33 फीट) से लेकर 10,000 मीटर (33,000 फीट) से अधिक है और यह पृथ्वी की कक्षा के 42 मिलियन किमी (30 मिलियन मील) के भीतर आता है। दशकों से, वैज्ञानिक और अन्य जानकार मानवता को किसी बिंदु पर निश्चित रूप से क्या होगा इसकी तैयारी करने की आवश्यकता पर जोर दे रहे हैं। अपोलो अंतरिक्ष यात्री रस्टी श्वीकार्ट ने ग्रहों की रक्षा के बारे में कई बार बात की है।

कांगो के किन्शासा में संगीत कार्यक्रम में भगदड़, 7 की मौत, कई घायल

किन्शासा। कांगो की राजधानी किन्शासा में शनिवार रात एक संगीत कार्यक्रम में भगदड़ मचने से 7 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। वहां के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। किन्शासा के गवर्नर डैनियल बुम्बा ने बताया कि मशहूर गायक माइक कलमबाई राजधानी के मध्य में स्थित स्टेड डेस मार्टियर्स स्टेडियम में संगीत कार्यक्रम में प्रस्तुति दे रहे थे तभी वहां भगदड़ मच गई। उन्होंने बताया कि इस स्टेडियम में 80 हजार दर्शकों के बैठने की व्यवस्था है। एक खबर के मुताबिक स्टेडियम में भगदड़ मचने से सात लोगों की मौत हो गई है और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया है। यह नहीं बताया गया है कि स्टेडियम में भगदड़ कैसे मची। घटना की जांच जारी है। हालांकि कार्यक्रम का आयोजन करने वाली प्रबंधन कंपनी माजाबु गॉस्पेल ने कहा कि यह घटना उस समय हुई जब सुरक्षाकर्मी कुछ उपद्रवियों को शांत कराने का प्रयास कर रहे थे। आयोजकों ने बताया कि संगीत कार्यक्रम का लुत्फ उठाने के लिए लगभग 30 हजार लोग स्टेडियम पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि माइक कलमबाई के अलावा कई अन्य लोकप्रिय कलाकारों को भी इस संगीत कार्यक्रम में प्रस्तुति देनी थी।

चीन में भारी बारिश से तबाही, घर की मिट्टी धंसने से 11 की गई जान

बीजिंग। चीन में बारिश के बाद आई बाढ़ ने कई इलाकों में तबाही मचा दी है। रविवार को दक्षिण-पूर्वी चीन में एक घर में मिट्टी धंस गई जिससे 11 लोगों की मौत हो गई। ट्रॉपिकल तूफान आने से हो रही भारी बारिश के चलते पूरा इलाका नदी में तब्दील हो गया है। शनिवार को भी शंघाई में एक पेड़ के गिरने से स्कूटर पर सवार एक डिलीवरी बॉय की मौत हो गई। चीन पहुंचने से पहले तूफान गेमी ने फिलीपींस में भी खूब तबाही मचाई। इसमें कम से कम 34 लोगों की मौत हो गई। ताइवान के द्वीप में भी तूफान गेमी कहर बरपा रहा है, जहां अब तक मरने वालों की संख्या दस हो गई है। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है रविवार सुबह करीब 8 बजे युएलिन गांव में एक घर में मिट्टी धंस गई, जिसमें 11 लोगों की दबने से मौत हो गई जो हुनान प्रांत के हेंगयांग शहर में आता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारी बारिश के चलते पहाड़ों से बहते पानी के कारण यह भुस्खलन हुआ। चीन मौसम विभाग ने कहा कि ट्रॉपिकल तूफान से जुड़ी बारिश ने हुनान प्रांत के दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में तबाही मचा रखी है।

इजराइल पर रॉकेट हमले की जिम्मेदारी हिजबुल्लाह ने नहीं ली

तेल अवीव। गोलान हाइट्स पर हिजबुल्लाह की ओर से कई रॉकेट दागे गए हैं, जिसमें 12 लोगों की मौत हो गई। इजरायल के मुताबिक यह सात अक्टूबर की लड़ाई शुरू होने के बाद हिजबुल्ला का सबसे बड़ा हमला है। रॉकेट गोलान हाइट्स के उत्तरी ड्रूज शहर मजदल शम्स में एक फुटबॉल मैदान पर गिरे। इजरायल ने कहा कि उसने लेबनान से इजरायली इलाके में गिरने वाले 30 प्रोजेक्टाइल की पहचान की है। इस हमले के बाद इस बात की आशंका जताई जा रही है कि इजरायल अब हमास के साथ-साथ हिजबुल्लाह से भी जंग कर सकता है। कुछ इजरायली नेताओं ने जवाबी कार्रवाई की मांग की है। हालांकि हिजबुल्लाह ने रॉकेट दागने से इनकार किया है। इजरायल और हमास का युद्ध शुरू होने के साथ ही लेबनान के साथ लगी सीमा पर हिजबुल्ला के साथ संघर्ष शुरू हो गया था। इजरायली सेना और हिजबुल्लाह पिछले दस महीने से एक दूसरे पर हमले कर रहे हैं। इस हमले से पहले भी कहा जाता रहा है कि दोनों का संघर्ष एकदम उबलते हुए बिंदु पर पहुंच रहा है। 12 लोगों की मौत के अलावा हमले में 29 लोग घायल हुए हैं। आईडीएफ ने शनिवार देर रात कहा कि मरने वाले सभी की उम्र 10-20 साल है। इस हमले के बाद एक बड़ी जवाबी कार्रवाई का वादा किया जा रहा है। हमला ऐसे समय पर हुआ जब इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिका से वापस लौटे हैं। छिटपुट संघर्ष की जगह अब हिजबुल्लाह के साथ एक पूर्ण युद्ध की आशंका बढ़ गई है।

ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे भारतीय छात्रों की बढ़ी मुश्किलें

वाशिंगटन। भारतीय अमेरिकी बच्चों का अमेरिका से डिपोर्ट होने का रिस्क बढ़ता जा रहा है। दरअसल, जो बच्चे अपने माता-पिता के साथ छोटी उम्र में अमेरिका आए थे उन्हें डॉक्यूमेंटेड ड्रीमर्स कहा जाता है। हालांकि, जैसे ही इन बच्चों की उम्र 21 साल की हो जाएगी तो वह अपने माता-पिता के वीजा पर निर्भर नहीं रह सकते। अमेरिका के इस कानून के कारण ऐसे बच्चों पर निर्वासित होने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे लगभग 2, 50,000 से अधिक बच्चे है, जिसमे भारतीय-अमेरिकी बच्चों की संख्या सबसे अधिक है। दरअसल, अमेरिका से डिपोर्ट किए जाने का सबसे बड़ा कारण- बढ़ती उम्र को बताया गया है। नेशनल फाउंडेशन फॉर अमेरिकन पॉलिसी ने 2 नवंबर तक अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा के आंकड़ों को स्टडी किया और पाया कि डिपेंडेंट्स सहित 1.2 मिलियन से अधिक भारतीय वर्तमान में कई कैटगरी में ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे हैं। यह संख्या फोर्ब्स की एक रिपोर्ट से ली गई है। जानकारी अनुसार, व्हाइट हाउस ने इसके लिए रिपब्लिकन को दोषी ठहराया है और कहा है कि उन्होंने दो बार द्विदलीय समझौते को खारिज कर दिया था। 13 जून को, आव्रजन, नागरिकता और सीमा सुरक्षा पर सीनेट न्यायपालिका उपसमिति के अध्यक्ष सीनेटर एलेक्स पैडीला और प्रतिनिधि डेबोरा रॉस के नेतृत्व में 43 सांसदों के एक समूह ने बाइडन प्रशासन से इस मुद्दे के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया।

अमेरिका में अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस अपने चुनाव अभियान में पहुंचीं, इस दौरान उनके समर्थक उत्साहित दिखे।

एस. जयशंकर और एंटनी ब्लिंकन ने टोक्यो में बैठक के दौरान क्षेत्रीय, वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की

टोक्यो। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को अपने अमेरिकी समकक्ष एंटनी ब्लिंकन से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों तथा क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर व्यापक चर्चा की। दोनों नेताओं ने टोक्यो में क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के इतर मुलाकात की। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''टोक्यो में आज विदेश मंत्री ब्लिंकन से मुलाकात कर बहुत अच्छा लगा। हमारा द्विपक्षीय एजेंडा लगातार

आगे बढ़ रहा है। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई। 'क्वाड' विदेश मंत्रियों की कल होने वाली बैठक में शामिल होने के लिए उत्सुक हूं।'' भारत, जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया ने नवंबर 2017 में 'क्वाड' की स्थापना की थी, ताकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को किसी भी प्रभाव से मुक्त रखने के लिए एक नयी रणनीति विकसित की जा सके। चीन, दक्षिण चीन सागर के अधिकांश हिस्से पर अपना दावा करता है, जबकि फिलीपीन, वियतनाम, मलेशिया, ब्रुनेई और ताइवान भी इस समुद्री क्षेत्र पर दावे करते हैं।

अगर मैं राष्ट्रपति बना तो अमेरिका क्रिप्टो की राजधानी बन जाएगा

- ट्रम्प ने व्हाइट हाउस वापस आने पर क्या-क्या करेंगे बताया प्लान

नैशविले (एजेंसी)। रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने नैशविले में बिटकॉइन सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि अगर वह व्हाइट हाउस वापस आते हैं यानी अमेरिकी राष्ट्रपति बनते हैं तो आने वाले दिनों में अमेरिका क्रिप्टो की राजधानी बन जाएगा। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह आज बिटकॉइन समुदाय को संबोधित करने के लिए दो सरल शब्दों की वजह से आए हैं। अमेरिका फर्स्ट अगर हम ऐसा नहीं करते हैं, तो चीन और दूसरे देश ऐसा करने जा रहे हैं। आइए इसे करें और इसे सही तरीके से करें।

ट्रम्प ने कहा कि अगर क्रिप्टो करेंसी भविष्य को परिभाषित करने जा रहा है तो मैं चाहता हूं कि इसे यूएसए में खनन किया जाए। ट्रंप ने कहा कि बिटकॉइन का मतलब आजादी, संप्रभुता और सरकार, दबाव और नियंत्रण से मुक्ति है। ट्रम्प ने कहा कि अपने राष्ट्रपति पद के पहले दिन ही वे अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग के अध्यक्ष गैरी जेन्सलर को अपने पद से हटाएंगे लेकिन कमला हैरिस गैरी को वित्त मंत्री बनाना चाहती हैं।

ट्रम्प ने कहा कि वह ऑपरेशन चोक पॉइंट 2.0 को खत्म करेंगे और बिटकॉइन और क्रिप्टो के लिए एक काउंसिल बनाएंगे। इस कार्यक्रम में ट्रम्प के भाषण में देरी हुई क्योंकि मेजबान ने कहा कि वे एक स्पेशल गेस्ट का इंतजार कर रहे थे। लोगों ने अनुमान लगाया कि शायद वह एलन मस्क हों। अपने भाषण में ट्रम्प ने एलन मस्क और इलेक्ट्रिक कारों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि हर किसी के पास चीन में बनी इलेक्ट्रिक कार नहीं होनी चाहिए जो ज्यादा दूर तक न जाए। मुझे एलन मस्क पसंद है और मैं उनके समर्थन के लिए उनका धन्यवाद करता हूं। मुझे इलेक्ट्रिक कारें भी पसंद हैं। मुझे लगता है कि उनकी कार बहुत अच्छी है लेकिन हर कोई ऐसा नहीं है।

उन्होंने कहा कि वे बिटकॉइन और क्रिप्टो में चंदा कबूल कर रहे हैं। ट्रम्प ने कहा कि अगर डेमोक्रेट जीतते हैं, तो आप सभी चले जाएंगे। वे क्रूर होंगे। उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन को बहुत बड़ी जीत मिलनी चाहिए। हैरिस तो जो बाइडन से भी बदतर है, वह एक कट्टरपंथी, पागल है, वह क्रिप्टो के खिलाफ है। अब थोड़ा हनीमून पीरियड चल रहा है। उन्होंने कहा कि बाजार आसमान छू रहे हैं क्योंकि उन्हें उम्मीद है कि ट्रंप राष्ट्रपति बनेंगे। ट्रंप ने कहा कि मेरी एक पोती है जो धाराप्रवाह चीनी बोल सकती है। क्या आप इस पर भरोसा कर सकते हैं? लेकिन आपको ऐसा करने की जरूरत नहीं है. आपको चीन जाने की जरूरत नहीं है।

कर्जों में राहत के लिए चीनी अधिकारियों से बात कर रहा पाकिस्तान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था कर्जों पर चल रही है। जिन देशों से पाकिस्तान ने कर्जे लिए हैं उन्हें वह वापस भी नहीं कर पा रहा है। ऊर्जा क्षेत्र में कर्जों की रिशेड्यूलिंग के लिए चीनी अधिकारियों के साथ पाकिस्तान बातचीत कर रहा है। कर्जों में राहत मांगने के लिए पाकिस्तानी वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब हाल ही में चीन पहुंचे। पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना के एक बयान के अनुसार वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब ने चीन के केंद्रीय बैंक के गवर्नर पैन गोंगशेंग से मुलाकात की और द्विपक्षीय वित्त सहयोग पर विचारों का आदान प्रदान किया। इससे जुड़े लोगों को बातचीत के नतीजों को लेकर चिंता है। उन्हें डर है कि अगर चीजें इच्छानुसार न हुईं तो विदेशी निवेश और विनिमय दर स्थिरता पर महत्वपूर्ण असर पड़ सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक स्थिति पर करीब से नजर रखने वाले एक वरिष्ठ बैंकर ने कहा, हमारा मानना है कि चीन ऊर्जा क्षेत्र के ऋणों को पुनर्निर्धारित करने के पाकिस्तान के अनुरोध को सिरे से खारिज नहीं करेगा, लेकिन अंतिम परिणाम निराशाजनक प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि चीन शुरू से इस मुद्दे पर चर्चा नहीं करना चाहता था, जिस कारण यात्रा में देरी हुई। यह ऊर्जा ऋण संबंधित बातचीत पर पाकिस्तान के साथ चीन की असहमति को दिखाता है। चीन वर्षों से पाकिस्तान का सबसे बड़ा विदेशी निवेशक रहा है। हांगकांग से आने वाला निवेश भी पाकिस्तान के लिए महत्वपूर्ण है जो चीन से अनुमोदित माना जाता है। हालांकि चीन के निवेश में गिरावट देखी गई है। लेकिन इसके बावजूद वित्तीय वर्ष 2024 में वह एफडीआई का सबसे बड़ा स्रोत बना हुआ है। चीन और हांगकांग का निवेश पाकिस्तान के कुल

एफडीआई का लगभग आधा था, जिसमें 17 फीसदी की वृद्धि देखी गई। एक अन्य वरिष्ठ बैंकर एसएस इकबाल ने चीन पर पाकिस्तान की बढ़ती निर्भरता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा ?कि चीन पर हमारी निर्भरता बढ़ गई है, क्योंकि हम ऊर्जा क्षेत्र के ऋणों में 15 अरब डॉलर के रिशेड्यूलिंग को लेकर बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि चीन ऋण और रिशेड्यूलिंग की राहत देता रहता है, जो पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने में सहायक रहा है।

ओलंपिक के उद्घाटन समारोह की झांकी पर भड़के ईसाई बोले- ये तो ईसा मसीह का अपमान है

पेरिस (एजेंसी)। राजधानी पेरिस में ओलंपिक खेलों को उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया था। समारोह में दिखाई गई एक झांकी को लेकर विवाद भी खड़ा हो गया है। ड्रैग क्वीन थीम के साथ ईसा मसीह के अंतिम भोज की झांकी दिखाई गई थी। हालांकि ईसाइयों ने इस पर आपत्ति करते हुए गुस्सा जाहिर किया है। दरअसल अगर कोई कॉमेडी करने के लिए ऑपजिट जेंडर के कपड़े पहनता है तो उसे ड्रैग कहा जाता है। दरअसल आम तौर पर पुरुष मनोरंजन के लिए फीमेल के कपड़े पहनते हैं और बढ़-चढ़कर मेकअप करते हैं। समलैंगिक पुरुषों को भी इस श्रेणी में रखा जाता है।

दरअसल इस झांकी में ड्रैग क्वीन्स के बीच में ईसा मसीह की नकल की गई। एक महिला को यीशु के रूप में दिखाया गया जो कि कलाकार लियोनार्दो द विंची की एक पेंटिंग द लास्ट सपर से प्रेरित थी। यहां देवदूतों की जगह पर अजीब मेकअप किए हुए ड्रैग क्वीन्स खड़े थे। इसमें मुकुट पहने एक प्लस साइज की महिला दिखाई गई जिसे पेंटिंग में यीशु की जगह खड़ा कर दिया गया था। दरअसल यीशु के अंतिम भोज को ईसाई धर्म में बेहद अहम और पवित्र घटना माना जाता है। सूली पर चढ़ने से पहले येरुशलम में ईसा मसीह ने अपने अनुयायियों के साथ अंतिम बार भोजन किया था। इस झांकी पर एलन मस्क ने भी नाराजगी जताई और कहा कि यह बेहद अपमानजनक है। बता दें कि आम तौर पर स्टेडियम में होने वाली देशों की परेड की परंपरा से अलग यहां छह किलोमीटर की परेड आस्टरलिज ब्रिज से शुरू हुई जिसमें 85 नावों में 205 देशों के 6800 से अधिक खिलाड़ी सवार थे और एक शरणार्थी ओलंपिक टीम भी थी।

सोशल मीडिया पर भी इसको लेकर लोग जमकर गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। एक यूजर ने कहा, यह सब पूरी तरह कूड़े के जैसा है। ओलंपिक के उद्घाटन में यह सब दिखाना बेहद शर्मनाक है। एक अन्य यूजर ने कहा, यह ओलंपिक खेलों में आतंकवाद का बेस्वाद प्रदर्शन है। उद्घाटन समारोह में नावें शहर की ऐतिहासिक इमारतों कैथेड्रल आफ नोत्रे डेम, लावरे म्युजियम और कुछ आयोजन स्थलों से होकर गुजरीं। अमेरिकी पॉपस्टार लेडी गागा ने अपने सुरों से समा बांधा।

रूस ने किया नया नाटो बनाने की घोषणा, कई आसियान देशों ने दिखाई रुचि

वियनतियाने (एजेंसी)। रूस ने आसियान शिखर सम्मेलन में यूरेशियाई नाटो का ऐलान किया है। इस बैठक में शामिल हुए रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि कई आसियान देशों ने यूरेशिया में नई सुरक्षा संरचना बनाने के रूस के विचार में रुचि दिखाई है। उन्होंने कहा कि सदस्य देश चाहते हैं कि पश्चिम चीन और रूस को नियंत्रित करने के लिए आसियान के भीतर संकीर्ण प्रारूपों पर जोर दे रहा है। इसे अमेरिका के नेतृत्व वाले नाटो के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है।

अमेरिका ने नाटो शीत युद्ध के दौरान रूस का मुकाबला करने के लिए बनाया था। इस गठबंधन में वर्तमान में 32 देश शामिल हैं। इस गठबंधन का सबसे नवीन सदस्य देश स्वीडन है। लावरोव ने शिखर सम्मेलन की मंत्रिस्तरीय बैठक के बाद कहा कि पश्चिम अभी भी एक स्पष्ट लक्ष्य के साथ संकीर्ण प्रारूपों पर जोर दे रहा है, यह इसे छिपाता नहीं है कि उनका जोर चीन और रूस को नियंत्रित करने पर है।

हमारे आसियान साझेदार इसे अच्छी तरह से समझते हैं और उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की पहल में रुचि दिखाई है, जिसका यहां उल्लेख किया गया है, एक यूरेशियाई सुरक्षा प्रणाली जो अविभाज्य और समान होगी। रूसी विदेश मंत्री ने कहा कि वार्ता में

यूरेशियाई महाद्वीप के सभी देशों के लिए एक अविभाज्य सुरक्षा प्रणाली तैयार करने की जरूरत पर चर्चा की गई, जिसमें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) और यूरेशियाई आर्थिक संघ ऐसे प्रयासों के अच्छे उदाहरण हैं।

लावरोव ने कहा कि रूस संयुक्त परमाणु हमले की योजना को अंजाम देने की अमेरिका और दक्षिण कोरिया की योजनाओं के बारे में चिंतित है। उन्होंने कहा कि एक और चिंताजनक पहलू यह है कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने हाल ही में दक्षिण कोरिया के साथ संयुक्त परमाणु योजना पर एक समझौता किया है। इस समझौते का क्या मतलब है, इसका स्पष्टीकरण भी नहीं मिल पाया है, लेकिन हमें इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह अतिरिक्त चिंता का कारण बनता है।

अमेरिका की जनता के मूड को भांपने वाला सर्वे- ट्रंप और कमला में से कौन बनेगा राष्ट्रपति

वॉशिंगटन (एजेंसी)। नवंबर में अमेरिका में राष्ट्रपति के लिए चुनाव होने हैं। एक ताजा सर्वेक्षण में कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रम्प के बीच राष्ट्रपति पद की दौड़ में कांटे की टक्कर देखने को मिली है। सर्वेक्षण से पता चलता है कि हैरिस और ट्रम्प दोनों अपने-अपने अभियानों में स्पष्ट सार्वजनिक छवि विकसित करने की दिशा में काम कर रहे हैं। कमला हैरिस को 46 प्रतिशत उत्तरदाताओं द्वारा अनुकूल माना, जबकि 52 प्रतिशत ने उन्हें प्रतिकूल रूप से देखा। उल्लेखनीय है कि यह उनके चुनावी करियर का सबसे सकारात्मक सर्वेक्षण परिणाम है। ट्रम्प की तुलना में कमला हैरिस, आव्रजन, अर्थव्यवस्था, विदेशी संबंधों और अपराध जैसे मुद्दों पर अधिक सक्षम नजर आ रही हैं, हालांकि गर्भपात जैसे मुद्दे पर हैरिस को 51 प्रतिशत समर्थन मिला। जबकि ट्रम्प को 33 प्रतिशत मत प्राप्त हुए।

हाल ही में वॉल स्ट्रीट जर्नल द्वारा किए गए सर्वेक्षण में पता चला है कि अमेरिका में राष्ट्रपति पद की दौड़ बेहद करीबी हो गई है। सर्वेक्षण के अनुसार, डोनाल्ड ट्रम्प को 49 प्रतिशत वोट मिले हैं, जबकि कमला हैरिस को 47 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए हैं। इससे पहले ट्रम्प ने राष्ट्रपति जो बाइडन से छह अंकों की बढ़त बनाई थी, लेकिन अब दौड़ में एक नई गति देखने को मिल रही है। इस सर्वे में जब अन्य स्वतंत्र और तीसरे पक्ष के उम्मीदवारों को शामिल किया गया, तो कमला हैरिस को 45 प्रतिशत समर्थन मिला, जबकि ट्रम्प को 44 प्रतिशत समर्थन प्राप्त हुआ। रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर को केवल 4 प्रतिशत उत्तरदाताओं का समर्थन मिला और 5 प्रतिशत ने किसी पर भरोसा नहीं जताया। पिछले सर्वेक्षणों में बाइडन इन बहु-उम्मीदवार परिदृश्यों में ट्रम्प से छह अंकों से पीछे थे। सर्वेक्षण में यह भी सामने आया है कि 48 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि ट्रम्प जो कि 78 वर्ष के हैं, राष्ट्रपति के रूप में सेवा करने के लिए बहुत बूढ़े हैं। इसके विपरीत केवल 2 प्रतिशत ने हैरिस के बारे में यही चिंता जताई। कमला हैरिस फिलहाल 59 वर्ष की हैं। इसके अतिरिक्त, 46 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि हैरिस के पास राष्ट्रपति के रूप में सेवा करने के लिए सही गुण हैं, जबकि ट्रम्प के बारे में केवल 38 प्रतिशत का यही मानना है।

साउथ कोरिया की बीमारी ने भारत में दी दस्तक, अब मचा हाहाकार

हैदराबाद। साउथ कोरिया में नोरोवायरस ने तांडव मचाया और 1000 लोगों से ज्यादा लोगों को बीमार कर दिया। अब यही नोरोवायरस हैदराबाद में फैल रहा है। जिससे हैदराबाद के लोग खौफ में जी रहे हैं। हर दिन लगभग 100 से 120 मामले सामने आ रहे हैं। हर दिन सौ से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। नोरो वायरस से पीड़ित सैकड़ों लोग सरकारी और निजी अस्पतालों और क्लीनिकों में आ रहे हैं। कुछ की हालत गंभीर हो गई है और उनका इलाज आईसीयू में वेंटिलेटर पर किया जा रहा है। इस तरह नोरोवायरस हैदराबादवासियों को दहशत में डाल रहा है। पीड़ित लोगों को बिना देर किए चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए। अन्यथा स्थिति घातक होने का खतरा है। हैदराबाद में कई लोग इन लक्षणों से पीड़ित हैं और उनका इलाज वेंटिलेटर पर किया जा रहा है। नोरो वायरस दूषित भोजन और पानी के सेवन से संक्रमित होता है। प्रदूषित वातावरण भी इस वायरस के फैलने का कारण बनता है। यह संक्रामक है? इसलिए एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में तेजी से फैलता है। जो लोग संक्रमित लोगों के निकट संपर्क में आते हैं वे आसानी से इस वायरस से संक्रमित हो सकते हैं। बता दें कि सबसे तेजी से फैलने वाला नोरो वायरस हैदराबादवासियों को डरा रहा है। यह काफी तेजी से फैल रहा है और लोगों में भ्रम पैदा कर रहा है कि आखिर उन्हें हो क्या रहा है। कुछ ही दिनों में सैकड़ों मामले सामने आ रहे हैं जिससे अब शहरवासी चिंतित हैं। हेल्थ विभाग के अधिकारी सतर्क हो गए हैं। शहरवासियों को महत्वपूर्ण निर्देश दी जा रही है। चूंकि यह एक महामारी है, यह तेजी से फैल रही है।। इससे पता चलता है कि अगर कई सावधानियां बरती जाएं तो इससे बचा जा सकता है। खासकर पुराने शहर इलाके में, कई लोग उल्टी और दस्त से पीड़ित हैं। दबीर पुरा, याकूत पुरा, पुराना हवेली, मुगल पुरा, मलक पटे जैसे इलाकों के लोग ज्यादा बीमार हो रहे हैं।

यूपी में कावड़ मेले में पहुंची पांच लाख रुपयों के नोट लगी कांवड़

– शिवभक्त ने अपनी कावड़ में लगा रखे 5 लाख 21 हज़ार रुपये के 500, 100 और 50 के नोट

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जनपद में कावड़ मेले के दौरान अनेकों रंग बिरंगी कावड़ देखने को मिल रही है लेकिन शनिवार की रात कावड़ यात्रा के दौरान नगर में एक नोटों की ऐसी कावड़ भी पहुंची, जिसे लोग देखते ही रह गए। इस कांवड़ में 5 लाख 21 हजार रुपये के 500, 100 और 50 के नोट लगाए गए हैं। दरसअल, दिल्ली शाहदरा के गांव सरोली निवासी सागर राणा नाम का एक शिवभक्त कावड़िया अपनी टीम के साथ हरिद्वार हर की पौड़ी से गंगाजल भरकर अपनी कावड़ लेकर यात्रा पर निकला है। शिवभक्त सागर ने अपनी कावड़ में 5 लाख 21 हजार रुपये के 500, 100 और 50 के नोट लगा रखे हैं। आपको बता दें कि शिवभक्त कावड़िए सागर राणा की यह चौथी नोटों की कावड़ है, इससे पहले वह 200, 100 और 10 के नोटों की कावड़ भी लेकर आ चुका है। शिव भक्त सागर राणा का कहना है कि वह अपनी कावड़ यात्रा को पूर्ण कर, दो अगस्त को शिव शंकर को जलाभिषेक करने के बाद इन नोटों से अपने गांव में भंडारा करेगा। शिवभक्त कावड़िए सागर राणा की माने तो उसने बताया कि हमें दिल्ली शाहदरा के सरोली गांव जाना है, हम हरिद्वार से 25 की सुबह 5:00 चले थे और 1 तारीख तक पहुंच जाएंगे, इसमें 500 के 4:30 लाख रुपए लग रहे हैं और 100 और 50 को करके टोटल 465000 हैं। कुल ?मिलाकर यह 5 लाख 21 हजार रुपए है, यह मैं हर साल ला रहा हूं और यह मेरी चौथी कावड़ है और पहले 200 की उससे पहले 100 की और उससे भी पहले 10 की कावड़ थी। इस बार बड़ी कावड़ है, अगली बार का तो तभी पता चलेगा, हमारी यह चार लोगों की टीम है, इन पैसों का कावड़ के बाद अपने बाबा के नाम का भंडारा होगा और हम हमेशा इस तरह ही करते हैं हमेशा सेवा में ही पैसे लगते हैं।

दुष्कर्म पीड़िताओं और गवाहों के लिए प्रोटेक्शन स्कीम 2024 लाने की तैयारी

भोपाल। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के लागू होने के बाद सारे देश में विटनेस प्रोटक्शन योजना लागू की जा रही है। दुष्कर्म पीड़ताओं, महिलाओं, और जघन्य अपराध के गवाहों को सुरक्षा देने के लिए, मध्य प्रदेश सरकार विटनेस प्रोटक्शन स्कीम 2024 तैयार कर रही है। प्रमुख गृह सचिव संजय दुबे के अनुसार दुष्कर्म पीड़िताओं और गवाहों की सुरक्षा के लिए नया बिल लाने की तैयारी शुरू हो गई है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में यह कमेटी बनेगी। जो प्रोटक्शन बिल का प्रस्ताव तैयार करेगी। इसे जल्द ही कैबिनेट में भेजा जाएगा। कैबिनेट की मंजूरी मिल जाने के बाद इस योजना को लागू किया जाएगा। इस योजना का मुख्य उद्देश्य पीड़ित महिलाओं की सुरक्षा, जीवन यापन और गवाहों की सुरक्षा के विशेष प्रावधान होंगे। इस कानून में पीड़ित महिला का नाम, पता बदलने का प्रावधान होगा। उनका पुनर्वास भी कराया जाएगा। अपराधी उनका पता ना लगा पाये, इसका भी प्रावधान किया जाएगा। कामकाजी महिलाओं के लिए सरकार फीस इत्यादि की व्यवस्था करेगी। प्रतिमाह मुआवजा देने की योजना भी इस प्रस्ताव में शामिल होगी।

प्रलोभन और बयान बदलने पर लगेगी रोक- इस नए प्रावधान से अदालत में गवाहों या पीड़िता के जो बयान दबाव से बदलवाये जाते हैं, उसमें रोक लगेगी। पीड़ताओं को सुरक्षा मिलेगी। उन्हें प्रलोभन नहीं दिया जा सकेगा। गवाह और पीड़िता के आवेदन पर उसके घर की सुरक्षा की जाएगी। सीसीटीवी, पुलिस सुरक्षा तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति में सहायता दिए जाने का प्रावधान होगा।

हर साल 4000 से ज्यादा दुष्कर्म- कड़े कानून होने के बाद भी हर साल मध्य प्रदेश में दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ती जा रही है। औसतन 4000 से अधिक दुष्कर्म की घटनाएं प्रतिवर्ष हो रही है। इस स्थिति को देखते हुए तथा नई भारतीय न्याय संहिता और भारतीय नागरिक सुरक्षा सहायता लागू हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने जो निर्देश दिए हैं। उसके अनुसार नई पॉलिसी तैयार की जा रही है।

मुस्लिम पर्सनल लॉ के बहाने बाल विवाह नहीं कराया जा सकता : हाईकोर्ट

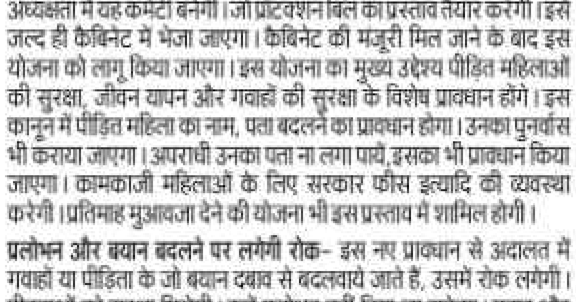

तिरुअनंतपुरम। केरल हाईकोर्ट ने उन लोगों को फटकार लगाई जो मुस्लिम पर्सनल लॉ के बहाने बाल विवाह को सही ठहराने की वकालत करते हैं। कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण मामले में अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि बाल विवाह विरोधी नियम 2006, बिना किसी धार्मिक भेदभाव के समान रूप से सभी भारतीयों के ऊपर लागू है। जस्टिस पी वी कुन्हिकृष्णन ने यह भी साफ किया कि नागरिकता पहले है और धर्म बाद में, इसलिए यह कानून हर भारतीय पर बिना किसी भेदभाव के लागू होगा। बेंच ने हाल ही में पलक्कड़ में एक बाल विवाह के मामले में आरोपी की याचिका को खारिज करते हुए यह निर्देश जारी किया। न्यायालय ने आरोपी पिता और कथित पति की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि उनके विरुद्ध दायर किया गया केस रद्द कर दिया जाए। कोर्ट का यह फैसला ऐसे समय में आया है जब भाजपा शासित असम में कई अल्पसंख्यक लोग बाल विवाह करवाते पकड़े गए हैं। जस्टिस कृष्णन ने कहा कि बाल विवाह रोकना हमारे आधुनिक समाज का हिस्सा है। आज के दौर में यह कहीं से भी जायज नहीं है कि एक बच्चे कि शादी कर दी जाए। यह उस बच्चे के मानवीयअधिकारों का उल्लंघन है। बच्चों को पढ़ने दिया जाए, घूमने दिया जाए, अपनी जिंदगी को जीने दिया जाए और फिर जब वह उस उम्र में आ जाए तो उन्हें खुद से यह फैसला लेने दिया जाए कि वह किससे शादी करते हैं। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की दुहाई देते हुए याचिकाकर्ताओं ने कहा कि कोई भी मुस्लिम लड़की अगर प्यूबर्टी तक पहुंच जाती है तो पर्सनल लॉ बोर्ड के हिसाब से वह शादी के लिए तैयार है और केंद्र उसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकता। याचिका कर्ताओं ने कहा कि यह बाल विवाह विरोधी कानून उनके पर्सनल लॉ बोर्ड के खिलाफ है और उनके अधिकारों का हनन कर रहा है। हालांकि हाइकोर्ट ने याचिकाकर्ताओं की सभी दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि यह कानून किसी पर्सनल लॉ बोर्ड या किसी भी धर्म से भी ऊपर है। पूरे भारत में और भारत के बाहर रहने वाले भारतीय नागरिकों को भी यह नियम मानना ही होगा, इसमें किसी भी प्रकार की कोई कोताही नहीं बरती जाएगी।

हैल्थ विभाग ने स्वाइन फ्लू को लेकर जारी की एडवाइजरी

– देश के कई शहरों में स्वाइन फ्लू के केस हुए कन्फर्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वास्थ्य विभाग ने स्वाइन फ्लू (एच1एन1) को लेकर एडवाइजरी जारी की है। मौसम में हो रहे बदलाव और बढ़ती उमस को देखते हुए यह एडवायजरी जारी की है। देश के कई शहरों में स्वाइन फ्लू के केस कन्फर्म हुए हैं। ऐसे में विभाग ने एहतियात के तौर पर एडवाइजरी जारी की है।

हैल्थ विभाग की ओर से डेंगू की रोकथाम को लेकर भी घर- घर जाकर चैकिंग और लोगों को जागरूक किया जा रहा है। मानसून सीजन की शुरूआत से पहले ही विभाग ने टीम बना ली थी जो फील्ड में काम कर रही है। 120 के करीब कर्मी इसमें लगे हैं। हालांकि यह डेंगू का पिक सीजन नहीं है, लेकिन थोड़ी सी भी लापरवाही इस वक्त भारी पड़ सकती है। बारिश हालांकि अभी ज्यादा नहीं हो रही। आने वाले दिनों में यह बढ़ेगी, जोकि मच्छरों के पैदा होने के लिए सही कंडीशन उन्हें देगी। विभाग की टीमें घर-घर जाकर चैकिंग कर रही हैं और लापरवाही को लेकर चालान काटने के लिए पांच टीम बनाई हैं। विभाग के पास 10 हाथ चलाने वाली फॉगिंग मशीन और 4 गाड़ी वाली फॉगिंग मशीन हैं जिसकी मदद ली जा रही है।

एच1एन1 से ऐसे बचें के तरीके की बात करें तो छींकते समय टिश्यू पेपर से नाक को ढके और फिर उस पेपर से सावधानी से नष्ट कर दे। हाथों को लगातार साबुन से धोते रहें। घर, ऑफिस के दरवाजों के हैंडल, कीबोर्ड, मेज अदि साफ रखें। जुकाम के लक्षण दिखाई दें तो घर से बाहर ना जाएं और दूसरों के नजदीक ना जाएं। बुखार अगर आया हो तो उसके ठीक होने के 24 घंटे बाद तक घर पर रहें। लगातार पानी पीते रहें। फेस मास्क जरूर पहनें। स्वाइन फ्लू के लक्षण यूं तो सामान्य जुकाम जैसे ही होते हैं, परंतु इसमें 100 डिग्री तक का बुखार आता है, भूख कम होजाती है और नाक से पानी बहता है। कुछ लोगों को गले में जलन, उल्टी और डायरिया भी हो जाता है। डाक्टर्स की मानें तो यहलक्षण होने पर तुरंत अस्पताल में चैक कराएं, लेकिन टैस्ट डाक्टर के परामर्श के बाद ही कराएं। स्वाइन फ्लू एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में संपर्क से फैलता है।

जब कोई स्वाइन फ्लू का मरीज छींकता है तो उसके आसपास 3 दूर तक खड़े, व्यक्तियों फीट की दूर के शरीर में इस स्वाइन फ्लू का वायरस प्रवेश कर जाता है। यदि कोई व्यक्ति अपनेछींकते समय - नाक को हाथ से ढक लेता है तो फिर यदि वह जहां कहीं भी उस हाथ को लगाता है (दरवाजे, खिड़कियां, मेज, कीबोर्ड आदि) वहां वह वायरस लग जाता है और फिर वहां से किसी अन्य व्यक्ति के हाथों पर लगक र शरीर में प्रवेश हो जाता है। डॉक्टरों का कहना है कि यह मौसम सीजनल फ्लू का होता है, जिसमें स्वाइन फ्लू, डेंगू मलेरिया, चिकनगुनिया समेत कई वेक्टर बोर्न डिजीज यानी पानी से होनी वाली बीमारियां का खतरा रहता है।

पाक की मेहविश और चूरू के रहमान ने निकाह किया

चूरू। पाकिस्तान की सीमा हैदर और भारत के सचिन मीणा की प्रेम कहानी जैसी ही एक कहानी राजस्थान में दोहराई गई है। इसके पात्र हैं पाकिस्तान की मेहविश और राजस्थान के चूरू जिले का रहमान। भारत-पाक सीमा के दोनों तरफ के प्यार ये पंछी अब एक हो चुके हैं। इन दोनों कहानियों में कुछ समानताएं हैं तो कुछ बातें अलग भी हैं। लक्ष्य एक है प्यार को पाना। पाकिस्तान के लाहौर की रहने वाली मेहविश (25) ने चूरू जिले के पिथिसर गांव निवासी रहमान (30) से निकाह कर लिया है। इन दोनों की मुलाकात सोशल मीडिया प्लेटफार्म इमो नाम के एप पर ऑनलाइन हुई थी। सीमा हैदर और सचिन की ऑनलाइन मुलाकात पबजी गेम के जरिये हुई थी। इन ई-मुलाकातों के बाद ये दोनों जोड़े प्रेम की पींगे मारने लगे। सीमा हैदर जहां अपने 4 बच्चों को लेकर अवैध तरीके से नेपाल के रास्ते भारत पहुंची थी। वहीं मेहविश अपने दोनों बच्चों को छोड़कर बाघा बॉर्डर से भारत आई है। सीमा हैदर और सचिन जहां दोनों अलग-अलग धर्म के थे वहीं मेहविश और रहमान एक ही धर्म से ताल्लुक रखते हैं। दोनों ही जोड़ों के प्यार की शुरुआत ऑनलाइन मुलाकातों से हुई, लेकिन परिस्थितियां अलग-अलग रही हैं। मेहविश जहां अपने पति से तलाक ले चुकी है। वहीं रहमान भी अपनी पत्नी को छोड़ चुका है। दोनों के 2-2 बच्चे हैं। जबकि सीमा के 4 बच्चे हैं। सीमा हैदर सोशल मीडिया बेहद पॉपुलर रही, लेकिन मेहविश के साथ ऐसा कुछ नहीं है। पाकिस्तान से राजस्थान के रहमान की दुल्हन बनकर आई मेहविश बरसों तक ब्यूटी पार्लर का काम करती रही है। साल 2006 पाकिस्तान के बादामी बाग के खुर्रम शहजाद से निकाह करने वाली मेहविश का अपने पति से 2018 में तलाक हो गया था। इस बीच उनके 2 बेटे हुए। इनमें एक बेटा 12 तो दूसरा 7 साल का है।

भारी बारिश में ऐसी जगहों पर परिवार को ले जाने से बचे

– चार दिनों तक का 'येलो अलर्ट जारी किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में पिछले 24 घंटे की अवधि के दौरान हुई भारी बारिश के कारण 15 सड़कें वाहनों के आवागमन के लिए बंद कर दी गईं। इसके साथ ही मौसम विभाग ने अगले चार दिन यानी 28 जुलाई तक अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश का 'येलो अलर्ट जारी किया है। मानसून में पहाड़ों पर घूमना बहुत रोमांचक हो सकता है, लेकिन हिमाचल प्रदेश की कुछ जगहों पर भारी बारिश के कारण खतरनाक परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। यदि आप घूमने के लिए हिमाचल जाने का प्लान बना रहे हैं तो अभी रुक जाइए। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, कुल 15 सड़कें वाहनों के आवागमन के लिए बंद कर दी गई, जिनमें मंडी की 12, किन्नौर की दो और कांगड़ा जिले की एक सड़क शामिल हैं। मौसम विभाग ने तेज हवाओं और निचले इलाकों में जलभराव के कारण राज्य में बागानों और फसलों, कमजोर संरचनाओं तथा कच्चे घरों को होने वाले नुकसान के बारे में भी चेतावनी दी है। जनजातीय जिला लाहौल और स्पीति का कुकुमसेरी मंगलवार रात 10.2 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ सबसे ठंडा रहा, जबकि ऊना दिन में सबसे गर्म रहा जहां तापमान 36.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

ऐसे में पर्यटकों को यही सलाह दी जा रही है कि कुल्लू, मनाली, धर्मशाला, मैक्लोडगंज, और शिमला जैसे स्थानों पर यात्रा करते समय विशेष सावधानी बरतें और सभी सुरक्षा उपायों का पालन करें। कुल्लू और मनाली मानसून के दौरान भारी बारिश और भूस्खलन के लिए जाने जाते हैं। सड़कों पर पानी भरने और भूस्खलन की वजह से यात्रा के दौरान दुर्घटनाओं की संभावना रहती है। धर्मशाला और मैक्लोडगंज में भी मानसून के दौरान भूस्खलन का खतरा रहता है। बारिश के कारण सड़कें बंद हो सकती हैं और यातायात प्रभावित हो सकता है। शिमला में भारी बारिश के कारण सड़कों पर पानी भर जाता है, जिससे यात्रा करना खतरनाक हो सकता है। मानसून में सफर करने के दौरान सावधानी बरतें। यात्रा से पहले मौसम का पूर्वानुमान जरूर देखें और उसी के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं। अगर मौसम खराब है, तो यात्रा को टालना बेहतर होगा।

स्थानीय लोगों से वर्तमान मौसम की स्थिति और सड़कों की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त करें। वे आपको अधिक सही और अद्यतन जानकारी प्रदान कर सकते हैं। अपनी कार में प्राथमिक चिकित्सा किट, टॉर्च, अतिरिक्त बैटरी, और गर्म कपड़े रखें। यात्रा के दौरान हमेशा उचित सुरक्षा उपकरण साथ रखें। ऐसे मार्गों का चयन करें जो कम भूस्खलन प्रवण हों और जहां सुरक्षा के उपाय बेहतर हों। आपातकालीन सेवाओं के संपर्क नंबर और नजदीकी अस्पतालों की जानकारी अपने पास रखें।

ममता का माइक बंद करने वाली बात झूठी : अधीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। शनिवार को दिल्ली में पीएम मोदी ने नीति आयोग की बैठक बुलाई थी। इसमें ममता बनर्जी ने माइक बंद करने का आरोप लगाया था। उनके इस बयान पर पश्चिम बंगाल कांग्रेस प्रमुख अधीर रंजन चौधरी ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि नीति आयोग की बैठक के बारे में ममता बनर्जी जो कुछ कह रही है, मुझे लगता है कि वह झूठ बोल रही हैं। यह बहुत आश्चर्यजनक है कि किसी राज्य के सीएम को बोलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ममता जानती थीं कि वहां क्या होने वाला है। उनके पास स्क्रिप्ट थी।

इस मामले पर उनके विचार उनकी पार्टी कांग्रेस से अलग थे, जिसने कहा कि ममता बनर्जी के साथ जो व्यवहार किया गया वह अस्वीकार्य है। हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में टीएमसी के यूसुफ पठान से हारने वाले अधीर रंजन, ममता बनर्जी के सबसे बड़े आलोचकों में से एक हैं। चुनाव से पहले उन्होंने ममता पर कई हमले किए थे। बाद में टीएमसी ने आम चुनाव अकेले लड़ने के अपने फैसले के लिए अधीर रंजन चौधरी को दोषी ठहराया था।

अधीर रंजन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि पश्चिम बंगाल में अराजक स्थिति है। राज्य में कानून व्यवस्था बहाल करने के लिए उनसे हस्तक्षेप करने की मांग की थी। चौधरी ने कहा था कि व्यक्तिगत स्तर पर मेरे लिए राज्य में अराजक स्थिति को देखना न केवल परेशान करने वाला है, बल्कि बहुत पीड़ादायक भी है। सत्ताधारी दल का रवैया काफी क्रूर है।

ममता बनर्जी ने शनिवार को दावा किया कि बीजेपी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को बोलने के लिए अधिक समय दिया गया था, लेकिन पांच मिनट बाद ही उनका माइक बंद कर दिया गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आरोपों का खंडन किया था। कांग्रेस ने बाद में नीति आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि वह अपनी स्थापना के बाद से ही पीएम नरेंद्र मोदी के लिए ढोल बजाने का काम कर रहा है। इसका कामकाज स्पष्ट रूप से पक्षपातपूर्ण रहा है और यह पेशेवर और स्वतंत्र बिल्कुल नहीं है।

अतिक्रमण के नाम पर लोगों को उजाड़ने के बजाय... योगी सरकार को मायावती ने दी नसीहत

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा है कि प्रदेश में अतिक्रमण के नाम पर लोगों को उजाड़ने के बजाय सरकार गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई व बिगड़ी कानून-व्यवस्था से त्रस्त लोगों के जीवन के सुधार पर ध्यान दे। उत्तर प्रदेश में सोमवार 29 जुलाई से शुरू हो रहे विधानमंडल सत्र से पहले बसपा प्रमुख ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि प्रदेश में बाढ़ की तबाही से प्रभावित लाखों परिवारों को सरकारी मदद की तत्काल आवश्यकता है और इसके प्रति सरकार का उदासीन रवैया ठीक नहीं है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''उप्र में बाढ़ की तबाही से प्रभावित लाखों परिवारों को सरकारी मदद की तत्काल आवश्यकता है, जिनके प्रति सरकार का उदासीन रवैया चिन्तनीय है।'' बसपा प्रमुख ने रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक?स' पर अपने एक अन्य पोस्ट में कहा, ''उप्र विधानसभा का मानसून सत्र कल सोमवार से प्रारंभ हो रहा है, जिसमें सरकार अनुपूरक बजट भी पेश करेगी।''

मायावती ने इसी पोस्ट में कहा, ''हालांकि यह सत्र भी संक्षिप्त ही होगा। लेकिन, भाजपा में जारी घमासान तथा इनकी अंदरूनी लड़ाई अगर सदन में हावी न हो और (सत्तारुढ़ दल) लोगों तथा प्रदेश के हित में कार्यों का निर्वहन करे तो बेहतर होगा।'' उन्होंने यह सुझाव भी दिया, ''अतिक्रमण के नाम पर लोगों को उजाड़ने के बजाय सरकार गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई व बिगड़ी कानून-व्यवस्था से त्रस्त लोगों के जीवन सुधार पर ध्यान दे।'' विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे की ओर से शनिवार को जारी एक सूचना के अनुसार 29 जुलाई को सदन की कार्यवाही शुरू होगी जो दो अगस्त तक चलेगी।

सुनहरे भविष्य की चाह में छोड़ा देश अब कनाडा से हुआ मोहभंग

– अधूरी पढ़ाई छोड़ लौटे भारत बोले– जैसा सोचा था ऐसा कुछ नहीं है वहां

बठिंडा (एजेंसी)। अच्छा भविष्य बनाने भारत से कनाडा गए युवा अब वतन वापस हो रहे हैं या फिर किसी अन्य देश में पलायन कर रहे हैं। पंजाब के युवा अपना भविष्य संवारने के लिए कनाडा में बसने को सबसे ज्यादा उत्सुक रहते हैं, लेकिन अब वहां की परिस्थितियां अत्यंत कठिन होती जा रही हैं। अब कनाडा में स्थानीय लोग भी बेरोजगारी की मार झेल रहे हैं। प्रवासियों की हालत अत्यधिक खराब है और इसमें भी बेरोजगारी व महंगाई के कारण छात्रों की हालत सबसे ज्यादा खराब है।

एक अनुमान के मुताबिक बठिंडा जिले में करीब 100 ऐसे छात्र हैं जो कनाडा छोड़कर अपने घर वापस आ गए हैं। कनाडा से मोहभंग होने के बाद भारत लौटे छात्र गुरशरन सिंह ने बताया कि वह 25 लाख रुपए खर्च करके अपना भविष्य बनाने कनाडा गया था लेकिन वहां ऐसा कुछ भी नहीं था, जैसा कि हमने आने से पहले सोचा था। वहां काम ही नहीं मिलता और यदि मिलता भी है तो मजदूरी का काम। उससे तो खर्च भी नहीं निकलता था। घर से पैसे मंगवाकर वहां रहना संभव नहीं था। इस कारण वापस आ गया और अब यहां पर पढ़ाई कर रहा हूं।

वहीं बठिंडा के ही छात्र नवदीप पुआर ने कहा कि वह पढ़ाई में होशियार है और उसने सोचा था कि कनाडा में पढ़ाई के दम पर अपने भविष्य को उज्ज्वल बना लूंगा लेकिन वहां पहुंचने पर पता चला कि वहां पढ़ाई की कोई वैल्यू ही नहीं है। वहां तो उसको मजदूरी करनी पड़ेगी। कुछ दिन मजदूरी की बाद में परिवार से बात की और वापस लौट आया। अब कभी भी कनाडा जाने के बारे में नहीं सोचूंगा और अपना भविष्य अपने देश में ही बनाऊंगा। कनाडा सपनों का देश है, ऐसे सपने जो कभी भी सच नहीं होते हैं।

कनाडा के दौरे से लौटे एक वरिष्ठ पत्रकार सरबजीत सिंह धालीवाल ने बताया कि कनाडा में भारतीय छात्रों की स्थिति बहुत खराब है। वे वहां काफी छात्रों से मिले हैं। उनमें से 60 फीसदी छात्र वापस आना चाहते थे जबकि कुछ शर्म के कारण आने से कतरा रहे हैं परंतु आना वे भी चाहते हैं। लेखिका गुरमीत कौर जस्सी ने कहा कि छात्रों के कनाडा से मोहभंग के कई कारण हो सकते हैं। इनमें मकानों का बढ़ता किराया और महंगाई है। इस कारण अब भारतीय छात्र पढ़ाई के लिए कनाडा में रहने से कतरा रहे हैं।

भारत के मिसाइल टेस्ट की निगरानी करने चीन ने भेजा जासूसी जहाज

– मात्र 120 मील की दूरी से नजर रख रहा चीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने अपने जासूसी जहाज जियांग यांग होंग 03 को हिंद महासागर में भेजा है। चीन इस जहाज को रिसर्च जहाज बताता है। लेकिन बताया गया है कि यह जहाज जासूसी में इस्तेमाल होता है। लेकिन चीन की ओर से इस जहाज को भेजने का समय बेहद खास है। जहाज को ऐसे समय पर भेजा गया है जब भारतीय नेवी सब सरफेस फायरिंग करने वाला है। चीन का जासूसी जहाज मिसाइल फायरिंग वाले इलाके से 222 किमी की दूरी पर है। ओपन सोर्स इंटेलिजेंस रिसर्चर ने एक ग्राफिक्स शेयर कर इसकी जानकारी दी है। इसमें उन्होंने बताया कि बंगाल की खाड़ी में लगभग 595 किमी के एरिया में भारतीय नौसेना सब सरफेस फायरिंग अभ्यास करने वाला है। चीन का समुद्री रिसर्च पोत जियांग यांग होंग 03 वर्तमान में बंगाल की खाड़ी में जा रहा है। यह अभ्यास वाली जगह से 120 समुद्री मील (222 किमी) दूरी पर चल रहा है। चीन ने संभवतः इसे जानकारी इकट्ठा करने के लिए भेजा होगा। इससे पहले भी जब भारत को मिसाइल लॉन्च करना था तब भी चीन ने अपने जासूसी जहाजों को भेजा था। मार्च में भारत की ओर से ओडिशा तट पर मिसाइल लॉन्च के लिए अलार्म जारी किया गया था। इसके कुछ दिनों बाद एक चीनी रिसर्च जहाज भारत के पूर्वी समुद्री तट पर पहुंच गया। इसके बाद अग्नि पांच मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया था। पीएम मोदी ने एक्स पर इसकी पुष्टि की थी। तब चीन ने जियान यांग होंग-1 जासूसी जहाज को भेजा था। चीन के ये कथित रिसर्च जहाज जासूसी के लिए इस्तेमाल होते हैं। चीन का कहना है कि वह इनके जरिए समुद्र का शोध कर रहा है। लेकिन विशेषज्ञ चेतावनी दे चुके हैं कि इस जहाज में सैन्य ग्रेड के उपकरण लगे हो सकते हैं। यह समुद्र की मैपिंग कर सकता है जो भारत के साथ युद्ध में चीनी पनडुब्बियों को फायदा पहुंचाएगा। पहले यह जहाज श्रीलंका के बंदरगाह पर रुकते थे। लेकिन भारत के विरोध के बाद श्रीलंका ने इसे अपने तट पर रुकने से मना कर दिया। भारत से तनाव के बीच मालदीव ने चीन के जासूसी जहाज को अपने तट पर रुकने दिया। अप्रैल में यह जहाज दूसरी बार मालदीव के तट पर रुका था।